जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

चूरू

Rashtradoot

फोनः- 256906, 256907, फैक्सः- 01562-256908 वर्षः 16 संख्याः 259 प्रभात चूरू, बुधवार 15 जनवरी, 2025 पो. रजि. न. चूरू/084/2019-21 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

मकरसंक्रांति पर जल महल की पाल पर आयोजित पतंग उत्सव का उद्घाटन मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा तथा उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने किया। इस अवसर पर पर्यटकों के लिये सांस्कृतिक कार्यक्रम का भी आयोजन हुआ।

‘2026 करोड़ रू. के नुकसान का कोई जवाब नहीं है केजरीवाल के पास’

आबकारी नीति पर सीएजी रिपोर्ट को केजरीवाल के खिलाफ चुनावी मुद्दा बना रही है भाजपा

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 14 जनवरी। अरविंद केजरीवाल और उनकी आप सरकार के पास राजकोष को हुये उस 2026 करोड़ रूपए के नुकसान का कोई जवाब नहीं है, जो कंट्रोलर एंड ऑडिटर जनरल (सीएजी) की 14 रिपोर्टों में बताया गया है। दिल्ली उच्च न्यायालय ने इस बात को लेकर आप सरकार को फटकार लगाई है कि उसने सीएजी की रिपोर्ट दिल्ली विधानसभा में पेश नहीं की।

- 25 साल से दिल्ली की सत्ता से दूर भाजपा को उम्मीद है कि इस चुनाव में 12 साल पुरानी आप सरकार को वह अवश्य ही मात दे देगी।
- जिस तरह आप सरकार के खिलाफ सीएजी की रिपोर्ट बड़ा मुद्दा बन रही है, ठीक इसी प्रकार केजरीवाल और अन्ना हजारे ने सीएजी रिपोर्ट के आधार पर डॉ. मनमोहन सिंह की यूपीए सरकार को घेरा था, जिसका भाजपा ने भरपूर लाभ उठाया।
- अब आप भी उसी स्थिति का सामना कर रही है। हालांकि, आप इस बार सीएजी रिपोर्ट की प्रामाणिकता पर सवाल उठा रही है।

5 फरवरी को होने वाले चुनाव 12 साल से शासन कर रही आम आदमी पार्टी की सरकार के इर्द-गिर्द केन्द्रित हैं, जबकि भाजपा पिछले 25 साल से दिल्ली की सत्ता से बाहर है। सभी लोगों की नज़रें इस बिन्दु पर लगी हुई हैं कि क्या केजरीवाल भाजपा की हिन्दुत्व की राजनीति के साथ इस चुनावी लड़ाई में हैट्रिक लगा पाएंगे।

जहाँ आप, सत्ता-विरोधी प्रवृत्ति का सामना कर रही है, क्योंकि लोग उससे नाराज हैं और लोगों में उसकी सरकार में रूचि नहीं रही हैं, सभी लोगों की नज़रें इस बात पर टिकी हुई है कि क्या भाजपा, आप को मात दे देगी, जिसने भाजपा को 2015 में 3 सीटों तथा 2020 के चुनाव में 8 सीटों तक सीमित कर दिया था। 2015 से लेकर अब तक, कांग्रेस, जो 15 साल सत्ता में रही थी, एक भी सीट नहीं जीत पाई है।

आप नेता जोर देकर कह रहे हैं कि सीएजी रिपोर्ट जैसी कोई चीज नहीं है, क्योंकि मुख्यमंत्री तथा उपराज्यपाल में से किसी ने भी इस बात का सत्यापन नहीं किया है और न सीएजी ने ही कोई स्पष्टीकरण दिया है।

आप इस बात से परेशान है कि उच्च न्यायालय ने आप सरकार द्वारा सीएजी रिपोट्र्स छिपाने पर सवाल खड़े किये हैं। यहाँ यह स्मरण दिलाना उचित होगा कि इसी बिन्दु पर केजरीवाल और अन्ना हजारे ने तत्कालीन मनमोहन सिंह सरकार को घेरा था। तत्कालीन सीएजी विनोद राय ने निराधार रिपोर्टों के लिये 78 साल बाद सार्वजनिक रूप से माफी माँगी थी, जबकि मोदी सरकार ने उन्हें 2016 में बैंकिंग बोर्ड ब्यूरो का चेयरमैन बनाकर पुरस्कृत किया था।

कांग्रेस नेता इस बात को लेकर चकित थे कि उनकी पार्टी द्वारा तत्कालीन यूपीए सरकार के खिलाफ किये गये झूठे दुष्प्रचार के लिये केजरीवाल ने माफी नहीं माँगी थी। कांग्रेस, दिल्ली की तत्कालीन मुख्यमंत्री शीला दीक्षित के नेतृत्व में मिली हार के बाद के चुनावों में पार्टी के क्लीन-बोल्ड आउट होने के कारण तलाश आज भी कर रही है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

मुख्यमंत्री भजनलाल ने जल महल की पाल पर पतंग उड़ाई

उन्होंने व उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने पर्यटन विभाग के ‘‘काईट फैस्टिवल’’ का उद्घाटन किया

जयपुर,14 जनवरी। मकर संक्रांति के शुभ अवसर पर जयपुर के जल महल की पाल पर आयोजित ‘‘काइट फैस्टिवल’’ ने राजस्थान की सांस्कृतिक धरोहर और पर्यटन को एक नया आयाम दिया। यह आयोजन न केवल पतंगबाजी का जश्न था, बल्कि पारंपरिक कला, संगीत और भोजन का अद्भुत संगम भी रहा।

- इस अवसर पर पर्यटकों के लिये लंगा गायन, कालबेलिया नृत्य, मयूर नृत्य व भपंग वादन का आयोजन किया गया। दाल के पकौड़े, तिल के लड्डू, गजक व रेवड़ी जैसे स्थानीय व्यंजन का पर्यटकों ने आनन्द लिया।

मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा और उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने इस आयोजन का उद्घाटन गुब्बारे उड़ाकर किया। पतंगबाजी के रोमांच ने पूरे आयोजन को विशेष बना दिया। जल महल के आसमान में रंग-बिरंगी पतंगों ने उत्सव के माहौल को जीवंत कर दिया। पतंग बनाने की पारंपरिक कला का लाइव प्रदर्शन भी किया गया, जिसने बच्चों और पर्यटकों को बहुत आकर्षित किया।

मुख्यमंत्री ने पतंग उड़ाकर मकर संक्रांति के उत्सव में सभी का उत्साहवर्धन किया। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी और हवामहल विधायक बालमुकुंदाचार्य ने पतंग उड़ाईं तथा उपस्थित कलाकारों और देशी- विदेशी पर्यटकों के साथ पतंग उत्सव मनाया।

मुख्यमंत्री भजनलाल तथा उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी को अपने बीच देखकर देशी- विदेशी पर्यटक और जयपुर के लोग प्रसन्न दिखाई दिए। सभी के लिए यह पतंग उत्सव विशेष बन गया।

मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा और उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने पतंग प्रदर्शनी का भी अवलोकन किया। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने घोषणा की कि आने वाले वर्षों में इस उत्सव को और भव्य रूप दिया जाएगा। उन्होंने कहा, हमारी कोशिश है कि इस तरह के आयोजन राजस्थान को वैश्विक पर्यटन के केन्द्र में लाएं।

उन्होंने कहा कि जयपुर का यह उत्सव राजस्थान की सांस्कृतिक विविधता का प्रतीक है और देश-विदेश के पर्यटकों को यहां की समृद्धि से परिचित कराता है। उन्होंने कहा कि यह आयोजन राज्य की परंपराओं और समृद्धि को विश्व पटल पर प्रस्तुत करने का एक अच्छा अवसर है।

इस आयोजन में लोक कला और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने दर्शकों का मन मोह लिया। लंगा गायन, कालबेलिया नृत्य, मयूर नृत्य और भपंग वादन जैसे पारंपरिक प्रदर्शन ने लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया। मुख्यमंत्री एवं उपमुख्यमंत्री ने कलाकारों की प्रस्तुतियों की सराहना की, वहीं, विदेशी पर्यटक इन प्रस्तुतियों से उत्साहित नजर आये।

स्थानीय व्यंजनों ने भी इस उत्सव को खास बना दिया। दाल के पकौड़े, तिल के लड्डू, गजक और रेवड़ियों ने लोगों को पारंपरिक स्वाद का आनंद दिलाया।

पर्यटन विभाग के सचिव रवि जैन, आयुक्त विजयपाल सिंह, और जयपुर जिला कलेक्टर जितेन्द्र सोनी, उपनिदेशक पर्यटन उपेन्द्र सिंह शेखावत सहित, कई प्रशासनिक अधिकारी, देशी- विदेशी पर्यटक तथा अनेक जयपुर निवासी इस अवसर पर उपस्थित रहे।

इसके बाद, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा सांगानेर स्थित पिंजरापोल गोशाला गए, जहाँ उन्होंने सपत्नीक विधिवत् मंत्रोच्चारण के साथ गौ पूजन किया एवं गायों को चारा खिलाकर गौसेवा की।

आज नए मुख्यालय में शिफ्ट करेगी कांग्रेस

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 14 जनवरी। हरियाणा व महाराष्ट्र के विधानसभा चुनावों में मिली हार के बाद कठिन चुनावी चुनौतियों का सामना कर रही कांग्रेस पार्टी बुधवार को अपने नए राष्ट्रीय मुख्यालय, इंदिरा भवन में शिफ्ट होगी।

यदि दीवारें बात कर सकतीं तो, 24, अकबर रोड, बंगला, ब्रिटिश राज,

- नया हैड क्वार्टर, 9ए कोटला रोड का नामकरण इंदिरा भवन किया गया है।

1960 के दशक के बर्मा तथा कांग्रेस पार्टी के नाटकीय उतार-चढ़ावों पर एक किताब लिखता, जहाँ 47 वर्ष पहले इस आलीशान भवन में कांग्रेस ने अपना मुख्यालय बनाया था।

कांग्रेस पार्लियामैंटरी पार्टी की चेयरपर्सन, सोनिया गांधी बुधवार को इंदिरा भवन, 9 ए कोटला रोड, का उद्घाटन करेंगी।

आगामी बजट में कई टैक्स राहतें मिलने की संभावना

जानकार सूत्रों ने बताया, प्रधानमंत्री कार्यालय में बजट पर चर्चा में यह संभावना उभरी

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 14 जनवरी। केन्द्रीय बजट में मांग को समर्थन देने और ग्रोथ को बढ़ाने के लिए कुछ कदम उठाए जाने की संभावना है, एक तरह से सरकार ने मान लिया है कि अर्थव्यवस्था मंद हो रही है और इसे सहायता की जरुरत है।

- महाराष्ट्र व हरियाणा विधानसभा चुनावों में जीत से उत्साहित भाजपा सुधार कार्यक्रमों व ‘‘ईज़ ऑफ डूईंग बिज़नैस’’ के संबंध में बजट में मजबूत रुख अपनाना चाहती है।
- भाजपा हल्कों में भी मांग उठ रही है कि मध्यम वर्ग को इन्कम टैक्स में राहत दी जाए, ताकि मांग और उपभोग में वृद्धि हो। विशेषज्ञों का कहना है कि टैक्स का बोझ कम होने से शहरों में मांग बढ़ेगी।
- बजट में कॉरपोरेट टैक्स और टीडीएस प्रणाली का सरलीकरण किए जाने की भी संभावना बताई जा रही है।

जानकार सूत्रों ने बताया, जो कदम उठाए जाने पर विचार हो रहा है, उनमें मध्यम वर्ग को टैक्स राहत देने और उद्योग वर्ग को बाहरी वातावरण के प्रभाव से बचाने, टैरिफ सम्बंधी उपाय करने से लेकर रोजगार सृजन और निजी निवेश बढ़ाना प्रमुख हैं।

‘‘गत सप्ताह प्रधानमंत्री कार्यालय में बजट पर चर्चा हुई थी और आगे भी चर्चा होगी। महाराष्ट्र और हरियाणा में चुनावी जीत से उत्साहित नरेन्द्र मोदी सरकार बजट में मजबूती का संदेश देना चाहती है कि सुधार कार्यक्रम ईज़ ऑफ डूइंग बिजनैस जारी रखा जाएगा। सूत्रों ने कहा, चर्चा शुरु हो गई है और सरकार में यह आम राय बन रही है कि एक सशक्त संदेश देना चाहिए।’’

वित्त वर्ष 2025 में भारत की

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

तीसरी पीढ़ी की गाइडेड मिसाइल का सफल मूल्यांकन परीक्षण

जैसलमेर, 14, जनवरी (नि.सं.)। पोकरण फील्ड रेंज में भारतीय सेना के वरिष्ठ अधिकारियों की मौजूदगी में स्वदेशी रूप से विकसित तीसरी पीढ़ी की ‘‘एंटी-टैंक फायर-एंड-फॉरगेट’’ गाइडेड मिसाइल, नाग एमके 2 के फील्ड मूल्यांकन परीक्षण सफलतापूर्वक किए गए। तीन फील्ड परीक्षणों के दौरान, मिसाइल प्रणालियों ने सभी लक्ष्यों को सटीक रूप से नष्ट कर दिया - अधिकतम और न्यूनतम सीमा, इस प्रकार इसकी फायरिंग रेंज को मान्य किया गया।

नाग मिसाइल कैरियर वर्जन-2 का

- यह मिसाइल अब भारतीय सेना में शामिल होने के लिये तैयार है।

भी फील्ड मूल्यांकन किया गया। इसके साथ ही, अब पूरी हथियार प्रणाली भारतीय सेना में शामिल होने के लिए तैयार है। राजनाथ सिंह ने नाग एमके 2 की संपूर्ण हथियार प्रणाली के सफल क्षेत्र मूल्यांकन परीक्षणों के लिए डीआरडीओ, भारतीय सेना और उद्योग को बधाई दी है। रक्षा अनुसंधान एवं विकास विभाग के सचिव और डीआरडीओ के अध्यक्ष डॉ. समीर वी. कामत ने मिसाइल को भारतीय सेना में शामिल करने के लिए तैयार करने के लिए सभी हितधारकों के प्रयासों की सराहना की।

महाकुंभ के पहले शाही स्नान में 3.5 करोड़ लोगों ने संगम में डुबकी लगाई

पहले शाही स्नान में जूना अखाड़ा सहित 13 अखाड़ों के संतों ने स्नान किया

प्रयागराज,14 जनवरी। महाकुंभ के पहले अमृत (शाही) स्नान में मंगलवार को 3.5 करोड़ श्रद्धालुओं ने संगम में डुबकी लगाई। शाही स्नान सुबह 6 बजे शुरू हुआ और शाम 6 बजे खत्म हुआ। इस दौरान, जूना अखाड़ा समेत सभी 13 अखाड़ों के संतों ने स्नान किया।

- सुबह 6 बजे से शाही (अमृत) स्नान शुरु हुआ और शाम 6 बजे तक चला, तलवार व त्रिशूल लिए हुए सन्यासी हर-हर महादेव का उद्घोष करते हुए घाट पर पहुँचे।
- स्नान के बाद लोगों ने वापसी शुरु की तो रेल्वे प्लेटफॉर्म और बस स्टैंड तक जाने वाली सड़कों पर भारी भीड़ हो गई। लोगों को अब ट्रेन व बस के समय के आधार पर ही आगे भेजा जा रहा है।
- ट्रेन व बसों में भारी भीड़ के कारण कई शृद्धालु लौट नहीं पाए हैं और होटल, धर्मशाला व रैन बसेरे फुल होने के कारण उन्हें सड़कों पर ही सोना पड़ रहा है।

स्नान के बाद, लोगों ने प्रयागराज से लौटना शुरू कर दिया है। रेलवे स्टेशन और बस स्टैंड की ओर जाने वाली सड़कों पर भारी भीड़ देखी गई। प्रयागराज रेलवे स्टेशन पर पैर रखने की जगह नहीं है। लोगों को हॉल में रोका गया है।

ट्रेनों के हिसाब से उन्हें प्लेटफार्म पर भेजा जा रहा हैं। रेलवे के अमित सिंह ने बताया कि आज सुबह से अब तक 55 महाकुंभ स्पेशल ट्रेनें रवाना की

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

मंगलवार को मकर संक्रांति पर महाकुंभ में प्रथम शाही (अमृत) स्नान में सबसे पहले जूना अखाड़ा के संतों ने संगम में स्नान किया। तलवार और त्रिशूल लिए हुए साधू संत घोड़े पर सवार होकर घाट पर पहुंचे। जूना अखाड़ा के बाद, 12 अन्य अखाड़ों के संतों ने संगम स्नान किया।

हाई कोर्ट से वापस मिल पायी साइबर फ्रॉड में फ्रीज राशि

जयपुर, 14 जनवरी। सायबर फ्रॉड में गई राशि को भले ही बैंक में फ्रीज कर दिया हो, लेकिन पीड़ित युवती को उसे वापस लेने के लिए राजस्थान हाईकोर्ट तक संघर्ष करना पड़ा।

अब हाईकोर्ट ने निचली अदालत को निर्देश दिए हैं कि वह संबंधित बैंक को आदेश देकर याचिकाकर्ता को राशि दिलाए। हालांकि अदालत ने कहा है कि याचिकाकर्ता निचली अदालत में यह अंडरटेकिंग दे कि यदि किसी तीसरे पक्ष ने इस राशि पर क्लेम किया तो वह राशि जमा करा देगा और अदालत उस पर फैसला करेगी। जस्टिस अनूप कुमार ढंड की एकलपीठ ने ये आदेश वृषिता मेहता की याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए।

- याचिकाकर्ता की राशि तीन साल से बैंक में फ्रीज पड़ी थीं पुलिस ने भी फाइनल रिपोर्ट के बाद याचिकाकर्ता को राशि देने में कोई आपत्ति नहीं की थी।

याचिका में अधिवक्ता विजय पाठक ने अदालत को बताया कि याचिकाकर्ता के साथ साल 2022 में साइबर फ्रॉड हुआ था। इसके चलते उससे 99,999 रुपए बंधन बैंक में

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

सौंदर्य और विलास के आवरण में महत्त्वाकांक्षा उसी प्रकार पोषित होती है जैसे म्यान में तलवार। –रामकुमार वर्मा

हिन्दी फिल्मों का जुनून दफ़ा, सिनेमाघरों में दर्शकों का टोटा

खबर है कि भारतीय सिनेमा के लिए बीता 2024 साल अच्छा नहीं रहा। सिनेमा के बॉक्स ऑफिस पर निगाह रखने वाली एक एजेंसी के मुताबिक भारतीय सिनेमा की टिकट बिक्री से होने वाली आय उसके पिछले साल 2023 से तीन प्रतिशत कम रही क्योंकि कुल टिकटों की बिक्री इस वर्ष से छह प्रतिशत घट गई, अर्थात सिनेमा जाने वाले लोग कम हो गये। यह खबर चौकाती नहीं, क्योंकि नई सदी में मनोरंजन के अनेक माध्यम उपलब्ध हो जाने के बाद लोकप्रिय सिनेमा के रुतबे का घटना क्रम किसी से छुपा नहीं है। पिछली सदी में जब हिंदुस्तान में सिनेमा आया, तभी से यहां के लोग फिल्मों के दीवाने रहे हैं। ऐसी किंवदंतियां हैं कि हिन्दुस्तानी सिनेमा के जनक दादा साहब फाल्के की फिल्में जब दूर दराज के इलाकों में दिखाई जाती थी तब उनके टिकटों की बिक्री से होने वाली आय में मिलने वाली नकदी के सिक्के बैलगाड़ियों में भर-भर कर लाए जाते थे। पचास के दशक में जब हिन्दुस्तानी सिनेमा अपने पूरे शबाब पर आ गया तब सिनेमाघर में आठ-दस हफ्ते तो हर फिल्म चल ही जाती थी। सफल फिल्म का सौ दिन चलना सामान्य बात थी। पच्चीस हफ्ते की सिल्वर जुबली और 50 हफ्ते की गोल्डन जुबली के बड़े जश्न होते थे। अब तो एक हफ्ते से अधिक चलने वाली साल में दो-चार फिल्में होती हैं। वो ज़माने भी गये जब फिल्म देखना युवाओं में क्रेज़ होता था। परिवार का एक साथ फिल्म देखने जाना भी एक ईवेंट होता था। वह इस देश और यहां के बहुसंख्य लोगों के लिए गरीबी का दौर था, जिसमें सस्ते मनोरंजन का एकमात्र जरिया फिल्में ही होती थी। परिवारों को पहली तारीख का इंतजार रहता था क्योंकि उस दिन पगार मिलती थी। कोई 70 साल पहले 1954 में एक फिल्म बनी थी 'पहली तारीख', जिसमें किशोर कुमार का गाया गाना 'दिन है सुहाना आज पहली तारीख है/खुश है ज़माना आज पहली तारीख है', को सुन कर उस दौर को समझा जा सकता है। यह गाना रेडियो सीलोन पर आज भी प्रत्येक माह की पहली तारीख को उसी तरह नियमित बजता है, जिस तरह वहां प्रतिदिन पुरानी फिल्मों के गीत कार्यक्रम के अंत में कुंदनलाल सैगल का कोई गाना बजता है। 'पहली तारीख' के इस गाने का पहला अंतरा सुनें: 'बीवी बोली घर ज़रा जल्दी से आना/ शाम को पियाजी हमें सिनेमा दिखाना'। मनोरंजक सिनेमा की भारतीय समाज-परिवार में अंदर तक पहुंच थी। सिने-संगीत सिनेमाघरों से बाहर भी रेडियो और ध्वनि मुद्रिकाओं के जरिए घर-घर पहुंच कर फिल्मों को अतिरिक्त लोकप्रियता देता था। मगर नई सदी में ज़माना बदल गया। अब सिनेमा देखने के लिए सिनेमाघरों में जाने का जुनून नज़र नहीं आता। उनकी दीवानगी पहले जैसी नहीं रही, जब पहले दिन पहला शो देखने की होड लगी रहती थी या किसी फिल्म को बार-बार देखने जाना सामान्य बात होती थी। फिल्म देखने की वह 'रिपीट वेल्यू' ही उस जमाने में किसी फिल्म की व्यावसायिक सफलता तय करती थी। अब किसी फिल्म को कौन बार-बार देखता है। तब फिल्म से आमदनी का जरिया सिर्फ टिकटों की बिक्री होता था। संगीत की रॉयल्टी जरूर उसके अलावा होती थी। यह रिपीट वेल्यू अनेक कारणों से होती थी। फिल्म के पारिवारिक कथानक जो सभ्रांत परिवारों को सिनेमाघरों तक खींच लाते थे। इनसे साथ हास्य, रोमांस और मारधाड़ के रसिक दर्शक भी बॉक्स ऑफिस पर टूट पड़ते थे। सिने अभिनेता और अभिनेत्रियों की स्क्रीन प्रेजेन्स के अपने जलवे होते थे। हर वर्ग के अपने चहीता कलाकार होते थे। जैसे सबको लुभाने वाली तिकड़ी देव आनंद, राजकपूर, दिलीप कुमार। अभिनेत्रियों में मीना कुमारी, मधुबाला, नूतन। अन्य श्रेणी की फिल्मों के भी अपने लोकप्रिय अभिनेता होते थे। धार्मिक फिल्मों के त्रिलोक कपूर, ऐतिहासिक फिल्मों के जयराज और तलवारबाजी वाली फिल्मों के रंजन।

मगर अब, जैसा कि फिल्म व्यवसाय के नए आंकड़े दर्शाते हैं, देश में फिल्म देखने की लोगों की आदतें बदल गई हैं। इसी के चलते हमने पहले बड़ी सिटिंग क्षमता वाले सिंगल स्क्रीन सिनेमाघरों को विदा होते देखा और अब छोटे-छोटे मल्टीप्लेक्स में भी दर्शकों का टोटा पड़ने लगा है। लोगों की सिनेमा देखने की आदत बदलने में अनेकों कारक गिनाये जा सकते हैं। सबसे बड़ा कारक तो यही कि अब इफ़रात की अर्थव्यवस्था में माध्यम वर्ग की जेब में अपनी जरूरतें पूरी करने के बाद अतिरिक्त पैसा बचने लगा है जिसे पाने के लिए बाज़ार मनोरंजन के अनेक लुभावने माध्यम उपलब्ध कराने लगा है। विशेषज्ञ कहते हैं कि बोरियत, मनोरंजन की ज़रूरत और सामाजिक अनुभवों की इच्छा सिनेमाघर जाने के लिए आंतरिक ट्रिगर का काम करती रही हैं, लेकिन मनोरंजन के अन्य विकल्पों- जैसे कि लाइव इवेंट, अनुभवात्मक गतिविधियों में शामिल होना और रेस्तरां जाना सिनेमा को कड़ी प्रतिस्पर्धा दे रहे हैं। सिनेमाघर में जाकर फिल्म देखने की बजाय अब दर्शक, टेलीविज़न या ओटीटी प्लेटफ़ॉर्म जैसे मुफ़्त या कम लागत वाले विकल्पों को चुनने लगे हैं। विशेषज्ञ यह भी कहते हैं कि सिनेमा जाने की पुरानी आदत को बदलने में फ़िल्मों की गुणवत्ता की भी बड़ी भूमिका रही है। सरल सामाजिक और पारिवारिक फ़िल्में लगभग अनुपस्थिति हैं, खास कर हिन्दी फिल्म जगत में। देश में सिनेमा व्यवसाय का जैसा परिदृश्य अभी सामने है उसमें बॉलीवुड को गंभीर चुनौती मिल रही है। आंकड़े कहते हैं कि 2023 में केवल साढ़े 15 करोड़ भारतीयों ने सिनेमाघरों में कम से कम एक फिल्म देखी, जिसके परिणामस्वरूप घरेलू बॉक्स ऑफिस पर कुल सवा 94 करोड़ लोग फिल्म देखने सिनेमाघर गये। इसका मतलब है कि हर सिनेमाघर जाने वाले व्यक्ति ने सालाना औसतन सिर्फ़ छह फ़िल्में देखी। हिंदी फ़िल्मों की संख्या प्रति व्यक्ति सिर्फ़ तीन रही। इसके विपरीत, तमिल और तेलुगु फ़िल्मों की औसत संख्या क्रमशः 8.1 और 9.2 रही। पिछले साल भारत के कुल बॉक्स ऑफिस कलेक्शन में हिंदी सिनेमा का योगदान 2023 में 44 प्रतिशत की तुलना में 2024 में घटकर 40 प्रतिशत रह गया। आंकड़े यह भी बताते हैं कि 2024 में हिंदी सिनेमा के कलेक्शन का 31 प्रतिशत हिस्सा दक्षिण भारतीय फिल्मों के डब संस्करणों से आया। अगर केवल मूल हिंदी भाषा की फिल्मों पर विचार किया जाए, तो जहां फिल्म जगत में बॉक्स ऑफिस की कमाई का आधे से अधिक हिस्सा कभी हिन्दी फिल्मों का होता था वहां अब उनके बॉक्स ऑफिस में 37 प्रतिशत की गिरावट दर्ज हुई मिलती है। गये साल बॉक्स ऑफिस पर कमाई करने वाली टॉप 20 फिल्मों में पांच तेलुगु, चार हिन्दी, तीन-तीन तमिल और मलयालम फिल्में हैं। इसका मतलब यह हुआ कि भारत के सिनेमा बाज़ार पर अब हिन्दी फिल्मों का दबदबा खत्म होता जा रहा है। इसे बहुत से लोग इस मायने में अच्छी बात मान रहे हैं कि क्षेत्रीय सिनेमा सम्पूर्ण भारत में सफल होता हुआ अपनी पहचान बना रहा है। उनके लिए यह खुशी की बात है कि मलयालम सिनेमा ने 2023 में अपने बॉक्स ऑफिस शेयर को 5 प्रतिशत से दोगुना करके 2024 में 10 प्रतिशत कर दिया, जो पहली बार 1,000 करोड़ रुपये के आंकड़े को पार कर गया। तमिल और तेलुगु सिनेमा ने बड़े पैमाने पर अपना बॉक्स ऑफिस शेयर बनाए रखा। इसी प्रकार 84 करोड़ रुपयों का कलेक्शन करके, गुजराती सिनेमा ने 2023 की तुलना में 66 प्रतिशत की प्रभावशाली उछाल दर्ज की। स्थानीय सितारों और क्षेत्रीय स्वाद के अनुरूप सामग्री तथा दक्षिणी भारत के फिल्म उद्योग में उच्च निवेश ने वहां के सिनेमाघरों को गुलजार रखा, जबकि बॉलीवुड इसमें विफल होता नज़र आ रहा है। क्षेत्रीय फिल्मों की सफलतामें उनके सितारों के जलवे और तमाशे के अलावा, उनके विषय भी रहे।

यह स्पष्ट है कि सिनेमाघरों के टिकटों की ऊंची कीमतें, बड़े पैमाने पर नई फिल्मों के रिलीज़ की कमी और मुफ्त घरेलू मनोरंजन के ढेरों विकल्प लोगों को सिनेमाघरों से दूर कर रहे हैं। घर पर फिल्म देखने का एक किफायती और प्रतिस्पर्धी तरीका उपलब्ध होने से फिल्म दर्शकों का व्यवहार बदला है। इस बदलाव में कोरोना महामारी की बड़ी भूमिका रही है, जब घर से निकलना बंद था तब मनोरंजन के लिए सभी ऑनलाइन साधनों का उपयोग करने लगे और वह उनकी आदत में शुमार हो गया।

यह स्पष्ट है कि सिनेमाघरों के टिकटों की ऊंची कीमतें, बड़े पैमाने पर नई फिल्मों के रिलीज़ की कमी और मुफ्त घरेलू मनोरंजन के ढेरों विकल्प लोगों को सिनेमाघरों से दूर कर रहे हैं। घर पर फिल्म देखने का एक किफायती और प्रतिस्पर्धी तरीका उपलब्ध होने से फिल्म दर्शकों का व्यवहार बदला है। इस बदलाव में कोरोना महामारी की बड़ी भूमिका रही है, जब घर से निकलना बंद था तब मनोरंजन के लिए सभी ऑनलाइन साधनों का उपयोग करने लगे और वह उनकी आदत में शुमार हो गया। एक फिल्म वितरक और प्रदर्शक की टिप्पणी है कि पिछले दो दशकों में हिन्दी सिनेमा देखने के आम आदमी के अनुभव को आर्थिक रूप से दुर्गम बनादिए जाने से दर्शक सिनेमाघरों से दूर होते चले गये हैं। दूसरी तरफ ऐतिहासिक रूप से, देश के अन्य हिस्सों की तुलना में दक्षिण भारत में सिनेमा देखने की आदत बहुत मजबूत रही है, और महामारी के बाद भी यह जारी रही है। सिनेमाघरों से छिटकते दर्शक संयुक्त राज्य अमेरिका और ब्रिटेन सहित दुनिया भर के अन्य परिपक्व फिल्म बाजारों की भी समस्या हो रहे हैं। वहां भी स्ट्रीमिंग सेवाओं और होम थिएटर सेटअप के उदय के साथ, सिने दर्शक घर की सुविधा के पक्ष में सिनेमाघर जाना छोड़ रहे हैं, भले ही सिनेमाघर में फिल्म देखने का अनुभव घर पर पूरी तरह से दोहराया नहीं जा सकता हो। स्ट्रीमिंग सेवाओं के बड़े प्लेटफ़ॉर्म फिल्मों और सीरीज़ की विशाल लाइब्रेरी उपलब्ध कराते हैं, जिन्हें दर्शक कुछ ही क्लिक में देख सकता है अपनी सुविधा के समय और स्थान पर देख सकते हैं। जैसे-जैसे लोग घर पर ज़्यादा समय बिताते हैं -वर्क फ्रॉम होम करते हैं उससे भी घर से बाहर मनोरंजन की मांग कम हो गई है। अब फिल्में सिनेमाघरों तथा ओटीटी पर एक साथ रिलीज़ होती है। ऐसे में सिनेमाघर का रुख करने की पर वह कौन करे!

–अतिथि संपादक,
राजेन्द्र बोड़ा
(वरिष्ठ पत्रकार एवं विश्लेषक)

क्या भारत में वर्किंग ऑवर्स की बहस थम पाएगी.....

अविनाश जोशी

भारत में इन दिनों ड्यूटी ऑवर यानी कि कामकाजी घंटों को लेकर बहस जारी है। लार्सन एंड टूब्रो के चेयरमैन एसएन सुब्रह्मण्यम ने 90 घंटे काम करने की सलाह देकर इस बहस को गरमा दिया है। सुब्रह्मण्यम ने उत्पादकता बढ़ाने के लिए लंबे कामकाजी घंटों के विचार का समर्थन किया। उन्होंने यह भी सुझाव दिया कि कर्मचारियों को रविवार को भी काम करना चाहिए।

भारत में पुरातन दकियानूसी सोच के तहत हर व्यक्ति लंबे समय तक कार्य करने की पद्धति को बेहतर कार्य शैली का पैमाना मानता है। इस सोच के कारण हमारा देश हमेशा उन लोगों को ज्यादा अहमियत देता है जो लंबे समय तक दिन में कार्य कर सके। आज के कॉरपोरेट जगत में कार्य की गुणवत्ता का आकलन करे तो एक बड़ी बहस छिड़ जाएगी। अमूमन हर कंपनी में कार्य के दिखावे का चलन कंपनी के आंतरिक स्वास्थ के लिए तकलीफ देह होता है।

आज के युग में वर्किंग ऑवर्स की बजाय कार्य की गुणवत्ता एवं प्रगतिशील विचारों के बारे में सोचना चाहिए। अगर हो सके तो कार्यक्षेत्र में राजनीति, भ्रष्टाचार एवं भाई भतीजावाद के बारे में गंभीरता से विचार करना चाहिए। लार्सन एंड टुब्रो के चेयरमैन सुब्रह्मण्यन इससे एक कदम आगे निकल गए. उन्होंने यहां तक कहा कि उनका बस चले तो संडे को भी कर्मचारियों को दफ्तर बुलाएं, क्योंकि वह खुद रविवार के दिन काम करते हैं. वर्क लाइफ बैलेंस पर बहस अपनी जगह है, लेकिन हम यहां वर्किंग ऑवर्स पर बात करेंगे। क्या कंपनियां अपने कर्मचारियों से मनमर्जी से काम करा सकती हैं? भारत में वर्किंग ऑवर्स पर कानून क्या है? अगर कंपनियां काम के बदले उचित पैसा न दें तो क्या करें, कहां शिकायत करें आइए जानते हैं...

भारत में श्रम कानून लागू है। इस कानून के अनुसार लोगों के अधिकतम काम के घंटे निर्धारित हैं और कोई भी कंपनी इससे ज्यादा काम अपने कर्मचरियों से नहीं ले सकती है। श्रम कानून के फैक्ट्रीज एक्ट में कहा गया है कि भारत की फैक्ट्रियों और उत्पादन इकाईयों में एक दिन में अधिकमत 8 से 9 घंटे ही काम कराया जा सकता है। हालांकि, एक सप्ताह में काम 48 घंटे से ज्यादा नहीं होना चाहिए। इसका सीधा मतलब है कि कोई भी कंपनी अधिकतम छह दिन में 48 घंटे ही काम करा सकती है।

कुछ ऐसी कंपनियां भी हैं, जहां कर्मचारियों से ओवरटाइम कराया जाता है। हालांकि, कंपनियों को इस ओवरटाइम के बदले कर्मचारियों को उचित भुगतान भी करना होता है। श्रम कानून के मुताबिक, ओवरटाइम भी सप्ताह में कुल 60 घंटे से ज्यादा नहीं होना चाहिए। यहां तक कि अधिकमत पांच घंटे काम के बाद कम से कम एक घंटे का ब्रेक देना भी जरूरी है।

श्रम कानून में कोई भी कंपनी कानून का उल्लंघन करती है, यानी कर्मचारियों से जबरन निर्धारित घंटों से जयादा काम करवाती है, तो कंपनी या फैक्टरी के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई जा सकती है। कानून के उल्लंघन पर अधिकमत दो साल की सजा या फिर एक लाख तक का जुर्माना लगाया जा सकता है।

भारत में गुलामी के एक लंबे दौर के बाद दुनिया भर में कई मजदूर आंदोलन हुए। तब जाकर कामगारों के लिए कुछ कानून बनाए गए। काम के घंटे तय हुए, ये तय हुआ कि मजदूरों के मानसिक और शारिरिक स्वास्थ्य को एकनॉलेज किया जाए। वर्क-लाइफ-बैलेंस की बात हुई। भारत में उद्योग क्षेत्र के कुछ बड़े लोगों ने इस संघर्ष के दौर को धता बताने का प्रयास किया। इस कड़ी में सबसे पहली बोली लगाई, इंफोसिस के को-फाउंडर नारायण मूर्ति ने. फिर लार्सन एंड टुब्रो के चेयरमैन एसएन सुब्रह्मण्यन ने एक कदम आगे बढ़ते हुए और बड़ी बोली लगाई।

मूर्ति ने कहा कि भारत में लोगों को सप्ताह में 70 घंटे काम करना चाहिए, तो वहीं सुब्रह्मण्यन ने कहा कि लोगों को 90 घंटे काम करना चाहिए और वीकेंड पर भी काम करना चाहिए। मूर्ति ने कहा था कि चीन जैसे देश से आगे निकलने के लिए भारत के युवाओं को इतना काम करना पड़ेगा, तो चीन से ही शुरू करते हैं।

अगर सप्ताह में 5 दिन काम करें तो, मूर्ति के हिसाब से हर दिन 14 घंटे और सुब्रह्मण्यन के कहे मुताबिक हर दिन 18 घंटे काम करना होगा। अगर सप्ताह के 7 दिन भी काम करें तो भी इनके अनुसार, क्रमशः हर दिन 10 घंटे और करीब 13 घंटे काम करना होगा। चीन के लेबर कानून के मुताबिक, एक व्यक्ति को दिन 8 घंटे ही काम कराया जा सकता है और पूरे सप्ताह में 40 घंटे से ज्यादा काम नहीं कराया जा सकता। और अगर किसी स्थिति में इससे ज्यादा काम करना पड़ा, तो कंपनी को इसके लिए ओवरटाइम का पैसा अलग से देना होता है।

अमेरिका के अधिकतर राज्यों में भी ऐसा ही नियम है। जबकि कुछ राज्यों में तो इससे बेहतर प्रावधान हैं। जैसे कि कुछ राज्यों में हर एक घंटे काम करने के बाद आप 10 मिनट का ब्रेक ले सकते हैं। साथ ही ये भी सुनिश्चित किया जाता है कि कर्मचारियों को सप्ताह में कम से कम एक दिन की छुट्टी जरूर मिले।

वर्किंग ऑवर्स के बयान ने सोशल मीडिया पर एक बहस छेड़ दी है। 90 घंटे सप्ताह में काम करने के बयान के बाद एलएंडटी के चेयरमैन एसएन सुब्रमण्यन ट्रोल भी हो रहे हैं। लोगों का ये मानना है कि अगर 90 घंटे सप्ताह में काम करेंगे, तो फिर घर या अन्य कामों के लिए वक्त ही कहां बचेगा? इस चर्चा में कई दिग्गजों ने अपनी बात रखी है। इसी बीच, कैपिटलमाइंड के संस्थापक और सीईओ दीपक शेनॉय ने प्रोडक्टविटी और वर्क लाइफ बैलेंस पर अपनी बात शेयर की है।

शेनॉय ने एक्स पर अपनी पोस्ट में लिखा है, मैंने अपने पूरे कार्यकाल में शायद सप्ताह में 100 घंटे काम किया है, लेकिन उसमें से अधिकांश काम मैंने एक कारोबारी के रूप में की। आपको काम के घंटे लागू करने की जरूरत नहीं है, जो लोग प्रेरित हैं वे खुशी से काम करेंगे। किसी भी मामले में ज्यादातर वास्तविक काम दिन में 4-5 घंटे में होता है, लेकिन आपको नहीं पता कि यह कब होता है.आज जरूरत है हमें इन वास्तविक कार्य को आइडेंटिफाई करने की।

अगर हम विश्व के अन्य देशों के वर्किंग ऑवर्स की बात करे तो एक सप्ताह में जर्मनी में 35 से 40 घंटे, फ्रांस में 35 घंटे लेकिन स्वीडन में 30 से 35 घंटे का समय तय है। लेकिन भारत आज भी कार्य को लंबे समय में पूर्ण करने को अच्छा मानता है यह मापदंड की बार बेमानी लगती है। अगर हम जिंदगी की अनेक विद्याओं को जीना चाहते है, हमेशा परिवार के साथ मुस्कुराना चाहते है, स्वस्थ एवं मस्त रहना चाहते है, विश्व भ्रमण करना चाहते है एवं कभी कभी अच्छा संगीत भी सुनना चाहते है तो फिर समय तो चाहिए और समय केवल ओर केवल सप्ताह में से ही निकालना पड़ेगा।

–अविनाश जोशी,
स्वतंत्र पत्रकार एवं लेखक।

पांच दिवसीय भीलवाड़ा नाट्य महोत्सव का समापन

■ डॉ. अर्जुनदेव चारण के सम्मान में आयोजित महोत्सव का राजस्थानी नाटक 'गोरधन के जूते' के मंचन के साथ समापन हुआ

भीलवाड़ा। रसधारा सांस्कृतिक संस्थान द्वारा आसीएम एवं नगर निगम भीलवाडा के सहयोग से डॉ. अर्जुनदेव चारण के सम्मान में आयोजित पांच दिवसीय भीलवाड़ा नाट्यय महोत्सव का राजस्थानी नाटक 'गोरधन के जूते' के मंचन के साथ समापन हुआ।

रसधारा के साक्षात् ऑडिटोरियम में बूढ़े बोल नाम से एक इंप्रोवाइजेशन प्रस्तुति दी गई, जिसमें रसधारा के गोपाल आचार्य, अनुराग सिंह, शिवांगी बैरवा, प्रभु प्रजापत, शिल्पी माथुर, केजी कदम, नंदू शर्मा ने सीधे संवाद प्रस्तुत किए। रंग संवाद सत्र में रंग विशेषज्ञों ने नाट्यय विद्या के विविध विषयों पर अपने-अपने विचार रखे। 'मुझे मेरे नाप के ही जूते चाहिए, मैं जूते को पीछे से मोड़कर नहीं पहन सकती', यह संवाद है क्रिटिकल प्रोडक्शन जयपुर की टीम द्वारा युवा रंगकर्मी देशराज गुर्जर निर्देशित-लिखित नाटक 'गोरधन के जूते' की चरित्र मथरा नाम की लड़की का, जो अपने असामान्य रूप से बड़े पैरों के कारण सामाजिक मानदंडों के अनुरूप नहीं है। इस नाटक की कहानी मथरा की शादी के इर्द-गिर्द घूमती है, जो उसके दादा ने बचपन में ही तय की थी। जैसे-जैसे शादी नजदीक आती है, दोनों परिवारों को मथरा के बड़े पैरों में फिट होने के लिए जूते ढूंढने की दुविधा का सामना करना पड़ता है। यह छोटा सा मुद्दा एक बड़ी समस्या में बदल जाता है, जो सामाजिक दबावों और पूर्वाग्रहों को दर्शाता है, जिसमें एक स्वाभाविक सा हास्य उत्पन्न होता है, जो दर्शकों को गुदगुदाता है। जूते की खोज के दौरान कथा लैंगिक भेदभाव, घरेलू हिंसा और महिलाओं की समस्याओं जैसे विभिन्न विषयों को छूती है। जैसे-जैसे कहानी सामने आती है, मथरा के बास्केटबॉल खिलाड़ी बनने के सपने सामने आते हैं। हालांकि, उसने परिवार के सम्मान को बनाए रखने और अपने दादा के वादे को पूरा करने के लिए अपनी आकांक्षाओं का त्याग किया था।

नाट्य महोत्सव के दौरान कलाकारों ने कार्यक्रम पेश किये।

नाटक पारंपरिक अपेक्षाओं और व्यक्तिगत इच्छाओं के बीच टकराव को मार्मिक रूप से चित्रित करता है। नाटक का अंत मथरा के राष्ट्रीय बास्केटबॉल टीम में उसके चयन का हवाला देते हुए शादी करने से इनकार करने के इर्द-गिर्द घूमता है। वह ऐसे जूते पहनने के अपने अधिकार का दावा करती है जो उसे फिट करते हैं, आत्म अभिव्यक्ति और स्वतंत्रता की उसकी इच्छा का प्रतीक है। नगर निगम टाउन हाल में दर्शकों ने तालियों के साथ रसधारा के इस समारोह के शानदार आयोजन की सराहना की एवं भविष्य ने इस प्रकार के आयोजनों की निरंतरता बनाये रखने का आग्रह किया।

मकर संक्रांति पर श्रद्धालुओं ने पुष्कर सरोवर में आस्था की डुबकी लगाई

■ दान-पुण्य के साथ मनाया मकर संक्रांति का पर्व, पशुओं को चारा खिलाया, पक्षियों को दाना डाला

अजमेर/ पुष्कर, (कासं)। पौष माह में मकर संक्रांति पर्व मंगलवार को शहर सहित जिलेभर में उत्साह और उल्लास के साथ मनाया गया। महिलाओं ने घरों में विधि-विधान से पूजा अर्चना की, मंदिरों में मंत्रोच्चार भजनों की गूंज रही। लोग दिन भर दान-पुण्य में जुटे रहे। गाय-बछड़ों को हरा चारा, गुड़ बांटा गया और दलिया खिलाया गया, कई लोगों ने पतंग उड़ाई। सुहागन महिलाओं ने अपने पति के दीर्घायु एवं यशस्वी जीवन की कामना के लिए 13 वस्तुओं का दान किया। वहीं तीर्थ नगरी पुष्कर के सरोवर में श्रद्धालुओं ने आस्था की डुबकी लगाई और ब्रह्मा मंदिर में दर्शन कर दान-पुण्य किया।

अजमेर शहर सहित ग्रामीण क्षेत्रों में लोग मंगलवार अल सुबह से ही मंदिरों में पूजा-अर्चना करने पहुंच गए। महिला-पुरुषों ने विधि-विधान से पूजन कर भगवान को भोग लगाया। घरों में भी पारंपरिक तरीके से पूजन किया गया। महिलाओं ने तेरुंडा की रस्म निभाकर 13 सुहागिन महिलाओं को 13 वस्तुओं का दान कर घर परिवार में खुशहाली की कामना की।

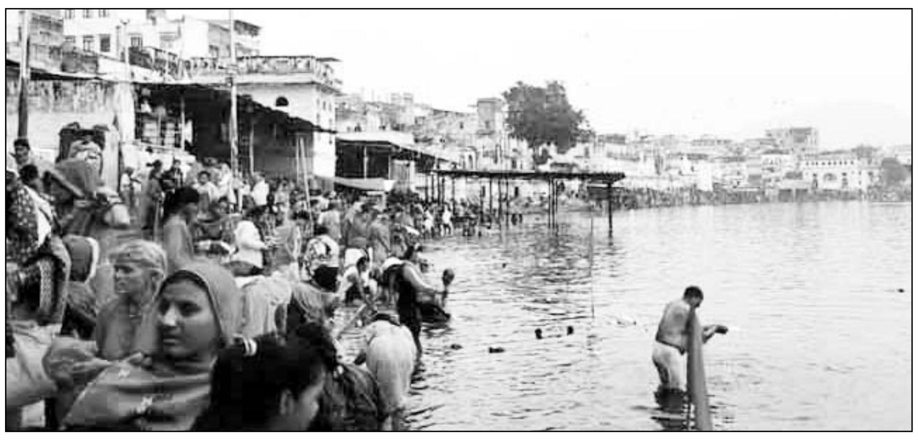

पुष्कर सरोवर में श्रद्धालुओं ने डुबकी लगाकर पुण्य कमाया।

शहर में कई जगहों पर पकौड़े, हलवे का प्रसाद के रूप में वितरण किया गया। महावीर सर्किल गरीब अहसायों को कपड़ों का दान किया तो वहीं पक्षियों के दान डाला गया।

महिलाओं ने सुहागिन महिलाओं को तेरूंडे की सामग्री का दान कर घर परिवार में खुशहाली की कामना की। तिल के लड्डू, गजक, रेवड़ी और अन्य मिठाई से भोग लगाया। शहर में कई स्थानों पर पकौड़े हलवे का वितरण किया गया। कई जगह खानाबदोश और जरुरतमंदों को कम्बल, शॉल और ऊनी वस्त्र बांटे गए।

शहर के कई स्थानों पर श्रद्धालुओं सहित सामाजिक व धार्मिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने गाय को हरा चारा खिलाया, इसके अलावा गंज, बजरंगगढ़ और अन्य स्थानों पर पक्षियों को दाना डाला गया। श्री अम्बे सेवा समिति वृद्धाश्रम हरिभाऊ उपाध्याय नगर के वरिष्ठ नागरिकों ने गोशालाओं के लिए सामग्री एकत्र की। बड़ी नागफणी गोपाल कुंड मंदिर बोराज स्थित श्री आनन्द गोपाल गौ शाला के पदाधिकारियों द्वारा मकर संक्रांति के अवसर पर गौशाला के लिए दान एकत्रित किया गया। गौ शाला के अध्यक्ष कालीचरणदास खंडेलवाल और महासचिव रमेश लालवानी ने बताया है कि कोषाध्यक्ष इन्दरचन्द पोखरना के मोबाईल पर सूचना देने पर दान अथवा सामग्री एकत्रित करने के प्रबंध किए।

श्री दिगंबर जैन महासमिति महिला एवं युवा महिला संभाग अजमेर द्वारा प्रथम जिन देव दर्शन एवं मकर संक्रांति पर्व के अवसर पर तीर्थक्षेत्र ज्ञानोदय नारेली में निवास कर रही 1400 से अधिक अशक्त गोवंश को हराचारा, गुड एवं औषधियुक्त लड्डू खिलाए। पूज्य झरनेश्वर महादेव मन्दिर में सिन्धी मंडल के तत्वावधान में अध्यक्ष नारी भाई देवानी और उपाध्यक्ष शंकर छत्तानी के नेतृत्व में संक्रांति के पर्व पर झरनेश्वर महादेव मंदिर में भंडारे का आयोजन हुआ।

राशिफल

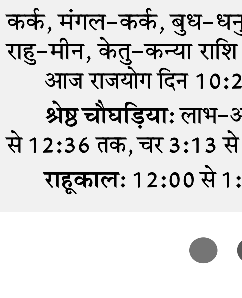

पंडित अनिल शर्मा

बुधवार 15 जनवरी, 2025

माघ मास, कृष्ण पक्ष, द्वितीया तिथि, बुधवार, विक्रम संवत 2081, पुष्य नक्षत्र दिन 10:28 तक, प्रीति योग रात्रि 1:56 तक, तैतिल करण दिन 3:23 तक, चन्द्रमा कर्क राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थितिः सूर्य-मकर, चन्द्रमा-कर्क, मंगल-कर्क, बुध-धनु, गुरू-वृष, शुक्र-कुम्भ, शनि-कुम्भ, राहु-मीन, केतु-कन्या राशि में।

आज राजयोग दिन 10:28 तक है। आज थल सेना दिवस है।

श्रेष्ठ चौघड़ियाः लाभ-अमृत सूर्योदय से 9:54 तक, शुभ 11:17 से 12:36 तक, चर 3:13 से 4:32 तक, लाभ 4:27 से सूर्यास्त तक।

राहूकालः 12:00 से 1:30 तक। सूर्योदय 7:21, सूर्यास्त 5:51

मेष
परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक कार्यों एवं आय में प्रगति/वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा।

वृष
व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। नवीन कार्यों उचित सफलता मिलेगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मिथुन
आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों के कारण बाहर जाना पड़ सकता है। स्वास्थ्य ठीक रहेगा।

कर्क
मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मनोबल-आत्मविश्वास बढ़ेगा। घर-परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी।

सिंह
घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि होगी। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। परिवार में स्वास्थ्य संबंधित परेशानी हो सकती है।

कन्या
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी। शुभ कार्य के लिए यात्रा संभव है।

तुला
व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। चलते कार्यों में प्रगति होगी।

वृश्चिक
परिवार में शुभ-मांगलिक संदेश प्राप्त होंगे। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। नवीन कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी।

धनु
अपनी कार्य योजना को सीमित रखें। नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा। बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। यात्रा में परेशानी हो सकती है।

मकर
परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। व्यावसायिक आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कुंभ
स्वास्थ्य संबंधित चिन्ता दूर होगी। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। विवादित मामलों से राहत मिलेगी। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे।

मीन
व्यावसायिक कार्यों से संबंधित वार्ता सफल रहेगी। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगर। आर्थिक मामलों में संतुलन बना रहेगा। आज समय रचनात्मक कार्यों में व्यतीत होगा।

दिनभर छतों पर गूंजता रहा वो काटा वो मारा

हर्षोल्लास के साथ मनाया मकर संक्रांति का पर्व

सीकर। अंचल में मकर संक्रांति का पर्व बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। सुबह से ही युवा और बच्चे छतों पर पतंगबाजी का युद्ध लड़ने के लिए अपने हथियार यानी पतंग डोर लेकर चढ़ गए और दूसरी पतंगों को निशाना बनाते हुए खूब वो मारा वो काटा किया। क्या बड़े क्या छोटे कोई भी पतंगबाजी के इस जुड़ाव से अपने आपको दूर नहीं रख पाया। शहर की हर एक छत पर लोग परिवार सहित पतंगबाजी का आनंद लेते रहे। देर रात तक पतंगबाजी का दौर यूं ही चलता रहा।

वहीं रात को शहर सितारों के माफिक दिखाई दिया, चिमनी वाली पतंगें से आसमान चमकता दिखाई दिया। रात को शहर के काले आसमान पर लाखों की संख्या में एक साथ चिमनी वाली पतंगे उड़ने से नजारा अलग ही देखने लायक रहा।

दान-पुण्य किया : अंचल में मंगलवार का दिन पतंगबाजों के नाम रहा। युवाओं ने जहां जमकर पतंगे उड़ाई वहीं दिनभर दानपुण्य का भी दौर चलता रहा। इन सबके बीच प्रशासन की लाख कोशिश के बाद भी लोगों के बीच चाइनीज मांझे की पहुंच बनी रही। जिससे जिलेभर में कई स्थानों पर बड़े हादसे भी हुए। पतंगबाजी से जुड़े इस तरह के दर्जनों केस जिले के विभिन्न अस्पतालों में आए। अकेले एसके हॉस्पिटल की बात करें तो शाम तक बड़ी संख्या में घायलों का इलाज ट्रोमा सेंटर में किया गया।

कई पक्षी भी घायल हुए : पतंगबाजी की चपेट में आने से कई मूक पक्षी भी शिकार हुए बिना नहीं रह सके, यूं तो अंचल में कई दर्जनों पक्षी घायल हुए।लेकिन पशुपालन विभाग के अस्पताल तक कई घायल कबूतरों और अन्य पक्षियों को लोगों ने ईलाज के लिए पहुंचाया। वहीं शहर के तापड़िया बगीची के पास भी पशु चिकित्सालय और पशु कल्याण संगठन, इंडियन रेडक्रॉस सोसायटी के सहयोग से घायल पक्षियों के इलाज के लिए कैम्प का आयोजन किया गया। यहां पर दर्जनों घायल पक्षियों का इलाज किया गया। वहीं कई समाजसेवी लोगों, संस्थाओं, पक्षी प्रेमी उमेश माथुर ने मूक पक्षियों की सेवा की। लोग घायल पक्षियों को तापड़िया बगीची के पास लगाये गये शिविर में इलाज हेतु लेकर के आये, इस दौरान कई पक्षियों को बचा लिया गया, वहीं दर्जनों पक्षी मौत का शिकार भी हो गये।

इस दौरान शिविर में पशु चिकित्सक, कांतिप्रसाद पंसारी, राकेश लाटा, सुरेश अठावाल सहित पक्षी प्रेमी मौजूद रहे।लियो क्लब सीकर द्वारा को टैगोर स्कूल के पास, दीपांशु मित्तल के यहां पतंगबाजी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। क्लब सचिव दीपांशु मित्तल ने बताया कि यह प्रतियोगिता अपने आप में अनोखी थी, जिसमें दो ग्रुप - लियो किंग और लियो क्वीन बनाकर रोमांचक पतंगबाजी की गई। प्रतियोगिता में लियो किंग विजेता रहे।मौसम ने भी पतंगबाजी का भरपूर साथ दिया, और पतंगों से आसमान गुलजार रहा। इसके साथ ही डांस, हाई टी और गेम्स जैसे अन्य कार्यक्रम भी आयोजित किए गए। शाम के समय सभी सदस्यों ने चिमनी जलाकर आकाश में छोड़ी और मकर संक्रांति को अलविदा कहा।इस मौके पर लायंस क्लब सीकर डायमंड अध्यक्ष लायन सज्जन अठावाल,लायन मेघा अग्रवाल, गोवर्धन मित्तल, पुनीत अग्रवाल, लियो स्नेहा खेतान, प्रियांशी खेतान,लियो जितेंद्र खेतान, लियो कृष्णा गोयल, मानस अग्रवाल, तन्मय अग्रवाल, प्रियांक सहित अन्य क्लब सदस्य उपस्थित रहे।

स्कवाड्रन लीडर को सम्मान दिया

झुंझुनूं। देश के पहले चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल बिपिन रावत के साथ हैलिकॉप्टर क्रेश में शहीद हुए जिले के घरडाना खुर्द निवासी स्कवाड्रन लीडर कुलदीप सिंह राव को तीन साल बाद भजनलाल सरकार ने एक सम्मान दिया है। दरअसल आठ दिसंबर 2021 को शहीद हुए कुलदीप सिंह राव की शहादत को चिर स्थायी बनाने के लिए गांव में एक स्टेडियम बनाने के साथ-साथ स्कूल के नामकरण की मांग उठ रही थी। स्कवाड्रन लीडर कुलदीप सिंह राव की तीसरी पुण्यतिथि पर जब विधायक राजेंद्र भांबू कार्यक्रम में गए, तो उनके सामने भी यह मांग उठी। तब भांबू ने आश्वस्त किया था कि वे मुख्यमंत्री से इस मामले में बातचीत कर स्कूल का नामकरण जल्द करवाएंगे। आश्वासन के एक महीने के दरमियान ही भांबू ने इस मामले को लेकर 27 दिसंबर 2024 को मुख्यमंत्री को पत्र लिखा। साथ ही इसके दो-तीन दिन बाद मुख्यमंत्री से हुई मुलाकात में भी इस बात को पूरी मजबूती के साथ रखा तो शिक्षा विभाग हरकत में आया। अब इस मामले में माध्यमिक शिक्षा निदेशक बीकानेर ने आदेश जारी किए है। जिसमें उन्होंने पीएमश्री महात्मा गांधी अंग्रेजी माध्यम स्कूल घरडाना खुर्द का नाम स्कवाड्रन लीडर कुलदीप सिंह राव के नाम से करने के आदेश डीईओ मुख्यालय झुंझुनूं को दिए है।

नाबालिग से दुष्कर्म करने का आरोपी गिरफ्तार

सीकर। पुलिस ने मंगलवार को 17 साल की नाबालिग लडकी से दुष्कर्म करने के मामले में आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी ने पीडिता को नोट्स लेने के बहाने से बुलाया था और उसके साथ ज्यादती कर की। आरोपी ने पीडिता को जान से मारने की धमकी भी दी। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है।

थानाधिकारी उमराव सिंह ने बताया कि 13 जनवरी को पीडिता ने पुलिस में मामला दर्ज करवाया कि 12 जनवरी को वह अपने घर पर थी। खेत के पड़ोसी शंकर सिंह उर्फ लाला ने उसे कॉल किया और कहा कि उसके खेत पर आकर पढ़ाई के नोट्स ले जाए। पीडिता पढ़ाई के नोट्स लेने के लिए जब शंकर के खेत पर गई तो लाला उसे वहां कमरे में ले गया। आरोपी शंकर उर्फ लालाल ने पीडिता के साथ जबरदस्ती दुष्कर्म किया। पीडिता वहां से जाने लगी तो आरोपी लाला ने धमकी दी कि यदि यह बात किसी को बताई तो जान से मार देगा और बदनाम कर देगा। पुलिस ने पॉक्सो एक्ट सहित अन्य धाराओं में मामला दर्ज करके अनुसंधान शुरू किया। थानाधिकारी उमराव सिंह के नेतृत्व में टीम का गठन किया गया। टीम ने आरोपी के गांव में दबिश देकर आरोपी शंकर सिंह उर्फ लाला 21 वर्ष को गिरफ्तार कर लिया।

सार-समाचार

गरीबों को भोजन कराया

झुंझुनूं। छावनी बाजार में श्री गल्ला व्यापार संघ द्वारा मकर संक्रांति पर्व के उपलक्ष में गरीबों को भोजन कराया गया। सभी आगंतुकों जरूरतमंद गरीब लोगों को गरम पूड़ी, सब्जी एवं मिठाई खिलाई गई। इस अवसर पर श्री गल्ला व्यापार संघ अध्यक्ष आनंद टीबड़ा, सचिव विपिन राणासरिया, कोषाध्यक्ष विनय सोलानेवाला, पूर्व अध्यक्ष संपत चुड़ैलेवाला, डॉ. डीएन तुलस्यान, चंद्रप्रकाश टीबड़ा, अंकित चुड़ैलेवाला, सुभाषचंद्र ढेढिया, विवेक ढेढिया, श्यामसुंदर गुढावाला, दीपक मस्करा सहित अन्यजन उपस्थित थे।

कंबल वितरण किया

झुंझुनूं। लोक सेवा ज्ञान मंदिर ट्रस्ट झुंझुनूं के कार्यकर्ता के सहयोग से कंबल वितरण किया। मकर संक्रांति के अवसर पर ट्रस्ट के कार्यकर्ता मनोज कुमार ने अपने पिता की याद में और नारायण पांडे ने अपने माता पिता कि याद में एक नई पहल शुरु की गई है। मंगलवार को दोनों ने मिलकर 50 कंबल गरीब लोगों को उनके घर पर जाकर उनको वितरित की गई और साथ में ट्रस्ट के सहयोग से तिल के लड्डू भी बनाकर खिलाए गए। झुंझुनूं प्रभारी मनोज कुमार गनोलिया ने बताया कि आज हम दोनों कार्यकर्ता ने मिलकर कंबल वितरण के लिए नई पहल शुरू कर एक नया संदेश दिया है कि हर व्यक्ति को कुछ नया करना चाहिए। यह शुभ कार्य ट्रस्ट के कार्यकर्ता ममता कुमावत व सुधीर कुमार से करवाया गया। इस मौके पर नारायण पांडे और नरोत्तम कुमार मौजूद रहे।

पुण्य तिथि मनाई

झुंझुनूं। माई झुंझुनूं डॉट कॉम के संस्थापक केशरदेव तुलस्यान की धर्मपत्नी स्व. सुशीलादेवी तुलस्यान की पुण्य तिथि पर श्री गौपाल गौशाला में गौवंश को तुलस्यान परिवार द्वारा गुड़, तिल, अजवाइन, मैथी इत्यादि पौष्टिक खाद्य सामग्री से बने हुए 255 किलो लड्डू की पांच श्री लड्डू सवामणी गौवंश को खिलाई गई। श्री गोपाल गौशाला में माई झुंझुनूं डॉट कॉम के सीएमडी डॉ. डीएन तुलस्यान, स्नेहलता तुलस्यान, सीए प्रशांत तुलस्यान, नेहा तुलस्यान, प्रिशा तुलस्यान ने गौमाता को उपरोक्त श्री गऊ लड्डू सवामणी खिलाई। डॉ. तुलस्यान ने बताया कि 14 साल पहले 14 जनवरी 2011 मकर संक्रांति के दिवस उनकी माताजी सुशीला देवी तुलस्यान धर्मपत्नी केशरदेव तुलस्यान का स्वर्गवास हुआ था। पुण्यतिथि पर हर साल गौसेवा व अन्य सामाजिक सरोकार निभाकर उन्हें याद किया जाता है। इसके अलावा वर्षभर भी उनकी याद में जरूरतमंदों की सेवा की जाती है।

विशाल भंडारे का आयोजन

झुंझुनूं। राणी सती रोड चूणा चौक में चूणा चौक विकास समिति के तत्वावधान में समिति के अध्यक्ष शिवचरण पुरोहित के अध्यक्षता में व कालूराम तुलस्यान, भाजपा नेता महेश बसावतिया, एडवोकेट सुशील जोशी के आतिथ्य में मकर संक्रांति के पावन पर्व पर विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। जिसमें लड्डू, पकौड़ी, पूरी सब्जी के साथ सुशील कुमार बाक्यान के सौजन्य से चप्पल जूते एवं महेश बसावतिया के सौजन्य से साड़ी वितरित की गई। जिसमें सैकड़ों की तादाद में लोगों ने भंडारे में प्रसाद ग्रहण किया। इस अवसर पर अशोक तुलस्यान, उमाशंकर महमियां, रामचंद्र पंसारी, शुभकरण चौपदार, सुरेंद्र शर्मा, रामगोपाल महमियां, डॉ. डीएन तुलस्यान, गोपीराम पुरोहित, विनोद पुरोहित, हितेश शर्मा, नरेश पुरोहित, दिवाकर शर्मा, कृष्ण कुमार पुरोहित, अशोक कुमार सुलतानिया, एडवोकेट नीरज शर्मा, रामरतन पंसारी, सुभाष पारीक, रविशंकर पुरोहित, रविंद्र चौमाल, किशन छक्कड़, लक्ष्मीकांत पुरोहित, नरेंद्र ढाणीवाला आदि ने सेवाएं दी।

सशस्त्र सेना पूर्व सैनिक दिवस मनाया

झुंझुनूं। जिला मुख्यालय समेत जिले के अन्य इलाकों में मंगलवार को नौवां सशस्त्र सेना पूर्व सैनिक दिवस मनाया गया। मुख्य कार्यक्रम शहीद स्मारक में हुआ। जहां पर जिला सैनिक कल्याण अधिकारी अर्नाल अनिल पूनियां व झुंझुनूं तहसीलदार महेंद्र मूंड के साथ-साथ मौजूद पूर्व सैनिकों, सैनिकों, शहीद परिवार के सदस्यों व अधिकारियों के साथ-साथ जनप्रतिनिधियों ने शहीद वेदी पर पुष्प चक्र अर्पित कर सभी शहीदों को श्रद्धांजलि दी। इस मौके पर जिला सैनिक कल्याण अधिकारी कर्नल अनिल पूनियां ने बताया कि आज नौवां सशस्त्र सेना पूर्व सैनिक दिवस मनाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत शहीद स्मारक स्थित शहीद वेदी पर पुष्प चक्र अर्पित कर शहीदों को नमन करते हुए श्रद्धा सुमन अर्पित किए गए। इसके बाद सूचना केंद्र सभागार में शहीद वीरांगनाओं और शौर्य पदक विजेताओं का सम्मान किया गया। कार्यक्रम में वीरांगनाओं, विभिन्न पदक विजेताओं एवं वयोवृद्ध गौरव सैनिकों का सम्मान किया गया।

दिनभर दान पुण्य चला

सुलताना। भगवान सूर्य के उत्तरायण में आने के पर्व पर दिनभर दान पुण्य का दौर चला। सुबह लोगों ने मंदिरों में दर्शन किए। उसके बाद गौशालाओं में जाकर गायों को चारा खिलाया। कस्बे में श्री श्याम आशीर्वाद सेवा संस्थान की ओर से कंबल वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सीमेंट रोड पर भामाशाह गजानंद अठावाल, अशोक अठावाल, पुष्पाहास अठावाल, सज्जन अठावाल, जगदीश अठावाल के सौजन्य से जरूरतमंदों को कंबल वितरण किया गया। नवल गोयनका ने बताया कि कंबल वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें 200 जरूरतमंद लोगों को कंबल वितरित किए गए। इस मौके पर करनी सेना के प्रदेश उपाध्यक्ष गोविंद सिंह शेखावत, रणवीर लांबा, निरंजन सिंह, जयनारायण पूनियां, करण सिंह नेहरा, प्रदीप सिंह शेखावत, किशोर सिंह शेखावत सहित अनेक गणमान्य लोग मौजूद थे।

समिति ने किया जनसंपर्क

झुंझुनूं। 765 केवी ट्रांसमिशन लाइन प्रभावित किसान संघर्ष समिति के आ ान पर मंगलवार को देवगांव व सांगासी मांडासी पंचायत के किसानों ने मकर संक्रांति के दिन प्रशासन का पुतला दहन किया। पुतला दहन से पहले समिति के सदस्यों ने 20 जनवरी के कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन को लेकर जनसंपर्क किया। जनसंपर्क अभियान के दौरान महावीर देवगांव व भवरसिंह मांडासी ने किसानों से आ ान किया कि सभी एकजुट होकर कलेक्ट्रेट पर हल्ला बोल प्रदर्शन में हिस्सा लेकर प्रशासन को चेतावनी दें कि अगर समय रहते किसानों की नहीं सुनी गई तो किसान आर पार की जंग भी लड़ना जानता है। जनसंपर्क के दौरान सतीश पूनियां व विजेंद्र कुलहरि ने कहा कि आने वाला समय किसान के लिए बड़ी चुनौतियों भरा है। कांठोस व बीजेपी के नेतृत्व वाली हर सरकार किसानों से केवल वोट लेना जानती है।

मकर संक्रांति पर अन्न व बांटी कंबलें

झुंझुनूं, 14 जनवरी। श्री श्याम आशीर्वाद सेवा संस्था के तत्वावधान में मकर संक्रांति पर्व पर सेवायों पुराना बस स्टैंड समीप मित्तल कॉलोनी स्थित श्रीमती चंदादेवी नरोत्तमलाल जालान निवास के सामने नोहरे में सोमवार को सायंकाल तक स्वर्गीय नरोत्तमलाल जालान की पुण्य स्मृति में उनके परिवारजन के सौजन्य से जरूरतमंदों के लिए अन्नक्षेत्र लगाकर उन्हें बैठाकर भोजन प्रसाद खिलाया गया एवं कंबल वितरण किए गए। अतिथियों द्वारा गरम पूड़ी, सब्जी और लड्डू वितरित कर अन्नक्षेत्र एवं जरूरतमंद लोगों को कंबल वितरण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम के शुभारंभ से पूर्व बतौर अतिथि उपस्थित डीएसओ कपिल झाझडिया, यातायात प्रभारी हरफूलसिंह मीणा, दानदाता परिवार के उमेश जालान, दिनेश जालान, चंदादेवी जालान, सविता जालान, कशिश जालान का श्री श्याम आशीर्वाद सेवा संस्था की ओर से दुपट्टा ओढाकर बाबा श्याम का प्रतीक चिह्न भेंटकर स्वागत अभिनंदन किया गया। कार्यक्रम का कुशल संचालन डॉ. डीएन तुलस्यान ने किया। यातायात प्रभारी हरफूल सिंह मीणा ने अपने उद्बोधन में आयोजक संस्था एवं जालान परिवार द्वारा आयोजित अन्य क्षेत्र एवं कंबल वितरण कार्यक्रम की मुक्त कंठ से सराहना करते हुए यातायात के नियमों का पालन करने की भी जानकारियों से अवगत करवाया। उन्होंने बताया कि यातायात के नियमों का पालन करने से व्यक्ति की सुरक्षा तो होती ही है साथ ही नियमों का पालन व्यक्ति का कर्तव्य भी है। इस अवसर पर उपस्थित श्री श्याम आशीर्वाद सेवा संस्था के ट्रस्टी डॉ. डीएन तुलस्यान, श्रवण केजडीवाल, परमेश्वर हलवाई, सीए पवन केडिया, सुनील तुलस्यान, अठावाल समाज समिति अध्यक्ष संपत चुड़ैलेवाला, श्री गोपाल गौशाला झुंझुनूं अध्यक्ष प्रमोद खंडेलिया, मंत्री नेमी अठावाल, मुकेश गुप्ता हलवाई, अमित जगनानी एवं अन्यजन ने सेवा कार्य में सहयोग किया।

23 प्रतियोगिताओं का आयोजन

झुंझुनूं, 14 जनवरी। हिंदुस्तान स्काउट्स एंड गाइड्स राजस्थान राज्य मुख्यालय उदयपुर द्वारा 10 जनवरी से 14 जनवरी तक आचार्य कुलम शिक्षण संस्थान जयपुर में आयोजित राज्य स्तरीय रोवर मूट रेंजर मीट में लघु राजस्थान का समागम देखने को मिला।

ट्रेनर नीरज कुमार ने बताया कि मूट मीट में विभिन्न प्रकार कि 23 प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। जिसमें श्री राधेश्याम आर मोररका राजकीय महाविद्यालय नवलगढ़ में ड्रप स्तर पर रोवर क्रू रेंजर टीम रिकॉर्ड में द्वितीय स्थान और रंगोली प्रतियोगिता में रेंजर खुशबू सैनी और रेणु कंवर ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

रोवर मूट रेंजर मीट में भाग लेने वाली टीम में रेंजर खुशबू सैनी, तमन्ना कुमावत, संतोष कुमारी, रेणु कंवर, रवीना खीचड, मेनका सैनी, अंकिता सैनी, पंकज कुमारी, पायल फगेडिया, प्रियंका कुमारी, दीपिका बिर्डा, रोवर पंकज सैनी, मोहम्मद आवेश, आदित्य मीणा, योगेश भौकल और रवि मीणा आदि थे।

युवती के अपहरण के मामले में कार्रवाई नहीं होने पर ग्रमीणों में आक्रोश

खेतड़ी, (निसं) खेतड़ी थाना क्षेत्र के बीलवा से कुछ दिन पहले युवती के अपहरण के मामले में पुलिस द्वारा कार्रवाई नहीं करने पर ग्रामीणोंमें आक्रोश पनप रहा है।

मंगलवार को बीलवा के ग्रामीणों ने पुलिस पर लापरवाही बरतने का आरोप लगाते हुए धरना प्रदर्शन किया। इस दौरान पुलिस ने एक सप्ताह का समय लेकर आवश्यक कार्रवाई करने का आश्वासन देने पर ग्रामीणोंद्वारा धरना उठाया गया। विरोध कर रहे ग्रामीणोंने बताया कि बीलवा से पांच जनवरी को एक युवती का डिआई गाडी में डालकर कुछ युवक अपहरण कर ले गए थे। इस संबंध में युवती के चाचा की ओर से नामजद थाने में मामला दर्ज करवाया गया। थाने में रिपोर्ट दर्ज होने के बाद भी पुलिस ने मामले को गंभीरता से नहीं लिया तथा कोई आवश्यक कार्रवाई नहीं की। कार्रवाई नहीं होने पर युवती के परिजनों ने थानाधिकारी से मिलकर कार्रवाई की मांग की तो पुलिस ने आरोपियों का सुराग बताने के लिए कहा। जिस पर युवती के परिजनों ने बीकानेर में रहकर आरोपियों की मदद करने वाले व वारदात में शामिल आरोपियों के बारे में जानकारी भी दी गई। जिस पर पुलिस ने उनके खिलाफ प्रभावी कार्रवाई करने की बजाय केवल पूछताछ कर छोड़ दिया तथा वारदात के मुख्य आरोपियों को गिरफ्तार करने में जहमत नहीं उठाई। ग्रामीणोंने बताया कि वारदात के दौरान काम में ली गई डीआई जीप अनिल गुर्जर सिलाटी की है जो घटना के समय मोडकी गांव में देखी गई थी वह वर्तमान में हरियाणा के खैरोली गांव में है। पुलिस को ग्रामीणोंकी ओर से अपराधियों के बारे में पूरी जानकारी देने के बावजूद भी पुलिस ने आरोपियों को गिरफ्तार नहीं किया। वारदात के आरोपी गिरफ्तार नहीं होने पर ग्रामीणों में पुलिस के खिलाफ विरोध उत्पन्न हो गया। इस दौरान ग्रामीणोंने थाना परिसर में धरना देकर आरोपियों को गिरफ्तार करने की मांग की तथा जल्द कार्रवाई नहीं होने पर आंदोलन की चेतावनी दी। इस दौरान डीएसपी जुल्फीकार अली ने ग्रामीणोंसे समझाइश कर सात दिन में आरोपियों को गिरफ्तार करने का आश्वासन दिया तो ग्रामीण सहमत हो गए। डीएसपी के आश्वासन के बाद ग्रामीणोंने थाने में चल रहा धरना उठा लिया गया। इस मौके पर महावीर सिंह, सोहनराम, भोलाराम, शंकरलाल, भानाराम, रामजीलाल, सुल्तान, सुंडाराम, रामेश्वर, संतराम, मालाराम, रोहिताश, पप्पू, मदनलाल, हितेश, रामसिंह, लक्ष्मण सिंह, गुलझारी लाल, जगदीश, पितराम, नरेश कुमार, बाबूलाल, सुवाराम, मुलचंद, विद्याधर, रोहिताश सहित अनेक लोग मौजूद थे।

चाइनीज मांझे पर कार्रवाई फौरी साबित

खेतड़ी , (निसं) खेतड़ी कस्बे में मकर संक्रांति के त्यौहार पर मंगलवार को प्रशासन की टीम चाइनीज मांझे पर कार्रवाई करने के लिए निकली। इस दौरान किसी भी दुकान पर चाइनीज मांझा नहीं मिलने पर प्रशासन की टीम को खाली हाथ ही वापस लौटना पड़ा। इस दौरान प्रशासनिक अधिकारियों ने व्यापारियों से चाइनीज मांझा नहीं बेचने की हिदायत दी है।

पालिका एसआई सुनील कुमार सैनी ने बताया कि सोमवार को चाइनीज मांझे से चिकित्सा विभाग का एक कर्मचारी घायल हो गया था, जिसका गला मांझे से कट जाने से 14 टांके लगाकर उपचार करना पड़ा। चाइनीज मांझे की बिक्री को गंभीरता से लेते हुए तहसीलदार सुनील कुमार के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन कर कस्बे में पतंग विक्रेताओं की दुकानों पर दबिश दी गई। इस दौरान प्रशासन को किसी भी दुकान पर प्रतिबंधित चाइनीज मांझा नहीं मिला। जिस पर तहसीलदार ने व्यापारियों को सख्त हिदायत देते हुए चाइनीज मांझा पाए जाने पर सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए। तहसीलदार सुनील कुमार ने बताया कि खेतड़ी कस्बे के मुख्य बाजार के अलावा गली मोहल्लों की दुकानों पर जांच की गई। इस दौरान सामने आया कि प्रतिबंधित चाइनीज मांझा खेतड़ी में दुसरे स्थानों से लाकर उपयोग में किया जा रहा है। इस दौरान किसी प्रकार की कोई संदिग्ध बिक्री नहीं होना पाई गई। उन्होंने बताया कि इस संबंध में प्रशासन, पुलिस व नगरपालिका की ओर से गठित कर्मचारियों की टीम लगातार कस्बे में छापे मार रही है। यदि कोई भी व्यक्ति संदिग्ध गतिविधियों में शामिल पाया गया तो उसके खिलाफ प्रभावी कार्रवाई की जाएगी। बता दें कि सोमवार दोपहर को अपने घर से गौशाला जा रहे चिकित्सा विभाग के फार्मासिस्ट की गर्दन में चाइनीज मांझा उलझ गया था, जिससे उसकी गर्दन कट जाने से 14 टांके लगाकर उपचार किया गया।

महाकुंभ का अमृत स्नान मकर संक्रांति के दिन हुआ

झुंझुनूं। प्रयागराज महाकुंभ का अमृत स्नान मकर संक्रांति के दिन हुआ। इस स्नान पर्व पर सभी अखाड़ों के साधु-संत अपने तय समय पर संगम घाट पहुंचकर स्नान किया।

अखिल भारतीय निर्मोही अनि अखाड़ा श्री दादूपंथी महामंडलेश्वर डॉ. अर्जुनदास स्वामी बग्घी पर सवार होकर दादूराम सत्यराम के जयकारों के साथ अमृत स्नान के लिए पहुंचे। संगम पर अमृत स्नान किया। महामंडलेश्वर डॉ. अर्जुनदास महाराज बगड़, महंत नरोत्तमदास सीहा, महंत भवानीदास दादर बावडी जयपुर की ओर से श्री दादूदयाल अन्नक्षेत्र छावनी सेक्टर 18 में लगा है।

तबादला सूची जारी

झुंझुनूं। डीआईजी शरद चौधरी द्वारा मंगलवार को तीन अलग-अलग तबादला सूची जारी कर कुल 80 पुलिसकर्मियों को इधर-उधर किया गया। इनमें 11 एएसआई, 12 हैड कांस्टेबल तथा 57 कांस्टेबलों के नाम शामिल है।

डीआईजी शरद चौधरी द्वारा जारी की गई एएसआई की सूची में बगड़ में तैनात तथा एजीटीएफ के प्रभारी रहे एएसआई शेरसिंह फोगाट को एक बार फिर गाडाखेड़ा चौकी लगाया गया है। जो गाडाखेड़ा चौकी के प्रभारी के तौर पर कार्य करेंगे।

गाडाखेडा चौकी सिंघाना थानान्तर्गत आती है। वहीं 12 हैड कांस्टेबलों की सूची में खास बात यह है कि इनमें आठ नाम ऐसे है। जो पूर्व में कहीं अन्य जगह पर तबादले किए गए थे। लेकिन अब उन्हें बदलकर आठ हैड कांस्टेबलों को नई जगह पर स्थानान्तरित किया या है।

वहीं दो हैड कांस्टेबलों को उनकी पूर्व की जगह पर ही यथावत रखा गया है। वहीं 57 कांस्टेबलों की सूची में भी 18 कांस्टेबल ऐसे है। जिनका पूर्व में किसी अन्य जगह पर स्थानान्तरण किया गया था।

लेकिन उनकी एप्लीकेशन आने के बाद अब उन्हें नई जगह स्थानान्तरित किया गया है। वहीं तीन कांस्टेबलों का तबादला निरस्त करते हुए उन्हें पूर्व की जगह पर यथावत रखा गया है।

कई थानों के बदले जाएंगे प्रभारी! :डीआईजी शरद चौधरी द्वारा लगातार एएसआई, हैड कांस्टेबल तथा कांस्टेबलों के तबादले किए जा रहे है। लेकिन लोगों की निगाहें एसआई और सीआई की सूची पर भी है।

एसआई और सीआई की सूची को जारी करने का अंतिम दिन बुधवार ही है। क्योंकि 15 जनवरी तक तबादले करने की छूट सरकार ने दे रखी है। इस सूची में आने वाले नामों के साथ कई थानों के प्रभारी भी बदले जाएंगे।

न्यूजीलैंड में नौकरी लगवाने का झांसा देकर 32.80 लाख रुपए हड़पे

सीकर। सदर थाना इलाके में पांच लोगों को न्यूजीलैंड में नामी कंपनी में नौकरी लगाने का नाम पर करीब 32.80 लाख रुपए हड़प लिए हैं। आरोपी ने प्रति व्यक्ति आठ लाख रुपए लेने की बात कही थी। जयपुर में ऑफिस चलाने वाले एजेंट ने न्यूजीलैंड में नौकरी के नाम पर ये रकम हड़पी और अब ऑफिस बंद कर दिया। पीडित आरोपी के घर जाते हैं तो उसके परिजन उन्हें धमकियां देते हैं। सीकर सदर थानाधिकारी इंद्राज मरोड़िया ने बताया कि सुल्तान सिंह ने मामला दर्ज करवाया है। मामले के अनुसार करीब दो साल पहले उनके परिचित जयसिंह के साथ आरोपी विजयसिंह उनके घर पर आया था। आरोपी विजयसिंह ने कहा कि वह लोगों को विदेश भेजने का काम करता है। विजयसिंह ने सुल्तान सिंह से उनके साथ रिश्तेदारों के पांच पासपोर्ट ले लिए और कहा कि 7 दिन बाद उसके ऑफिस आ जाए। विजयसिंह ने अपना ऑफिस जयपुर में रेलवे स्टेशन के सामने होना बताया।

प्रति व्यक्ति आठ लाख रुपए लगने की बात कही- सुल्तान सिंह अपने रिश्तेदारों के साथ ऑफिस गए तो वहां विजयसिंह मिला। जहां उसने कहा कि वह उनको न्यूजीलैंड में एक नामी कंपनी में भेज देगा। वहां उन्हें दो लाख रुपए से कम नहीं मिलेगा। विजयसिंह ने कहा कि वह सबको न्यूजीलैंड भेजेगा। इसके बदले हर आदमी के आठ लाख रुपए लगेंगे। सुल्तान सिंह और उसके साथ अन्य चारों लोग विदेश जाने के लिए तैयार हो गए। एक बार सभी लोग गांव आ गए और फिर चार दिन बाद आरोपी विजयसिंह ने सभी को मेडिकल करवाने के लिए बुलवाया। जयपुर में मेडिकल में फिट होने के बाद सुल्तान सिंह सहित पांचों लोगों ने डेढ़-डेढ़ लाख रुपए दे दिए। आरोपी विजयसिंह ने सुल्तान सिंह सहित पांचों लोगों के न्यूजीलैंड की कंपनी की फ्रूटी के ऑफर लेटर पर साइन करवा लिए।

32.80 लाख रुपए लेकर बोला टिकट कैंसिल हो गया: आरोपी विजय सिंह ने कहा कि अब ढाई-ढाई लाख रुपए और दे दीजिए। ऐसे में सभी ने कुल 12.50 लाख रुपए दे दिए। इसके बाद विजयसिंह ने चेन्नई में मेडिकल करवाने के कहा। जहां विजयसिंह ने रसिदा नाम के युवक को 30 हजार रुपए दिलवाए। जिसने 30 दिन में टिकट आने की बात कही। 30 दिन बाद विजयसिंह ने मोबाइल पर टिकट भेज दी। फिर सभी से कुल 12.50 लाख रुपए और ले लिए। जब टिकट का समय आया तो सुल्तान सिंह अपने बाकी रिश्तेदारों के साथ दिल्ली जाने लगा। विजयसिंह ने कहा कि उनकी टिकट कैंसिल हो चुकी है और वह दोबारा टिकट बनवा देगा। आरोपी विजयसिंह ने कई बार इसी तरह मोबाइल पर टिकट भेजकर बाद में उसके कैंसिल होने के बहाने किए।

महिलाओं ने निकाली कलश यात्रा

खेतड़ी, (निसं) खेतड़ी उपखंड के नालपुर में मंगलवार को लोकदेवता खेड़ा वालेबाबामंदिर में प्रतिमा प्राण प्रतिष्ठा समारोह का आयोजन किया गया। इस दौरान महिलाओं की ओर से गांव में कलश यात्रा भी निकाली गई।

कार्यक्रम आयोजनकर्ता सेठ रामसिंह बंसल ने बताया कि ठामीणों की ओर से गांव में लोकदेवता खेड़ा वालेबाबाके मंदिर का निर्माण करवाया गया था, जिसमे प्रतिमाओं काप्राणप्रतिष्ठाकर नियमित पुजा अर्चना कर खुशहाली की कामना की जाएगी।इस दौरान डीजे पर साथ महिलाओं ने प्रभात फेरी निकाली, जहां ग्रामीणों ने पुष्प वर्षा कर पर बाद फेरी का स्वागत किया।

इसके बाद मंदिर परिसर में हवन में आहुति देकर राधावल्लभ शास्त्री, सुनील शास्त्री, मनोज शास्त्री के सानिध्य में मंत्र उच्चारण किए गए। पंडित राधावल्लभ शास्त्री ने कहा किप्रत्येक व्यक्ति को धार्मिक अनुष्ठानों में भाग लेकर मन को शुद्ध करना चाहिए। हिंदू धर्म में गाय को माता का दर्जा दिया गया है, इसलिए प्रत्येक व्यक्ति को गौ माता की सेवा करने से पुण्य को हासिल किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि गौ सेवा सबसे बड़ा धर्म माना गया है। शास्त्रों के अनुसार गाय का दान करना भी मनुष्य जीवन में अति महत्वपूर्ण माना गया है। ऐसे में प्रत्येक व्यक्ति को जीव जंतुओं की रक्षा के लिए आगे आकर कार्य करने चाहिए। मनुष्य को पवित्र आत्मा एवं धार्मिक अनुष्ठानों से भगवान की दृष्टि को पाया जा सकता है। मनुष्य को अपने जीवन में शुद्ध एवं सहकारी होना चाहिए।

नई ग्राम पंचायत बनाने को लेकर हुई बैठक

सूरजगढ़, 14 जनवरी। पंचायत समिति क्षेत्र सूरजगढ़ की ठाम पंचायत काजड़ा के राजस्व ठाम भापर को नवीन ठाम पंचायत बनाने की कवायद शुरू हो गई है। मकर संक्रांति के दिन भापर, कुम्हारों का बास, भोजाराम की ढाणी, नाथजी का कुआं व कालोरावणों की ढाणी को मिलाकर भापर को नवीन ठाम पंचायत बनाने को लेकर ठामवासियों की बैठक हुई। आदर्श समाज समिति इंडिया के अध्यक्ष धर्मपाल गांधी ने बताया कि बैठक में मौजूद सभी लोगों ने सर्वसम्मति से भापर को नई ठाम पंचायत बनाने का प्रस्ताव पारित किया। इस मौके पर वर्तमान पंचायत प्रतिनिधि मनजीत सिंह तंवर भी मौजूद रहे। वर्तमान सरपंच मंजू तंवर ने भी भापर को नई पंचायत बनाने में ठाम पंचायत की ओर से सहमति प्रस्ताव पारित किया है। बैठक में भापर को नई ठाम पंचायत बनाने को लेकर विभिन्न मुद्दों पर चर्चा हुई और अनुभवी लोगों और युवाओं को अलग-अलग जिम्मेदारी सौंपी गई। बैठक में भापर को नवीन पंचायत बनाने को लेकर प्रक्रिया शुरू की गई। हाल ही में राजस्थान सरकार ने ठाम पंचायतों व पंचायत समितियों तथा जिला परिषदों के पुनर्गठन के निर्देश जारी किए है। पंचायती राज विभाग ने आबादी के अनुसार नवीन पंचायतों के पुनर्गठन का आदेश दिया है। इसी क्रम में बैठक में राजस्व ठाम भापर को नवीन पंचायत बनाने का निर्णय लिया गया है। बैठक में भगवानाराम सैन, हवासिंह बुडानिया, हरिसिंह मेघवाल, राजेंद्र महला, मनाराम सैन, धर्मपाल गांधी, मनजीतसिंह तंवर, नवीन बुडानिया, प्रेमशंकर मेघवाल, कैलाश पारीक, दरियासिंह डीके, विजय बुडानिया, जयपाल कुमावत, सुनिल राजोरिया, दिनेश खाटीवाल, उम्मेदसिंह बुडानिया, महेश धींवा, ईश्वरसिंह धींवा, मनजीत बुडानिया, सूर्यकांत सैन, चिरंजीलाल कुमावत, हरिराम कुमावत, सुदेश बुडानिया, अजय बुडानिया, दरियासिंह बुडानिया, महेंद्र बुडानिया, राधेश्याम कुमावत, श्रीराम कालीरावणा, रामसिंह सूबेदार, यादराम खाटीवाल, सुरेश बुडानिया, मनोज सैन, महेंद्र खाटीवाल, प्रमोद बुडानिया, हेमंत सैनी, रामसिंह बुडानिया, ओमप्रकाश कुमावत, सुमेर खाटीवाल, उम्मेद, होशियार सिंह, कृष्ण कुमार, अजय मनीठिया, जगदीश सैन, उम्मेद कुमावत, सुभाष मेघवाल, उम्मेद मेघवाल, योगेंद्र बुडानिया, मनीष जांगिड़, रघुवीरसिंह लोवाडिया, बसंतलाल मेघवाल, कर्मपाल बुडानिया, संतकुमार कुमावत, चौथमल, चिरंजीलाल मेघवाल, धर्मेंद्र बुडानिया, राकेश गुरावडिया, बीएल जलिंद्रा, सुनिल बुडानिया, ओमप्रकाश भडिया, रोहताश बुडानिया, सुरेंद्र बुडानिया, विद्याधर बुडानिया, नरेशीलाल कुमावत, महिपाल कुमावत, जगवीर बुडानिया, मांगेराम कुमावत आदि अन्य सैकड़ों लोग मौजूद रहे।

आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड IDFC FIRST Bank
(पूर्व में कैपिटल फर्स्ट लिमिटेड और आईडीएफसी बैंक लिमिटेड के साथ सम्मिलित)
CIN : L65110TN2014PLC097792
पंजीकृत कार्यालय - केआरएम टॉवर्स, 8वीं मंजिल, हैरिंगटन रोड, चेटपेट, चैन्नई-600031
फोन- +91 44 4564 4000 | फैक्स- +91 44 4564 4022

परिशिष्ट-IV [नियम 8 (1)]
कब्जा नोटिस
(अचल सम्पत्ति का)

चूंकि अधोहस्ताक्षरकर्ता आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड (पूर्व में कैपिटल फर्स्ट लिमिटेड और आईडीएफसी बैंक लिमिटेड के साथ सम्मिलित) के प्राधिकृत अधिकारी है अतः वित्तीय आस्तियों के प्रतिभूतिकरण व पुनर्निर्माण एवं प्रतिभूति ब्याज प्रवर्तन अधिनियम, 2002 तथा उपर्युक्त कथित अधिनियम की धारा 13 (12) के साथ पठित प्रतिभूति ब्याज (प्रवर्तन) अधिनियम 2002 के नियम 3 के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए दिनांक 18.11.2023 को एक मांग पत्र कर्जदारों, सह-कर्जदारों एवं जमानतियों 1. हर लाल क्याल, 2. कनी देवी को जारी किया गया था, जिसमें 17.11.2023 की तिथि को देय, मांग पत्र में उल्लेखित राशि रुपये 12,61,766.35/- (रुपये बारह लाख इकसठ हजार सात सौ छियासठ और पैसा पैंतीस मात्र) का भुगतान उपयुक्त नोटिस प्राप्ति के 60 दिन के अंदर करने को कहा गया था।

चूंकि कर्जदार उक्त राशि को वापस चुकाने में विफल रहे हैं अतः कर्जदारों एवं जनसाधारण को नोटिस के माध्यम से सूचित किया जाता है कि कथित अधिनियम की धारा 13 की उपधारा (4) के साथ पठित प्रतिभूति ब्याज (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 8 जिसका नोटिस में उल्लेख किया गया है के तहत अधोहस्ताक्षरकर्ता को प्राप्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उन्होंने यहां निम्न वर्णित संपत्तियों के आज जनवरी 2025 के 10वें दिन भौतिक रूप से अपने कब्जे/अधिकार में ले लिया है।

विशेष रूप से कर्जदारों एवं आम जनता को एतद्द्वारा सावधान किया जाता है कि वे इन सम्पत्तियों का सौदा लेनदेन नहीं करें तथा इन सम्पत्ति का किसी भी प्रकार से खरीद-बिक्री करने पर उसे आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड (पूर्व में कैपिटल फर्स्ट लिमिटेड और आईडीएफसी बैंक लिमिटेड के साथ सम्मिलित) की प्रभारित शर्तों के अधीन रुपये 12,61,766.35/- (रुपये बारह लाख इकसठ हजार सात सौ छियासठ और पैसा पैंतीस मात्र) का भुगतान तथा उस पर प्रभारित ब्याज सहित करना होगा।

कर्जदारों का ध्यान उक्त अधिनियम की धारा 13 की उपधारा (8) के प्रावधानों की ओर आकर्षित किया जाता है जिसमें प्रतिभूतिकृत सम्पत्तियों को मुक्त करने के बारे में उपलब्ध समयावधि का उल्लेख है।

अचल सम्पत्तियों का विवरण

सम्पत्ति पट्टा नं. 43, बुक नं. 94, ग्राम गुनाक, ग्राम पंचायत-फतहपुरा, तहसील-धोद, जिला-सीकर, राजस्थान-332028 का पूरा एवं प्रत्येक भाग, क्षेत्रफल 300 वर्ग गज, और सीमायें है पूर्व-दयालराम पुत्र रामूराम, पश्चिम-झाबर मल पुत्र मदन लाल, उत्तर-रास्ता

दिनांक- 10.01.2025
स्थान- राजस्थान
ऋण खाता संख्या- 117918948 एवं 55413073

प्राधिकृत अधिकारी
आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड
(पूर्व में कैपिटल फर्स्ट लिमिटेड और आईडीएफसी बैंक लिमिटेड के साथ सम्मिलित)

खेलों से अनुशासन एवं देशप्रेम का भाव जागृत होता है : मुख्यमंत्री

भजनलाल शर्मा ने डांगी-पटेल समाज खेलकूद प्रतियोगिता के समापन समारोह में शिरकत की

उदयपुर/जयपुर, (कासं)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि जीवन में धैर्य और अनुशासन से ही व्यक्ति सफल हो पाता है और खेलों में भी धैर्य व अनुशासन ही जीत की कुंजी हैं। खेलों से अनुशासन, परिश्रम, सामाजिकता एवं देश प्रेम का भाव पैदा होता है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश में खेलों को प्रोत्साहन देने के लिए समर्पित ढंग से प्रयास कर रही है। प्रदेश में प्रत्येक स्तर पर खेलों के प्रोत्साहन हेतु समुचित वातावरण तैयार करने के लिए खेल-इन्फ्रास्ट्रक्चर, विज्ञान, विश्लेषण, परामर्श और पोषण का समावेश करते हुए खेलनीति लाई जा रही है। साथ ही, खिलाड़ियों को विभिन्न स्तर पर प्रशिक्षण और प्रोत्साहन देकर उनका मनोबल बढ़ाया जा रहा है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा मंगलवार को उदयपुर के खेड़ा कानपुर स्थित खेल मैदान में डांगी सेवा संस्थान-खेल संघ उदयपुर की ओर से आयोजित 37वीं डांगी-पटेल समाज खेलकूद प्रतियोगिता के समापन समारोह को संबोधित कर रहे थे।

उदयपुर के खेड़ा कानपुर स्थित खेल मैदान में आयोजित समापन समारोह को मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने संबोधित किया।

- प्रदेश को खेलों के क्षेत्र में उन्नित के शिखर पर ले जाने के लिए ''मिशन ओलंपिक्स'' प्रारंभ किया जा रहा है : मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

मुख्यमंत्री ने कहा कि डांगी पटेल समाज 1989 से शुरू इस खेलकूद प्रतियोगिता के आयोजन को लगातार जारी रखते हुए खेल प्रतिभाओं को मंच उपलब्ध कराने के लिए बधाई का पात्र है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार खेल और खिलाड़ी को प्रोत्साहित करने के लिए कई कदम उठा रही है। उन्होंने कहा कि प्रदेश को खेलों के क्षेत्र में उन्नित के शिखर पर ले जाने के लिए ''मिशन ओलंपिक्स'' प्रारंभ किया जा रहा है। इसके तहत प्रदेश के 50 प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को ओलंपिक खेलों के लिए विश्व स्तरीय ट्रेनिंग, किट, कोचिंग और अन्य सभी सुविधाएं भी प्रदान की जा रही हैं। साथ ही, केंद्र सरकार की ''टारगेट ओलंपिक पोडियम (टॉप)'' योजना के अनुरूप भी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि हाल ही में आयोजित युवा महोत्सव में ब्लॉक, जिला, संभाग और राज्य स्तर पर विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन कर युवाओं को प्रोत्साहित किया गया है। एक जिला एक खेल योजना के तहत, प्रत्येक जिले में प्रचलित खेलों की अकादमी स्थापित की जा रही है। जयपुर में 15 करोड़ रुपये की राशि से खिलाड़ियों के लिए पुनर्वास की व्यवस्था लागू की जा रही है। उन्होंने कहा कि ग्राम पंचायत स्तर पर ओपन जिम और खेल मैदान बनाने का कार्य प्राथमिकता से किया जा रहा है। खेल क्षेत्र के लिए पिछले बजट में आवंटित राशि को चरणबद्ध रूप से दोगुना किया जाएगा।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राजस्थान का खेलकूद के क्षेत्र में स्वर्णिम उपलब्धियों तथा उत्कृष्ट प्रदर्शन का गौरवपूर्ण इतिहास है। मुख्यमंत्री ने कहा कि 2026 में खेलो इंडिया राष्ट्रीय युवा खेलों की मेजबानी राजस्थान को देने के लिए केंद्र सरकार से अनुरोध किया गया है। खेलो इंडिया यूथ गेम्स की तर्ज पर प्रदेश में उपखंड, जिला और राज्य स्तर पर खेलो राजस्थान यूथ गेम्स का आयोजन किया जा रहा है। इसमें पारंपरिक और स्वदेशी खेलों को भी शामिल किया गया है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के युवाओं को खेलों में आगे ले जाने और उनकी प्रतिभा को निखारने के लिए राज्य में राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र एवं खेलो इंडिया स्टेट सेंटर ऑफ एक्सीलेंस की स्थापना के लिए भी केंद्र सरकार से आग्रह किया गया है। जयपुर में राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र खोलने से स्थानीय एथलीटों को प्रोत्साहन मिलेगा, साथ ही राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी तैयार करने में भी मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि हमारे कार्यकाल में एक भी पेपर लीक नहीं हुआ। पेपर लीक माफिया को जेल की सलाखों के पीछे पहुंचाया जा रहा है, इसलिए युवा चिन्ता नहीं करें, सिर्फ मेहनत से प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करें, उनकी मेहनत जरूर सफल होगी। इस अवसर पर विधायक ताराचंद जैन, फूलसिंह मीणा, श्रीचंद कृपलानी, उदयलाल डांगी, शांतादेवी सहित जनप्रतिनिधि, संत, वरिष्ठ अधिकारी एवं बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित रहे।

ग्रामीणों से रिश्वत लेते पशु चिकित्सक एवं दलाल गिरफ्तार

गिरफ्तार अधिकारी दिव्यम जाजोरिया का सितंबर 2024 में ही ज्वाइनिंग हुआ था और वह अभी प्रोबेशन पीरियड में था

राजसमंद, (निसं)। जिले में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो की टीम ने मंगलवार अपरान्ह बाद एक पशु चिकित्सा अधिकारी एवं दलाल को 12600 रुपये की रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार अधिकारी दिव्यम जाजोरिया का सितंबर 2024 में ही ज्वाइनिंग हुआ था और वह अभी प्रोबेशन पीरियड में था।

- पशुओं के कानों पर टैग लगाने और मेडिकल सर्टिफिकेट जारी करने की एवज में 800 रुपये प्रति पशु की दर से रिश्वत मांगी

रिश्वत लेने के आरोपी पशु चिकित्सक एवं दलाल।

जानकारी के अनुसार दिव्यम जाजोरिया पशुओं के कानों पर टैग लगाने और मेडिकल सर्टिफिकेट जारी करने के एवज में पशुपालकों से 800 रुपये प्रति पशु की दर से रिश्वत मांग रहा था। एसीबी की टीम ने दोनों आरोपियों के निवास और कार्यालय पर तलाशी अभियान भी चलाया है। एसीबी के एएसपी हिम्मत सिंह चारण ने बताया कि रिछेड़ गांव में एसीबी की टीम पहुंची, जहां पर दलाल के माध्यम से रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ पकड़ लिया। चारण ने बताया कि रिछेड़ क्षेत्र से शिकायत आई कि मवेशियों के कान टैग करने व पशुओं के स्वास्थ्य प्रमाण पत्र बनाने की एवज में पशु चिकित्सा अधिकारी द्वारा प्रति पशु 800 रूपये रिश्वत मांगी जा रही है। इसके लिए दलाल गंगलाया, कुंभलगढ़ निवासी तरूण गमेती द्वारा प्रत्येक पशुपालक से 600 रुपए एकत्रित किए जा रहे हैं। इस पर भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के प्लान के तहत ग्रामीणों द्वारा दलाल तरूण गमेती को 21 पशुपालकों के 12 हजार 600 रुपए रिश्वत दी गई। इस पर इशारा पाते ही भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो की टीम ने घेराबंदी कर दलाल तरूण गमेती को पकड़ लिया और उससे रिश्वत की राशि जब्त कर ली। साथ ही हाथ धुलवाए गए, तो रंग उभर आया। एसीबी की पूछताछ में तरूण गमेती ने उक्त रिश्वत राशि राजकीय पशु चिकित्सालय रीछेड के चिकित्सा प्रभारी एवं राजकीय प्रथम श्रेणी पशु चिकित्सालय कुंभलगढ़ के प्रभारी अधिकारी डॉ. दिव्यम जाजोरिया के लिए प्राप्त की। इस पर एसीबी द्वारा कहने पर तरूण ने उक्त राशि पशु चिकित्सक डॉ. दिव्यम जाजोरिया के को दे दी। वहां पर मौजूद भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो की टीम ने पशु चिकित्सक डॉ. दिव्यम जाजोरिया और दलाल तरूण गमेती को गिरफ्तार किया। उसके बाद मवेशियों के टैग व स्वास्थ्य प्रमाण पत्र संबंधी दस्तावेज को जब्त कर लिया। आरोपी को राजसमंद जिला मुख्यालय ले जाया गया।

प्रदेश के सरकारी स्कूलों एक अप्रैल से एडमिशन, एक जुलाई से पढ़ाई होगी

बीकानेर, (निसं)। राजस्थान के सरकारी स्कूलों में घटते नामांकन से चिंतित शिक्षा विभाग ने इस बार एक अप्रैल से ही एडमिशन शुरू करने का निर्णय किया है, हालांकि नया सेशन एक जुलाई से ही शुरू होगा। कोरोना के दौरान बढ़ी छात्र संख्या पिछले दो सालों में कम हो गई, ऐसे में शिक्षा विभाग इस संख्या में बढ़ोतरी करने में जुटा हुआ है। जयपुर में सोमवार को शिक्षा संकुल में हुई बैठक में इस मुद्दे पर गंभीरता से चिंतन हुआ।

- सरकारी स्कूलों में स्टूडेंट्स की संख्या बढ़ाने के लिए अभी से शिक्षा विभाग जुटा
- जयपुर में शिक्षा संकुल में हुई बैठक में इस मुद्दे पर गंभीरता से चिंतन हुआ

माध्यमिक शिक्षा निदेशक आशीष मोदी ने बताया कि सभी सरकारी स्कूलों में आगामी एक अप्रैल से प्रवेशोत्सव शुरू करने के निर्देश दिए गये हैं। इसका उद्देश्य नए छात्रों का स्वागत करना और स्कूलों में नामांकन बढ़ाना है। शिक्षा विभाग नए सत्र में होशियार और होनहार स्टूडेंट्स के स्कूल छोड़कर जाने के कारणों पर भी काम करेगा। कोशिश की जाएगी कि होनहार स्टूडेंट्स सरकारी स्कूल में रहकर ही पढ़ाई करें ताकि स्कूल का रिजल्ट बेहतर हो सके। शिक्षा सचिव ने सरकारी स्कूल के मेधावी छात्र व छात्राओं के लिए विशेष योजना बनाने के निर्देश दिए हैं। इसके साथ ही ड्रॉपआउट कम करने की कोशिश होगी।

शिक्षा विभाग नए सत्र 2025-27 में नामांकन बढ़ाने पर जोर दे रहा है। इसके लिए अप्रैल में ही प्रवेशोत्सव शुरू किया जा रहा है। बीते दो सत्रों में देखें तो स्कूलों के नामांकन में भारी गिरावट हुई है। 2021-22 में जहां स्कूलों का नामांकन 98 लाख पहुंच गया था, वहीं 2023-24 में नामांकन करीब 81 लाख रह गया।

इस मीटिंग में शिक्षा सचिव कृष्ण कुणाल ने हेल्थ डिपार्टमेंट से नियमित हेल्थ रिपोर्ट का अपडेट लेने के निर्देश दिए। यह पहल छात्रों के स्वास्थ्य की निगरानी और सुधार के लिए है। हेल्थ डिपार्टमेंट के प्रोग्राम के तहत सरकारी स्कूलों में स्वास्थ्य परीक्षण किया जाता है। बैठक में राज्य परियोजना निदेशक एवं आयुक्त अविचल चतुर्वेदी ने भी विचार रखे। अतिरिक्त राज्य परियोजना निदेशक डॉ. रौनक बैरागी और सचिव राजस्थान राज्य पाठ्य पुस्तक मंडल मूलचंद वर्मा सहित शिक्षा विभाग के अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

हादसे में दो युवकों की मौत

श्रीगंगानगर, (निसं)। पदमपुर इलाके में सीसी हैड के पास देर शाम दो मोटरसाइकिलों की आमने-सामने भिड़ंत में दोनों बाइक सवार युवकों की मौत हो गई। इनमें एक बाइक सवार गजसिंहपुर और अन्य बाइक सवार गांव साहूवाला का रहने वाला है। गजसिंहपुर का राहुल सोनी (28) पुत्र फतेह सोनी सोमवार को किसी काम से श्रीगंगानगर गया था। सोमवार को उसका जन्मदिन था। श्रीगंगानगर से कुछ जरूरी काम निपटाने के बाद सीसी हैड होते हुए गजसिंहपुर लौट रहा था। इसी दौरान सीसी हैड के पास सामने से आ रहे मोटरसाइकिल ने उसे टक्कर मार दी। इससे दोनों मोटरसाइकिल सवारों की मौके पर ही मौत हो गई। अन्य मोटरसाइकिल सवार गांव साहूवाला का रहने वाला हरमनसिंह पुत्र सुखविंदसिंह है। वह श्रीगंगानगर के गांव छह ए का रहने वाला है। वह सीसी हैड की तरफ से गांव छह ए आ रहा था। दोनों शव पदमपुर के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र की मोर्च्यूरी में रखवाए गए।

भारत ऊर्जा सप्ताह-2025 का आयोजन 11 फरवरी से दिल्ली में

जयपुर। दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में से एक, भारत ऊर्जा क्षेत्र में नई ऊँचाइयों को छूने के लिए तैयार है। इसी कड़ी में भारत ऊर्जा सप्ताह 2025 (आईईडब्ल्यू 2025) का आयोजन 11 से 14 फरवरी के बीच नई दिल्ली के यशोभूमि कन्वेंशन सेंटर में किया जाएगा। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय तथा भारतीय पेट्रोलियम उद्योग महासंघ (एफआईपीआई) द्वारा आयोजित यह सम्मेलन ऊर्जा के भविष्य पर वैश्विक संवाद को दिशा देगा।

इस साल का भारत ऊर्जा सप्ताह पहले से कहीं अधिक भव्य होगा। 70 हजार से अधिक प्रतिनिधियों, 700 से अधिक प्रदर्शकों और 120 से ज्यादा देशों की भागीदारी इसे खास बनाएगी। 20 से अधिक देशों के ऊर्जा मंत्री और 90 से ज्यादा वैश्विक कंपनियों के

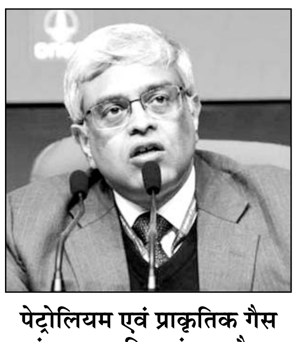

पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय सचिव पंकज जैन।

सीईओ, जैसे बीपी, टोटल एनर्जीस, कतर एनर्जी, एडीएनओसी, बेकर ह्यूजेस और विटोल समूह आदि इसमें शिरकत करेंगे। आईईडब्ल्यू 2025 में सात प्रमुख विषयों पर चर्चा होगी, जिनमें स्वच्छ ऊर्जा, कार्बन उत्सर्जन में कटौती, डिजिटल इनोवेशन, ऊर्जा सहयोग आदि शामिल हैं। इस साल खासतौर पर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, ऊर्जा भंडारण, ग्रीन हाइड्रोजन और नवीकरणीय ऊर्जा जैसे अत्याधुनिक विषयों पर चर्चा होगी। यह आयोजन ऊर्जा सुरक्षा, स्वच्छ ईंधन समाधान और वैश्विक सहयोग को बढ़ावा देने का एक प्रभावशाली मंच बनेगा।

- यह आयोजन ऊर्जा सुरक्षा, स्वच्छ ईंधन समाधान और वैश्विक सहयोग को बढ़ावा देने का एक प्रभावशाली मंच बनेगा

पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय के सचिव पंकज जैन के अनुसार, ''आईईडब्ल्यू 2025 ऊर्जा परिवर्तन और नवाचार का केंद्र बनेगा, जहां विश्वभर के हितधारक ऊर्जा के भविष्य को आकार देने के लिए एक साथ आऐंगे।'' भारत, जो वैश्विक ऊर्जा बदलाव में एक मजबूत भूमिका निभा रहा है, इस मंच का उपयोग अपनी प्रमुख योजनाओं को प्रस्तुत करने के लिए करेगा। नीति आयोग, ऊर्जा मंत्रालय और नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय भी इस आयोजन का हिस्सा होंगे।

आईईडब्ल्यू 2025 में अविन्या एनर्जी स्टार्टअप चैलेंज 2.0 आयोजित किया जाएगा, जिसमें उभरते स्टार्टअप्स को अपने नवीन समाधान पेश करने का मौका मिलेगा। इसके अलावा, छात्रों और नवाचारकर्ताओं के लिए निःशुल्क कार्यशालाएं भी होंगी। यह आयोजन न सिर्फ भारत, बल्कि वैश्विक ऊर्जा भविष्य के लिए भी एक बड़ी उपलब्धि साबित होगा।

रीट 2024: आवेदन की अंतिम तिथि आज

अजमेर, (कासं)। राजस्थान शिक्षक पात्रता परीक्षा (रीट-2024) के लिए आवेदन प्रक्रिया बुधवार को समाप्त हो रही है। इस वर्ष रीट परीक्षा 27 फरवरी को आयोजित की जाएगी। अब तक परीक्षा के लिए लगभग 12 लाख 25 हजार से अधिक आवेदन प्राप्त हो चुके हैं। राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (आरबीएसई) ने बताया कि परीक्षा की तैयारियों को ध्यान में रखते हुए आवेदन की अंतिम तिथि बढ़ने की संभावना कम है।

- परीक्षा के लिए अब तक लगभग 12 लाख 25 हजार से अधिक आवेदन प्राप्त हुये
- परीक्षा 27 फरवरी को, बीएड-डीएलएड फर्स्ट ईयर के छात्र पहली बार शामिल होंगे

रीट 2024 दो स्तरों पर आयोजित की जाएगी। लेवल-1 के तहत प्राथमिक शिक्षक (कक्षा 1 से 5) और लेवल-2 के तहत उच्च प्राथमिक शिक्षक (कक्षा 6 से 8) की पात्रता परीक्षा होगी। लेवल 1 के लिए आवेदन करीब 3 लाख 10 हजार तथा लेवल-2 के लिए 9 लाख 15 हजार के लगभग आवदेन अब तक प्राप्त हो चुके हैं। मंगलवार का दिन ही शेष रहते बोर्ड को लगभग एक से सवा लाख और आवेदन प्राप्त होने की संभावना जताई जा रही है। रीट परीक्षा में किसी भी प्रकार की गड़बड़ी से बचने के लिए माध्यमिक शिक्षा बोर्ड ने कई एहतियाती कदम उठाए हैं। परीक्षा संचालन के लिए जिला स्तर पर समिति गठित की गई है, जिसके अध्यक्ष जिला कलेक्टर होंगे। नोडल अधिकारी के रूप में अतिरिक्त जिला कलेक्टर और मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी को जिम्मेदारी दी गई है। बोर्ड सचिव एवं रीट समन्वयक कैलाश चंद्र शर्मा ने कहा कि राजस्थान में भर्ती परीक्षाओं के दौरान पूर्व में हुई पेपर लीक जैसी घटनाओं को देखते हुए इस बार विशेष सतर्कता बरती जा रही है।

बीएड-डीएलएड फर्स्ट ईयर के छात्रों को मौका :- इस बार रीट परीक्षा में एक बड़ा बदलाव किया गया है। अब बीएड और डीएलएड के प्रथम वर्ष के विद्यार्थी भी परीक्षा में शामिल हो सकते हैं। इससे पहले केवल वे विद्यार्थी परीक्षा दे सकते थे, जिन्होंने बीएड/डीएलएड पूरी कर ली हो या अंतिम वर्ष में अध्ययनरत हों। हालांकि शिक्षक भर्ती के आवेदन की अंतिम तिथि तक सभी आवश्यक योग्यताएं पूरी करनी होंगी।

सर्दी से बचाव के लिए अलाव तापते बच्चा झुलसा, मौत

ठंडी हवाओं से ठिठुरी लेकसिटी, तापमान 5.1 डिग्री

उदयपुर, (निसं)। ठंडी हवाओं से लेकसिटी ठिठुर रही है। न्यूनतम तापमान में और भी गिरावट के साथ मंगलवार को भी कोहरे छाया रहा और हवाएं चलने से सर्दी से राहत नहीं मिली है। इधर, शीतलहर के प्रभाव को देखते हुए जिला कलेक्टर ने उदयपुर जिले में कक्षा आठवीं तक के स्कूलों का समय सुबह 10 बजे से दोपहर 3 बजे तक कर दिया है। वहीं जिले के ओगणा थाना क्षेत्र में ठंड से बचाव के लिए अलाव तापते समय झुलसने पर बच्चे की मौत हो गई।

- 15 से 18 जनवरी तक आठवीं तक के स्कूलों का समय सुबह 10 से दोपहर 3 बजे रहेगा

लेकसिटी के सर्द हवाओं के सामने सूरज की धूप भी फिकी पड़ गई है। हवाओं के चलने के तापमान में गिरावट दर्ज की गई और एक बार फिर तापमान पांच डिग्री पर आ गया है। मौसम विभाग डबोक से मिली जानकारी के अनुसार मंगलवार को शहर का अधिकतम तापमान 20 डिग्री व न्यूनतम तापमान 5.1 डिग्री रिकॉर्ड किया गया। धूप खिलने से दिन के तापमान में तीन डिग्री की बढ़ोतरी हुई है लेकिन रात के तापमान में सवा डिग्री की कमी हुई है। सोमवार को तापमान क्रमशः 17 व 6.4 डिग्री रहा था। हवाओं की गति 15 से 16 किमी प्रतिघंटा रही। 15 जनवरी को बादल छाने व बारिश की संभावना भी जताई जा रही है ऐसे में अभी राते और दिन ठंडे बने रहेंगे और कड़ाके की सर्दी का असर रहेगा।

जिले में शीतलहर के प्रभाव के मद्देनजर जिला कलेक्टर अरविंद पोसवाल ने जिले के समस्त राजकीय एवं गैर राजकीय विद्यालयों के कक्षा 1 से 8 तक के विद्यार्थियों पर समय में बदलाव किया गया है। 15 जनवरी से 18 जनवरी तक प्रातः 10 से दोपहर 3 बजे तक होगा। विद्यालयों के समय आदेश की अवहेलना करने वाले विद्यालयों के विरूद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

वहीं ठंड से बचाव के लिए आलाव तापते समय झुलसने पर बच्चे की मौत हो गई। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार ओगणा थाना क्षेत्र अम्बावा पडावली गांव निवासी टेरसाराम (5)पुत्र हुरताराम गमेती की सवेरे मंगलवार सवेरे अलाव तापते समय झुलसने पर मौत हो गई। सवेरे टेरसाराव व दो तीन अन्य बच्चे खेत के पास आलाव ताप रहे थे एवं परिजन खेत पर काम कर रहे थे। अचानक टेरसाराम के गले में रखे कपड़े ने आग पकड़ ली जिससे वह झुलस गया। साथी बच्चों के चिल्लाने पर दौड़कर आए परिजनों ने आग पर काबू किया तथा उसे उपचार के लिए एमबी चिकित्सालय ले कर पहुंचे, जहां उसकी मौत हो गई। एएसआई सतीष ने मृतक का पोस्टमार्टम करवाया।

बीकानेर में सर्दी का सितम बरकरार, अधिकतम तापमान में गिरावट आई

बीकानेर में अब सुबह और रात दोनों समय कड़ाके की सर्दी पड़ने लगी है

बीकानेर/नोखा/श्रीगंगानगर, (निसं)। बीकानेर में सर्दी का सितम बरकरार है। अब तक रात में ज्यादा सर्दी पड़ रही थी, लेकिन अब दिन भी ठिठुरन बढ़ने लगी है। लोगों का घरों से बाहर निकलना मुश्किल हो रहा है। शहर से देहात तक हर कहीं घना कोहरा होने से वाहनों के पहिए थम गए हैं। विजिबिलिटी महज सौ मीटर रह गई है। सुबह नौ बजे तक भी लोग सड़क पर निकलने में डरते रहे। बीकानेर से श्रीगंगानगर की ओर जाने वाले मार्ग पर विजिबिलिटी बहुत कम रही। वहीं लूणकरनसर में भी नेशनल हाइवे पर कुछ दूरी पर लोग एक-दूसरे को देख नहीं पा रहे। ऐसे में बड़े वाहन होटल और ढाबों पर ही खड़े रहे।

जानकारी के अनुसार बीकानेर में अब सुबह और रात दोनों समय तेज कड़ाके की सर्दी पड़ने लगी है। अधिकतम तापमान में बड़ी गिरावट दर्ज की गई है। बीते चौबीस घंटे में बीकानेर में अधिकतम तापमान 16.4 डिग्री सेल्सियस रहा। जो सामान्य से करीब 7 डिग्री सेल्सियस कम है। वहीं न्यूनतम तापमान 8.8 डिग्री सेल्सियस रहा, जो सामान्य से एक डिग्री सेल्सियस कम है।

बीकानेर में एक बार फिर मावठ की बारिश का इंतजार हो रहा है। पंद्रह जनवरी को भी मौसम विभाग ने मौसम शुष्क रहने की उम्मीद जताई है, वहीं 16 जनवरी को बीकानेर संभाग में मावठ की बारिश होने की संभावना है। संभाग में बीकानेर जिले में भी बारिश होने की उम्मीद है। वहीं श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़ व चूरू में भी बारिश हो सकती है। जिला कलेकटर ने बीकानेर में स्कूलों की छुट्टी करने के बजाय समय में बदलाव कर दिया। दो दिन से घना कोहरा होने के कारण अब अभिभावक अपने स्तर पर स्कूल की छुट्टी दिला रहे हैं। स्कूल का समय अभी दस बजे से हैं लेकिन नौ से दस बजे के बीच ही घना कोहरा रहने लगा है। हालांकि मंगलवार को कोहरे से निजात मिल सकती है। वहीं बुधवार को बारिश की उम्मीद है।

- अधिकतम तापमान में सात डिग्री सेल्सियस की गिरावट आई

नोखा में सर्दी ने ठिठुराया :- सुबह घने कोहरे ने जनजीवन को प्रभावित किया। सुबह साढ़े नौ बजे तक विजिबिलिटी महज 10 मीटर तक सीमित रही। सोमवार की देर रात से शुरू हुआ कोहरा सुबह तक छाया रहा। धूप न निकलने और ठंडी हवाओं के कारण लोगों को ठिठुरन का सामना करना पड़ा। सोमवार शाम से ही तेज हवाओं के चलते लोग घरों में दुबके रहे। स्कूली बच्चों के लिए यह मौसम विशेष चुनौतीपूर्ण साबित हो रहा है। जिला प्रशासन ने पहले बीकानेर में 11 जनवरी तक स्कूलों की छुट्टी घोषित की थी। बाद में कड़ाके की सर्दी को देखते हुए स्कूल का समय बदलकर सुबह 10 बजे से दोपहर 3 बजे कर दिया गया।

श्रीगंगानगर में दिन की शुरुआत घने कोहरे से :- इलाके में दिन की शुरुआत घने कोहरे से हुई और विजिबिलिटी 8 से 10 मीटर के बीच रही। इससे वाहन चालकों को खासी परेशानी का सामना करना पड़ा। वहीं, पार्कों में सुबह भ्रमण पर काफी कम लोग दिखाई दिए, लेकिन दोपहर बाद अच्छी धूप निकली, जो शाम तक जारी रही, इससे लोगों को ठंड से राहत मिली। सोमवार को अधिकतम तापमान 4.2 डिग्री गिरकर 15.8 डिग्री सेल्सियस रहा, जबकि न्यूनतम तापमान 0.4 डिग्री बढ़कर 7.4 डिग्री सेल्सियस रहा है। मौसम विभाग के अनुसार मंगलवार को भी इलाके में घना कोहरा रहेगा। बीकानेर संभाग में कुछ भागों में मेघ गर्जन के साथ हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है। इस दौरान ओलावृष्टि भी हो सकती है। घने कोहरे की वजह से श्रीगंगानगर-पदमपुर मार्ग पर सीसी हैड के पास धुंध में बस व बोलेरो की भिड़ंत में दंपती सहित तीन जनों की मौत हो गई, जबकि दो जने घायल हो गए।

एक गिरफ्तार

भीलवाड़ा, (निसं)। शहर के कोतवाली थाना क्षेत्र स्थित समेलिया फाटक पर एक्सीडेंट होने का फेक वीडियो इंस्टाग्राम पर अपलोड कर आमजन को भ्रमित के आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। कोतवाल राजपाल सिंह ने बताया कि मांडलगढ़ निवासी राहुल (22) पुत्र गोपाल कुमार जांगिड़ ने इंस्टाग्राम आईडी पर समेलिया फाटक के पास एक्सीडेंट होने का फेक वीडियो अपलोड कर आमजन को भ्रमित किया। वह सोशल मीडिया कंटेंट के नाम पर इस तरह के फेंक वीडियो सोशल मीडिया पर प्रसारित कर रहा था। ऐसे में मौके पर शांति व्यवस्था बनाये रखने व संज्ञेय अपराध की पूर्व परिकल्पना के आधार पर राहुल जांगिड़ को गिरफ्तार किया। इस कार्रवाई में कोतवाल सिंह के साथ दीवान पिंकी, कांस्टेबल राहुल व संजय शामिल थे। सोशल मीडिया पर फेंक वीडियो के जरिए प्रसिद्धी पाने की लालसा रखने वाला राहुल अब सोशल मीडिया के जरिए ही अपने कृत की माफी मांगता हुआ नजर आ रहा है।

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता ओएफडी खण्ड-प्रथ, सिक्षेवि, इंगानप, बीकानेर

कमांक:-4929-4948 दिनांक:-10.01.25

CORRIGENDUM IN NIB NO.12/2024-25

पक्का खाला निर्माण कार्य हेतु इस कार्यालय के पत्रांक 4457-4476 दिनांक 23.12.2024 द्वारा आमंत्रित ई-निविदा सूचना संख्या 12/2024-25को आनलाईन प्रस्तुत करने की अन्तिम तिथि 14.01.2025(सांय 6.00बजे तक)व खोलने की तिथि 16.01.2025(प्रात:11.00बजे से) को आनलाईन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि 22.01.2025(दोपहर1.00बजे तक)व खोलने की तिथि 23.01.2025(सांय 3.00बजे से) की जाती है। शेष शर्ते यथावत रहेगी

(शिवराज गुप्ता)

अधिशाषी अभियन्ता ओएफडी खण्ड-प्रथम

सिक्षेवि,इंगानप, बीकानेर

जयपुर में धूमधाम से मनाया मकर संक्रांति पर्व

जयपुर में मकर संक्रांति पर्व पर मंगलवार को सुबह से ही लाग छतों पर डटे रहे और पतंगबाजी का आनंद लिया।

शाम होते ही लोगों ने आतिशबाजी कर पतंगबाजी का आनंद लिया।

जयपुर में मंगलवार को रात्रि में आतिशबाजी का दृश्य।

मकर संक्रांति पर गाविंददेवजी मंदिर में भगवान ने पतंग उड़ाई।

सरस निकुंज मंदिर में सजाई भगवान की भव्य झांकी।

- शाम को आतिशबाजी से रंगीन हुआ आसमान
- चारदीवारी के बाहर भी जमकर चले पटाखे
- जरुरतमंदों को किया दान कर कमाया पुण्य

जयपुर। माघ कृष्ण प्रतिपदा मंगलवार को मकर संक्रांति पर्व धूमधाम से मनाया गया।

सुबह से खिली धूप में लोगों ने दिनभर पतंगबाजी की ओर रात को आतिशबाजी का लुत्फ उठाया। उत्साहित लोगों ने दीपावली की तरह आतिशबाजी कर आसमान को सतरंगी कर दिया। पतंगबाजों ने सूयादय स पहल हा छता पर डरा जमा लिया। शाम ढलने तक लोग अपनी छतों पर डटे रहे। डीजे की धुनों पर नाचते गाते लोगों ने जमकर पतंगबाजी का लुफ्त उठाया। देर शाम तक लोग छतों पर डटे रहे। कुछ लोगों ने तो सुबह का नाश्ता और दोपहर का भोजन तक छत पर किया। हर मकान की छत पर रौनक देखने लायक थी। वो काटा, वो मारा का शोर और डीजे की धुनों पर बजता संगीत, हर किसी को थिरकने पर मजबूर कर रहा था। आसमान में पतंगें थिरक रही थी, छतों पर लोग खुशी से झूमते हुए नजर आए। मोबाइल में खोए रहने वाले युवा और बच्चों में सबसे ज्यादा पतंगबाजी का उत्साह देखने को मिला। हर उम्र के लोग दिनभर पतंगबाजी में व्यस्त नजर आए। बच्चे भी पतंगबाजी करने से पीछे नहीं रहे। बच्चों ने छोटी पतंग और गुब्बारे उड़ाए।

इसके चलते आसमान भी रंग-बिरंगी पतंगों से सजा दिखाई दिया। महिलाओं ने भी नाश्ते और भोजन से फुर्सत मिलते ही बच्चों के संग पतंगबाजी की। कॉलोनियों में कई घरों पर सामूहिक पतंगबाजी भी की गई। कई घरों के बच्चे एक ही बड़ी छत पर एकत्र हो गए और जमकर पतंगबाजी की।

दिनभर पतंगबाजी के बाद शाम होते ही बड़ी संख्या में लोग अपने घरों की छतों पर पहुंच गए। इस दौरान डीजे की धुनों पर नाचते लोगों ने आतिशबाजी शुरू कर दी। जिससे आसमान रंगीन रोशनी से सराबोर हो गया। अंधेरा होने के साथ जुगनू से टिमटिमाते विशिंग लैंप जयपुर के आसमान में तारों से चमकने लगे। रात होते-होते जयपुर के आसमान में तारों की संख्या में विशिंग लैंप नजर आए।

सिर्फ चारदीवारी ही नहीं, बल्कि बाहरी क्षेत्र में भी जमकर आतिशबाजी की गई। वैशाली नगर, मालवीय नगर, मानसरोवर, बनीपार्क, झोटवाड़ा, विद्याधर नगर, आदर्श नगर, राजा पार्क और आमेर में बड़ी संख्या में लोग अपने घरों पर पटाखे चलाते नजर आए। जिसके बाद पूरा जयपुर दीपावली सी रोशनी से जगमग हो उठा। गुलाबी शहर जयपुर पीली रोशनी से रोशन हो गया। जिसे नाहरगढ़ से देखने से ऐसा लग रहा था, जैसे पूरे जयपुर ने सोने की चादर ओढ़ ली है।

लोगों ने और स्वयंसेवी संस्थाओं ने कठपुतलीनगर, झालाना डूंगरी, सहकार मार्ग, विद्याधरनगर, मानसरोवर, न्यू सांगानेर रोड स्थित कच्ची बस्तियों के बच्चों को बिस्कुट, तिल के लड्डू का वितरण किया। दान दाताओं ने बाल सुधार गृहों में खेल सामग्री, तिल के लड्डू का दान किया। इससे बच्चों में खुशी का ठिकाना नहीं रहा।

विभिन्न डे केयर सेंटर, मानव कुष्ठ कुष्ठ आश्रम, इंदिरा कुष्ठ आश्रम, शंकर सेवा धाम सहित अन्य वृद्धाश्रम में दानदाताओं ने खाद्य सामग्री का वितरण किया। बेसहारा, निराश्रित वृद्धों को मोजे, दस्ताने दक्षिणा देकर पुण्य कमाया।

ज्योतिषाचार्य डॉ. महेन्द्र मिश्रा ने बताया कि सुबह से शाम तक पर्व का पुण्यकाल रहने से लोगों को दान-पुण्य करने का पूरा समय मिला। सूर्य भगवान सुबह 8:55 बजे धनु राशि से मकर राशि में प्रवेश कर गए। सुबह राशि परिवर्तन करने से संक्रांति का पुण्यकाल सूर्योदय से सूर्यास्त तक यानि सुबह 7:21 से शाम 5:50 तक बजे रहा महापुण्यकाल सुबह 9:03 से 10:52 बजे तक रहने से इसी समय सबसे ज्यादा धर्म-पुण्य कार्य किया गया। पुनर्वसु नक्षत्र, कुमार योग सहित अन्य संयोग ने मकर संक्रांति पर्व को बेहद खास बना दिया। मकर संक्रांति को सूर्य भगवान दक्षिणायन से उत्तरायण हो जाएंगे। ऐसे में मंगलवार को कई मांगलिक आयोजन भी हुए।

ठाकुरजी ने उड़ाई चांदी की पतंग, राधाजी ने थामी चरखी

जयपुर। मकर संक्रांति पर मंदिरों में ठाकुरजी ने भी पतंग उड़ाई। मुख्य उत्सव ठिकाना मंदिर श्री गोविंद देवजी में हुआ। मंदिर के सेवाधिकारी मानस गोस्वामी ने बताया कि ठाकुर श्रीजी ने चांदी की पतंग उड़ाई। वहीं, राधारानी जी संग सखियों ने चांदी की चरखी थामी।

ठाकुर श्रीजी के पतंगोत्सव के अद्भुत दर्शन वाली झांकी देखकर लोग रोमाचिंत हो उठे। मकर संक्रांति पर ठाकुर श्रीजी को विशेष फीणी, गुड़ तिल के लड्डू, मावा तिल के लड्डू का विशेष भोग अर्पित किया गया। छप्पन भोग की झांकी भी सजाई गई। इससे पूर्व मंगला झांकी के बाद ठाकुर श्रीजी का वैदिक मंत्रोचारण के साथ पंचामृत अभिषेक कर पीली लप्पा जामा सर्दी की पोशाक धारण कराई गई। विशेष अलंकार से श्रृंगार किया गया। मंदिर के जगमोहन में ठाकुर श्रीजी का परंपरागत पतंगोत्सव गया। पूरा परिसर कलात्मक पतंगों से सजाया गया।

जयपुर के सरस निकुंज में सजी कलात्मक पतंगों की झांकी

जयपुर। सुभाष चौक पानों का दरीबा स्थित श्री शुक संप्रदाय की प्रधान पीठ श्री सरस निकुंज में अलबेली माधुरी शरण महाराज के सान्निध्य में मकर संक्रांति पर ठाकुर राधा सरस बिहारी सरकार की पतंग झांकी सजाई गई। मंदिर का गर्भगृह और जगमोहन पतंगों से सजाया गया। श्री सरस परिकर के प्रवक्ता प्रवीण बड़े भैया ने बताया कि ठाकुरजी को तिल के लड्डू, फीणी सहित अन्य व्यंजनों का भोग लगाया गया। ब्रज से आए रसियाओं ने ठाकुरजी के समक्ष ब्रज भाषा की रचनाओं का श्रवण कराया। श्री सरस परिकर की ओर से सभी का सम्मान किया गया। चौड़ा रास्ता स्थित राधा दामोदर जी, पुरानी बस्ती के गोपीनाथ जी, रामगंज बाजार के लाड़लीजी सहित अनेक मंदिरों में भी मकर संक्रांति उत्सव धूमधाम से मनाया गया। मकर संक्रांति पर मंदिरों में विशेष पूजा अर्चना की गई। इसके चलते दिनभर मंदिरों में श्रद्धालुओं की भीड़ रही। गोविंद देवजी, सहित अन्य मंदिरों में भगवान के दर्शन करने के बाद दर्शनार्थियों ने जरुरतमंदों को दान-पुण्य किया।

धूमधाम से मनाया गोदा देवी-रंगनाथ का विवाह

लक्ष्मीनारायण पुरी स्थित श्री लक्ष्मीनारायण मन्दिर में महंत त्रिविक्रमचार्य के सान्निध्य में गोदम्बाजी का विवाह उत्सव धूमधाम से मनाया गया। सुबह से शाम तक चले उत्सव में ठाकुरजी की विशेष आरती कर गाजेबाजे के साथ बारात निकाली गई। बारात में बड़ी संख्या में श्रद्धालु भजनों के साथ नृत्य करते चल रहे थे। इसके बाद वेद मंत्रोच्चार के साथ गोदम्बा जी के साथ विवाह संपन्न हुआ।

मदन राठौड़ ने सौंखियों के रास्ते में आयोजित ''पतंग महोत्सव'' में शिरकत की

- 'आज के महोत्सव की तरह हम सभी को राजनीति में भी दिखानी चाहिए एकजुटता, जनता के विकास कार्यों के लिए करना चाहिए प्रयास'

जयपुर। छोटी काशी जयपुर में आज मकर संक्रांति का पर्व धूमधाम और हर्षोल्लास से मनाया गया। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने भी संक्रांति पर पतंगबाजी का लुत्फ उठाया और पेंच लड़ाए। भाजपा अध्यक्ष मदन राठौड़ ने सुबह किशनपोल बाजार सौंखियों का रास्ता में राजू अठावाल मंगोडीवाला के आवास पर पतंग महोत्सव में शिरकत की। राठौड़ ने कहा कि सूर्य उपासना, दान-पुण्य से जुड़ा यह पर्व मकर संक्रांति प्रदेशवासियों के जीवन में सुख, समृद्धि और खुशहाली का मार्ग प्रशस्त करेगा। राजू अठावाल ने बताया कि स्व मोहन दास अठावाल जी द्वारा मकर संक्रांति पर इस तरह का आयोजन शुरू किया गया था। अब इस प्रयास को लगातार उनके जाने के बाद भी आगे बढ़ाया जा रहा है।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने पतंग महोत्सव कार्यक्रम के दौरान पत्रकारों से बातें करते हुए कहा कि पतंग महोत्सव में जिस तरह छतों पर हम सभी एक साथ मिलकर आपसी सौहार्द के साथ पतंगें उड़ा रहे है, उसी तर्ज पर हमें बेहतर समन्वय के साथ क्षेत्र के विकास के लिए कार्य करना चाहिए। राजनेताओं को हमेशा राजनीति नहीं करनी चाहिए, राजनीति चुनाव तक सीमित हो, उसके बाद सब को मिलकर जनता के विकास के लिए एकजुटता से प्रयत्नशील रहना चाहिए। राजनीति में प्रेम, व्यवहार और संबंध नहीं जुड़ते, हमें आपस में लड़ने की बजाए जनता के हितों के लिए लड़ना चाहिए।

राठौड़ ने कहा कि आज सदन की गरिमा गिरती जा रही है, यह चिंता का विषय है। पहले सदन में तर्क संगत बहस होती थी, आवश्यकता होने पर पक्ष-विपक्ष दोनों को सुना जाता था लेकिन आज यह संस्कृति विलुप्त होती जा रही है। राजनीति में कुछ लोग सुर्खियों में आने के लिए कुछ भी चिल्ला देते है, यह ठीक नहीं है। आपसी समझ के साथ राजनीति करनी चाहिए, अडियल रूख नहीं अपनाना चाहिए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एक देश, एक चुनाव के पक्ष में है, चुनाव के दौरान राजनीति करो, उसके बाद जनता से किए वादों को पुरा करने के लिए प्रयत्न करने चाहिए। भर्ती मामले में पायलट के बयान पर राठौड़ ने कहा कि सचिन पायलट को युवाओं के नियुक्ति पत्रों को लेकर इस तरह की बातें नहीं करनी चाहिए, कांठोस सरकार के कार्यकाल में नियुक्तियां नहीं मिलने पर पायलट को बोलना चाहिए था, अब समय गुजर चुका है।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल सरकार के नेतृत्व में प्रदेश तेजी से आगे बढ़ रहा है। युवाओं के रोजगार के सपने को पुरा करने की दिशा में भाजपा सरकार ने सफल राइजिंग राजस्थान समिट जैसा ऐतिहासिक कार्य किया है। इतना ही नहीं, राजस्थान के पर्यटन, उद्योग, ऊर्जा, खनिन जैसे विभिन्न क्षेत्रों में अपार संभावनाए है, इन क्षेत्रों में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा कार्य कर रहे है।

सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के 23 अधिकारी पदोन्नत

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देशों की अनुपालना में सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग के 23 अधिकारियों को पदोन्नति प्रदान की गई है।

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग के आयुक्त सुनील शर्मा ने बताया कि राजस्थान लोक सेवा आयोग के सदस्य प्रो. अय्यूब खान की अध्यक्षता में गत मंगलवार को शासन सचिवालय में विभागीय पदोन्नित समिति की बैठक आयोजित की गई थी। जिसकी अभिशंषा पर विभाग में अतिरिक्त निदेशक के 2, संयुक्त निदेशक के 3, उपनिदेशक के 9 एवं सहायक निदेशक के 9 पदों सहित कुल 23 पदों पर पदोन्नति की गई है।

उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने विभागों में कार्मिकों को पदोन्नति के समुचित अवसर प्रदान करने की दिशा में निर्देश दिए हैं। इसी क्रम में मंगलवार को सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग पदोन्नित के आदेश जारी किये गये हैं।

विभाग में डॉ. कमलेश शर्मा एवं सुश्री नर्बदा इन्दौरिया अतिरिक्त निदेशक के पद पर, रजनीश शर्मा, श्रवण कुमार चौधरी एवं सुश्री क्षिप्रा भटनागर संयुक्त निदेशक के पद पर, ब्रजेश कुमार सामरिया, डॉ. रवीन्द्र सिंह, मोहम्मद मुस्तफा शेख, हरिशंकर आचार्य, तरूण कुमार जैन, अभिषेक कुमार जैन, ओटाराम चौधरी, आलोक आनन्द, अजय कुमार उप निदेशक के पद पर एवं डॉ. सुनील कुमार बिजारणिया, सुश्री संतोष कुमावत, श्रीमती भाग्यश्री गोदारा, संतोष कुमार प्रजापति, राजेश यादव, गजाधर भरत, धर्मिता चौधरी, शिवराम मीणा एवं मनोज कुमार को सहायक निदेशक के पद पर पदोन्नति प्रदान की गई है।

पदोन्नत हुए सभी अधिकारियों ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग के प्रमुख शासन सचिव आलोक गुप्ता एवं सूचना एवं जनसम्पर्क आयुक्त सुनील शर्मा के प्रति आभार व्यक्त किया।

पश्चिमी सरहद की सुरक्षा को लेकर "ऑपरेशन सर्द हवा" 22 जनवरी से

कड़ाके की ठंड और कोहरे में हर 500 मीटर पर बीएसएफ के दो जवान तैनात होंगे

बीकानेर, (निसं)। राजस्थान की करीब हजार किलोमीटर लंबी पश्चिमी सरहद की सुरक्षा को लेकर बीएसएफ का ऑपरेशन सर्द हवा 22 जनवरी से शुरू होगा। एक सप्ताह तक चलने वाले इस ऑपरेशन के दौरान नफरी दोगुनी कर चौकसी बढ़ा दी जाएगी। फ्रंटियर स्तर पर इसकी तैयारी शुरू कर दी गई है।

हाड़ कंपा देने वाली ठंड और या आग उगलती गर्मी, हर साल दोनों ही मौसम में ऑपरेशन अलर्ट चलाया जाता है, जिसे सर्द हवा या गर्म हवा भी कहते हैं। यूं तो बॉर्डर पर बीएसएफ हमेशा ही अलर्ट मोड पर रहती है, लेकिन ऑपरेशन के दौरान नफरी दो गुना कर दी जाती है। वर्तमान में बॉर्डर पर न्यूनतम पारा 2 से 4 डिग्री के बीच का अहसास करवा रहा है। ऐसे में मुख्यालय से जवान और अधिकारी भी सीमा चौकियों पर रहेंगे। हर पांच सौ मीटर के दायरे में दो जवान तैनात किए जाएंगे। जीरो लाइन तक पेट्रोलिंग होगी। इस दौरान हथियार, तारबंदी, बंकर और सीमा चौकियों की मेंटिनेंस का काम भी युद्ध स्तर पर होगा। पाकिस्तान से ड्रोन द्वारा हेरोइन और हथियारों की तस्करी को रोकना बीएसएफ के लिए चुनौती बना हुआ है। इसके लिए रणनीतिक तरीके अपनाने की तैयारी की जा रही है। ऑपरेशन सर्द हवा के दौरान सबसे ज्यादा फोकस तस्करों पर रहेगा। तस्करी की वारदातों में लिप्त रहे खाजूवाला, अनूपगढ़ और श्रीगंगानगर क्षेत्र के तस्करों की गतिविधियों पर नजर रखी जाएगी।

> ■ **एक सप्ताह तक चलने वाले इस ऑपरेशन के दौरान नफरी दोगुनी कर चौकसी बढ़ा दी जाएगी**

गौरतलब है कि पिछले साल राजस्थान फ्रंटियर एरिया में 250 करोड़ की हेरोइन तस्करी पकड़ी गई थी। पाकिस्तान से 20 बार ड्रोन आए और कुल 50 किलो हेरोइन गिराकर लौट गए। हाल ही में अनूपगढ़ सीमा पर मेड इन यूएस लिखी पिस्टलें बरामद हुई है, जो पाक ने ड्रोन से गिराई थीं। सीमावर्ती क्षेत्र में भारत-पाक सीमा से 10 से 20 किलोमीटर तक के दायरे में शाम को छह बजे के बाद ग्रामीणों का मूवमेंट बंद रहेगा। नाके बढ़ाए जाएंगे। चौराहों पर पूरी रात नाकाबंदी रहेगी। ग्रामरक्षक समितियों को एक्टिव किया जा रहा है। गांवों में संदिग्ध व्यक्ति दिखाई देने पर तुरंत नजदीक के पुलिस थाने या बीएसएफ को सूचना देने को कहा गया है। बॉर्डर एरिया में बीएसएफ ने सर्विलांस नेटवर्क को मजबूत करने का काम शुरू कर दिया है।

इसी कड़ी में ग्रामीणों से संपर्क और पुलिस से समन्वय पर भी जोर दिया जा रहा है। बीएसएफ सामान्य शाखा के अधिकारियों को खास तौर से इस काम में लगाया गया है। बीकानेर सेक्टर डीआईजी ने पिछले दिनों बॉर्डर एरिया का दौरा कर हालात का जायजा लिया।

बॉर्डर पार से हेरोइन और हथियारों की तस्करी की घटनाओं को देखते हुए तारबंदी से पांच किमी दूर खेतों में माउंटेड व्हीकल एंटी ड्रोन सिस्टम तैनात किए जा रहे हैं। इंसास राइफलों से लैस पांच जवानों की नाइट राइडर टीम एंटी ड्रोन सिस्टम को लेकर पूरी रात खेतों में पेट्रोलिंग करेगी। पाकिस्तान से आने वाले ड्रोन भारतीय सीमा में छह किमी तक हेरोइन या हथियार ड्रॉप करके लौट जाते हैं। डिलीवरी लेने के लिए तस्कर भी आस-पास ही छिपे रहते हैं। इसे ध्यान में रखते हुए करीब दस किमी क्षेत्र में बीएसएफ के जवान बाज सी नजरें गड़ाए रहेंगे।

घर में सो रहे परिवार को जिंदा जलाने की कोशिश

घर के खिड़की-दरवाजों पर पेट्रोल डालकर आग लगाई, बाहर से सारे दरवाजे बंद किये

नोखा, (निसं)। अणखीसर गांव में सुबह पांच बजे घर में सो रहे एक परिवार के लोगों को जिंदा जलाने के लिए खिड़की-दरवाजों पर पेट्रोल डालकर आग लगा दी गई। बाहर से सारे दरवाजे बंद कर दिए। घरवालों की आंख खुलने पर वे पीछे के दरवाजे से बाहर निकलकर भागे और अपनी जान बचाई। सूचना मिलने पर नोखा एसएचओ अमित कुमार, सीओ नोखा हिमांशु शर्मा मौके पर पहुंचे और पेट्रोल से भरी बाल्टी, छह जिलेटिन की डेटोनेटर लगी छड़ें बरामद हुई।

अणखीसर निवासी रामनिवास जाट की ओर से नोखा थाना पुलिस को दी गई रिपोर्ट में बताया गया है कि आज सुबह पांच बजे वह अपने परिवार के साथ घर में सो रहा था। अचानक खिड़की के पास से आग की लपटें उठने लगीं। पेट्रोल की गंध आ रही थी।

> ■ **घरवालों की आंख खुलने पर वे पीछे के दरवाजे से बाहर निकलकर भागे और अपनी जान बचाई**

घरवालों ने गेट खोलने की कोशिश की, लेकिन वे बाहर से लॉक थे। परिवार के लोग भागकर पीछे वाले गेट से बाहर निकले और अपनी जान बचाई। इस दौरान दो लोगों को मौके से भागते हुए देखा। आरोप है कि बहन कौशल्या की ससुराल पांचू में है। उसके पति रामस्वरूप कस्वां आर्मी में थे जिनका पिछले दिनों देहावसान हो गया था। रामस्वरूप का बड़ा भाई श्रीराम जो स्वयं भी आर्मी में है, लगातार जान से मारने की धमकी दे रहा था। उसका भाई मानाराम, ताराचंद और पिता मोटाराम ने बहन कौशल्या को आर्मी से मिलने वाले परिलाभों के कारण पूरे परिवार को आग लगाकर जिंदा जलाने की कोशिश की। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है। इत्तला मिलने पर नोखा एसएचओ अमित कुमार, सीओ नोखा हिमांशु शर्मा मौके पर पहुंचे। पुलिस को मौके से पेट्रोल से भरी बाल्टी, छह जिलेटिन की डेटोनेटर लगी छड़ें बरामद हुई।

कैलाशसिंह सान्दू, एएसपी ग्रामीण का कहना है कि मामले की गंभीरता को देखते हुए मौका-मुआयना किया है। आरोपियों के बारे में जानकारी जुटाई जा रही है। जिलेटिन की छड़ें, पेट्रोल मौके पर कौन लाया, आग लगाने की कौशिश किसने की और वारदात में कौन लोग शामिल थे, इसका पता लगाया जा रहा है।

कार पलटने से दो जने घायल हुये

बीकानेर, (निसं)। बीकानेर-नापासर मार्ग पर देर रात कार पलटने से दो जने घायल हो गए। घायलों के बारे में पुलिस को पुख्ता जानकारी नहीं मिल पाई है। गाड़ी नंबर के आधार पर पता लगाया जा रहा है। ये हादसा नापासर से बीकानेर आने वाले नेशनल हाइवे चौराहे पर हुआ है, जहां आमतौर पर सड़क हादसे होते रहते हैं।

आसपास रहने वालों ने बताया कि कार में दो युवक सवार थे। घटना के बाद पुलिस को सूचना दी गई लेकिन तब तक युवको को अस्पताल पहुंचाया जा चुका था। ऐसे में पुलिस को सुबह तक कार मालिक और कार में सवार युवकों के बारे में कोई जानकारी नहीं मिल पाई। अब कार नंबर के आधार पर घायलों का पता लगाया जा रहा है। वैसे दोनों युवकों के सुरक्षित होने की जानकारी दी गई है। घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस ने मौके पर पहुंचकर कार को किनारे करवाया। रास्ते को फिर से शुरू करवाया गया है। इसी चौराहे पर पिछले दिनों कार और ट्रक के बीच टक्कर हुई थी। इससे पहले बाइक सवार यहीं पर वाहन की चपेट में आए थे। ये चौराहा बहुत खतरनाक रूप ले चुका है। पिछले दिनों जिला कलेक्टर ने इस क्षेत्र का दौरा भी किया। जिसके बाद यातायात पुलिस ने दो ड्रम लगाकर जिम्मेदारी पूरी कर दी। हादसे इसके बाद भी हो रहे हैं। नापासर की तरफ ट्रेफिक पुलिस ने वाहनों को रोकने का प्रबंध किया लेकिन वो भी काम नहीं आया।

> ■ **स्पीड ब्रेकर के आगे पलट गई थी कार, घायलों का पता पुलिस लगा रही है**

दरगाह में शुक्राने की चादर पेश

अजमेर, (कासं)। ख्वाजा साहब के 813वें सालाना उर्स के शांतिपूर्वक संपन्न होने पर मंगलवार को जिला प्रशासन की ओर से संभागीय आयुक्त व पुलिस उपमहानिरीक्षक ने ख्वाजा गरीब नवाज की दरगाह में शुक्राने की चादर पेश कर देश, प्रदेश सहित शहर में अमन-चेन के लिए दुआ की। 813वां उर्स शांति पूर्व सम्पन्न होने पर संभागीय आयुक्त महेशचंद शर्मा और पुलिस उपमहानिरीक्षक ओमप्रकाश के नेतृत्व में जिला प्रशासन की ओर से ख्वाजा गरीब नवाज की दरगाह में शुक्राने की चादर पेश की गई। चादर का जुलूस दरगाह के निजाम गेट से शुरू हुआ और इसमें कव्वालों ने ख्वाजा साहब की शान में कव्वालियां पेश की। संभागीय आयुक्त महेशचन्द शर्मा ने कहा कि देश व प्रदेश के साथ अजमेर में अमन, चैन और शांति के लिए चादर पेश कर दुआ मांगी गई। दौरान पुलिस उपमहानिरीक्षक ओमप्रकाश सहित आला अधिकारी मौजूद रहे।

अजमेर/पुष्कर : मकर संक्रांति पर्व पर सात समुन्दर पार से आये विदेशी पर्यटक भी पतंग उड़ाने में पीछे नहीं रहे और विदेशी पर्यटकों ने अपनी होटलों से जमकर पतंगबाजी का लुफ्त उठाया। सात समुंदर पार से इजरायल के जॉन और दाना इन्वार मयान पुष्कर घूमने आये हैं। इन विदेशी पर्यटकों ने भी स्थानीय लोगों के साथ जमकर पतंगबाजी की और आनंदित हुए। पर्यटकों ने बताया कि पुष्कर में अनगिनत पतंगें आसमान में उड़ते देखकर अभिभूत हुए हैं।

डंपर की टक्कर से पुलिस की जीप पलटी

जोधपुर, (कासं)। शहर में पुलिस की चेतक को एक डंपर ने टक्कर मार दी। इससे चेतक में सवार ड्राइवर और हैड कांस्टेबल घायल हो गए। घटना 12 जनवरी की रात की है। इसको लेकर अब मामला दर्ज करवाया गया है।

बोरानाडा थाने में श्रवण कुमार विश्नोई ने रिपोर्ट दर्ज करवाई। बताया कि वह इमीग्रीन कंपनी की बोलेरो गाड़ी के ड्राइवर के तौर पर बोरानाडा थाने में तैनात है। गत 12 जनवरी को थाने से सुबह आठ बजे इंचार्ज हैड कांस्टेबल जयसिंह और महिला कांस्टेबल कमलेश के साथ थाना क्षेत्र में हमारी कंपनी का ड्राइवर ओमाराम ड्यूटी के लिए रवाना हुआ। उसने दिनभर बोरानाडा थाना क्षेत्र में ड्यूटी की। श्रवण कुमार ने बताया कि शाम आठ बजे वो खुद बोलेरो गाड़ी पर ड्यूटी के लिए आया था। शाम को हल्का क्षेत्र के गांव नारनाडी में नवकार धाम पर जैन समाज की ओर से आयोजित किया प्रोग्राम में ड्यूटी के लिए नवकार धाम से रवाना हुए थे। रात 10.30 बजे शिव शक्ति पेट्रोल पंप के पास पहुंचे। तभी पीछे से डंपर चालक गायड़राम ने डंपर को तेज स्पीड में चलते हुए उनकी गाड़ी को टक्कर मार दी। इसके चलते बोलेरो सड़क से उतरकर करीब चार पलटी खाते हुए उल्टी गिर गई। उस गाड़ी में सवार इंचार्ज हैड कांस्टेबल जय सिंह के सिर में और शरीर पर अंदरूनी चोटें आई। आसपास के लोगों ने हादसे के बाद उन्हें संभाला और एम्बुलेंस के माध्यम से मथुरादास माथुर अस्पताल में इलाज के लिए पहुंचाया। हादसे में बोलेरो पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई।

> ■ **हैड कांस्टेबल व चालक घायल**

प्रयागराज महाकुंभ में कोटा के युवक की मौत

कोटा, (निसं)। कोटा से मित्र के साथ प्रयागराज महाकुंभ मेले में गये कोटा निवासी युवक की मौत हो गई। मृतक कोटा के नया नोहरा में नीलकंठ अपार्टमेंट निवासी सुर्दशन सिंह (47) था। जानकारी के अनुसार सुर्दशन और उसका मित्र दोनों शाही स्नान के लिये पैदल जा रहे थे। उसी दौरान अचानक तबीयत बिगड़ने से कोटा निवासी सुर्दशन की मौत हो गई। प्रयागराज गये उसके दोस्त प्रतीक नंदवाना ने फोन पर बताया कि 12 जनवरी को कोटा से प्रयागराज के लिये रवाना हुए थे। जानकारी के अनुसार मंगलवार सुबह दोनों अमृत स्नान (शाही स्नान) के लिये जा रहे थे, डमरू द्वार के पास सुर्दशन को घबराहट हुई जिस पर उसने थोड़ी देर आराम करने की बात कही और वह वहीं लेट गया उसको वहां उल्टी हुई और थोड़ी देर में ही उसकी मौत हो गई। सूचना पर प्रयागराज महाकुंभ मेले की पुलिस मौके पर पहुंची और मृतक के शव को पोस्टमार्टम रूम में रखवा दिया। मृतक के मित्र व प्रशासन ने इसकी जानकारी कोटा में रहने वाली मृतक की बहनों को दी। कोटा में युवक की मौत की सूचना मिलने के बाद मृतक के परिजन व रिशतेदार एवं मित्र मंगलवार रात्रि को प्रयागराज के लिये रवाना हुए।

फायरिंग करने वाले दो युवक हथियार समेत गिरफ्तार

बीकानेर, (निसं)। कोलायत के हदां थाना क्षेत्र में पिछले दिनों हुई फायरिंग के मामले में पुलिस ने दो जनों को गिरफ्तार कर लिया है। इन दोनों के खिलाफ अब आर्म्स एक्ट के तहत कार्रवाई की जा रही है। दोनों को गिरफ्तारी के बाद हथियार बरामद करने और इन्हें बेचने वाले का पता लगाया जा रहा है।

हदां थाना क्षेत्र के गांव खारिया मल्लिनाथ में पंचायत भवन के आगे निर्माणाधीन मकान के पास आकर कुछ लोगों ने धमकी दी थी। फिर मकान के पास पहुंचकर दहशत फैलाते हुए जान से मारने की नीयत से फायरिंग कर दी थी। इसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची लेकिन फायरिंग करने वाले युवक वहां से फरार हो गए। पुलिस में मामला दर्ज होने के बाद पुलिस अधीक्षक कावेंद्र सिंह सागर ने फायरिंग करने वालों को गिरफ्तार करने के निर्देश दिए। इस पर पुलिस ने जगदीश प्रसाद व रामदयाल को हिरासत में लेकर पूछताछ की। बाद में इन दोनों को गिरफ्तार किया गया। इनमें जगदीश प्रसाद बिश्नोई निवासी जम्भेश्वर मोहल्ला खारिया मल्लिनाथ और रामदयाल बिश्नोई निवासी खारिया मल्लिनाथ शामिल है। कार्रवाई करने वाली टीम में उप निरीक्षक ओमप्रकाश सुथार, एएसआई रामस्वरूप, हेड कांस्टेबल प्रकाश चंद, धर्मेंद्र, कांस्टेबल राणाराम, निर्मल और राम सिंह शामिल है।

ग्राम आंवा में खेला गया दड़ा

टोंक, (निसं)। परम्परागत रूप से खेला जा रहा खेल दड़ा मकर संक्रांति को टोंक जिले के दूनी उपखण्ड के ग्राम आंवा में खेला गया।

विरासतकाल से खेला जाने वाला यह दड़ा खेल जिसमें क्षेत्र के 12 गावं के ग्रामीण दूनी में जुटते हैं। दड़ा एक प्रकार से गेंद के आकार का एक गोला होता है, जिसको पुरानी बोरीयां, टाट आदि को गोल आकार में बांधकर कुछ समय पूर्व ही पानी में डाल दिया जाता है, जिससे वी पानी में भीगकर लगभग 80 किलो का हो जाता है। जिसे गोपाल भगवान चौक से प्रारम्भ किया जाता है, इस खेल की शुरूआत राज परिवार से जुड़े सदस्य व गांव के मुखिया इसको ठोकर मारकर गेंद की शुरूआत करते हैं। इस खेल में यह दड़ा चौक में ही रह जाता है तो परम्परागत आस्था के अनुसार इस स्थिति को क्षेत्र में सामान्यकाल का संकेत माना जाता है, वहीं दड़ा दूनी दरवाजे की ओर जाता है तो यह आगामी आने वाले समय को सुकाल का संकेत देता है, अगर दड़ा अखनिया दरवाजे की ओर चला जाता है तो इसे प्रदेश में अकाल का संकेत माना जाता है। इस वर्ष क्योंकि दड़ा चौक में ही रहा इसलिए आने वाले समय को सामान्यकाल का समय ही माना जायेगा।

जोधपुर हाईकोर्ट से भी आसाराम को अंतरिम जमानत मिली

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर की सेंट्रल जेल में आजीवन कारावास की सजा काट रहे आसाराम बापू को सुप्रीम कोर्ट के बाद अब राजस्थान हाईकोर्ट से भी अंतरिम जमानत मिल गई है। आसाराम बापू की ओर से सजा स्थगन व जमानत के लिए पेश याचिका पर सुनवाई हुई। याचिका पर सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट ने मेडिकल ग्राउंड पर आसाराम को 31 मार्च तक अंतरिम जमानत दी है।

मंगलवार को जस्टिस दिनेश मेहता और जस्टिस विनीत कुमार माथुर की खंडपीठ के आदेशानुसार आसाराम बापू 31 मार्च 2025 तक जेल से बाहर रहकर अपना इलाज करवा सकेंगे। इस दौरान आसाराम को अपने किसी भी अनुयायी से मिलने की अनुमति नहीं होगी। ना ही वे मीडिया में कोई बयान जारी कर सकेंगे। पूरे 24 घंटे वह तीन पुलिसकर्मियों की निगरानी में रहकर अपना इलाज पूरा करवा सकेंगे, जिसका खर्चा आसाराम बापू को उठाना होगा।

> ■ **आसाराम को 31 मार्च तक अंतरिम जमानत दी**

आसाराम के वकील आरएस सलूजा ने गत आठ जनवरी को हाईकोर्ट में अंतरिम जमानत के लिए यह अर्जी दाखिल की थी, जिस पर आज फैसला आया है। आसाराम को कई तरह की स्वास्थ्य समस्याएं हैं, जिसमें हृदय रोग सबसे अहम है। सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस एमएम सुंदरेश और राजेश बिंदल की बेंच ने इसी को आधार मानते हुए अंतरित जमानत मंजूर की थी। अब सुप्रीम कोर्ट से मिली जमानत की शर्तों पर राजस्थान हाईकोर्ट ने भी आसाराम बापू को अंतरिम जमानत दे दी है।

डोडा-पोस्त का प्लांट पकड़ा

जोधपुर, (कासं)। मादक पदार्थ तस्कर को पकड़ने के लिए गई जोधपुर ग्रामीण पुलिस की विशेष टीम ने डोडा-पोस्त का प्लांट पकड़ा है। मौके पर 64 किलो डोडा-पोस्त बरामद किया गया। मौके से डोडा-पोस्त की पैकिंग करने का सामान भी जब्त किया गया है।

जिला विशेष टीम के प्रभारी अमानाराम ने बताया कि टीम सुबह ओसियां थाने में दर्ज एनडीपीएस एक्ट के मामले में फरार आरोपी गिरधारी राम जाट निवासी रातानिया की ढाणी ओसियां को पकड़ने के लिए गई थी। उसकी तलाश में टीम ने धोरों में एक जगह पर दबिश दी। हालांकि वहां पर आरोपी नहीं मिला लेकिन तलाशी के दौरान अवैध मादक पदार्थ डोडा का एक पूरा प्लांट मिला, जिसमें डोडा पीसने की चक्की लगाई हुई थी। इसके अलावा मादक पदार्थ पैकिंग के लिए प्लास्टिक की थैलियां भी बरामद की गई। मौके से 64 किलो डोडा पोस्तजब्त किया गया। जबकि तोलने के लिए रखे गए इलेक्ट्रॉनिक कांटे, पैकिंग की टेप, मशीन और डोडा-पोस्त रखने के ड्रम भी बरामद किए गए। प्रारंभिक पड़ताल में सामने आया कि इन डोडा-पोस्त को प्लांट में पीसकर आस-पास की जगह पर सप्लाई किया जाता था। हालांकि आरोपी के पकड़ में आने के बाद इसका खुलासा हो सकेगा कि इन डोडा को कहां से लाया जाता था और किन-किन जगहों पर सप्लाई किया जाता था।

नाबालिग बच्ची से छेड़छाड़

जोधपुर, (कासं)। जिले में नौ साल की बच्ची से अश्लील हरकतें करने का मामला पुलिस थाने में दर्ज हुआ है। बदमाश ने शौच के लिए गई बच्ची से गंदी हरकत की। बच्ची ने घर लौटकर इसकी जानकारी अपने मां-पिता को दी। पुलिस ने पॉक्सो एक्ट में केस दर्ज किया है। आरोपी की तलाश की जा रही है। फिलहाल वह गिरफ्तार नहीं हुआ है।

राजकार्य में बाधा पहुंचाने वाला गिरफ्तार

जैसलमेर, (नि.सं.)। जिले के लखमणों की बस्ती के धोरों के पास अवैध पैरासिलिंग व पैरा मोटररिंग की रोकथाम करने गए तहसीलदार गजानंद मीणा एवं भू अभिलेख निरीक्षक सम व ड्राईवर के साथ धक्का- मुक्की करने का मामला सम थाना में दर्ज हुआ है। कार्यवाही करते हुए मुल्जिम बसंत खां मुसलमान निवासी लखमणो की बस्ती को दस्तयाब कर बाद पूछताछ गिरफ्तार किया। पुलिस अधीक्षक सुधीर चौधरी के अनुसार तहसीलदार राजकीय वाहन के साथ खड़े थे कि वहां धोरों के पास दो पैरा मोटर उड़ने लगे। तब राजकीय वाहन के साथ पीछा करने लगे तो चालकों ने पैरा मोटर नीचे उतारकर पास ही रिसोर्ट में लेकर भागे, तब अधिकारियों ने भी पीछे भागकर मोटर की छतरियों को पकड़ लिया व सरकारी वाहन में रखने लगे।

मांझे से बाइक सवार पति-पत्नी की अंगुली कटी

पाली, (नि.सं.)। पाली में मकर संक्रांति पर पतंग के मांझे के कारण चार जने घायल हो गए, जिन्हें उपचार के लिए पाली के बांगड़ हॉस्पिटल लाया गया। गनीमत रही कि किसी को भी गंभीर चोट नहीं लगी।

जानकारी के अनुसार मंगलवार दोपहर को पाली के सरदार पटेल नगर निवासी महेंद्र पुत्र हुकमाराम रेगर अपनी पत्नी रेखा देवी के साथ बाइक से सूरजपोल की तरफ आ रहा था। इस दौरान ओवरब्रिज पर पतंग का मांझा उनसे उलझ गया। गले को नुकसान न पहुंचे इसलिए दोनों पति-पत्नी ने हाथ से मांझे को हटाने का प्रयास किया लेकिन मांझे के कारण दोनों घायल हो गए। महेंद्र के हाथ की दो अंगुलियां कट गई वहीं रेखा देवी हाथ की एक अंगुली कट गई। दोनों को उपचार के लिए पाली के बांगड़ हॉस्पिटल लाया गया। जहां उपचार के बाद उन्हें छुट्टी दे दी गई।

वहीं पाली शहर के अम्बेडकर नगर में पतंग कटने के दौरान पतंग का मांझा 20 साल की सरोज पुत्री चम्पालाल एकत्रित कर रही थी। इस दौरान किसी ने मांझा खींच लिया, जिससे उसके हाथ की अंगुली में कट लग गया। इलाज के लिए उसे पाली के बांगड़ हॉस्पिटल लाया गया। जहां से प्राथमिक उपचार के बाद उसे छुट्टी दे दी गई। वहीं पाली के निकट चोटिला गांव में 10 साल का चिंटू कमान की छत पर पतंग उड़ा रहा था। इस दौरान पतंग उड़ाते-उड़ाते उसका पैर फिसल गया और वह मकान की सीढ़ियों से होते हुए नीचे गिर गया। हादसे में उसके सिर और चेहरे पर चोट आई। इलाज के लिए उसे पाली के बांगड़ हॉस्पिटल परिजन लेकर पहुंचे। जिसका उपचार कर छुट्टी दे दी गई।

सड़क हादसे में खिलाड़ी की मौत

बीकानेर, (निसं)। जिले के नोखा थाना क्षेत्र में एक सड़क हादसे में कबड्डी खिलाड़ी की मौत हो गई, जबकि पांच अन्य खिलाड़ी घायल हो गए। घटना थाना क्षेत्र के अणखीसर गांव के पास की है, जहां स्कॉर्पियो गाड़ी के आगे पशु आने से वह बेकाबू होकर पलट गई। हादसे में अभिषेक जाट निवासी जोधपुर की मौत हो गई। सभी युवक कबड्डी मैच खेलने जा रहे थे। हादसे में गाड़ी में सवार अन्य पांच लोगों को मामूली चोटें आईं।

अजमेर जेएलएन अस्पताल का 100 वर्षों की जरुरतों को लेकर मास्टर प्लान तैयार होगा

अजमेर, (कासं)। संभाग के सबसे बड़े जवाहरलाल नेहरू अस्पताल का आगामी 100 वर्षों की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए मास्टर प्लान तैयार किया जाएगा। मंगलवार को चिकित्सा विभाग के शासन सचिव अम्बरीश कुमार ने जवाहरलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज के सभागार में आयोजित बैठक में चिकित्सा अधिकारियों को दिशा-निर्देश दिए, इसके साथ ही आर्किटेक्चर फर्म को नियुक्त किया गया।

चिकित्सा शिक्षा सचिव अम्बीरश कुमार ने जवाहरलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज के सभागार में अधिकारियों की बैठक ली।

चिकित्सा विभाग के शासन सचिव अम्बीरश कुमार ने चिकित्सा अधिकारियों की बैठक में निर्णय लिया कि अस्पताल में मल्टीस्टोरी बिल्डिंग का निर्माण कराया जाएगा, इसके लिए आर्किटेक्चर फर्म को नियुक्त कर लिया गया है, जो 2500 बैड की क्षमता को आधार मानते हुए मास्टर प्लान करेगी। अस्पताल परिसर में स्थित 44 एकड़ जमीन के उपयोग पर विस्तार से चर्चा हुई। इस जमीन का समुचित उपयोग सुनिश्चित करने के लिए विभिन्न विभागों को अपनी-अपनी विस्तृत योजनाएं पेश करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अस्पताल के पास शहर के बीचों-बीच काफी भूमि उपलब्ध है जिसका उपयोग किया जाना चाहिए। वर्तमान में अस्पताल छोटे-छोटे टुकड़ों में बना है जो पर्याप्त नहीं है। वर्तमान की परिस्थितियों को मद्देनजर रखते हुए ही इस मल्टीस्टोरी बिल्डिंग का निर्माण किया जाएगा, ताकि सभी विभागों को उपयुक्त भवन मिल और एक-दूसरे से कनेक्टिवीटी बनी रहे। अम्बीरश कुमार ने जेएलएन अस्पताल में बन रहे सुपर स्पेशियलिटी ब्लॉक का फीडबैक भी लिया। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री बजट घोषणा के तहत दो सौ करोड़ की लागत से इस ब्लॉक का निर्माण किया जाना प्रस्तावित है। टीबी अस्पताल की भूमि को भी अधिग्रहित कर सुपर स्टेशिलिटी ब्लॉक का निर्माण किया जाएगा। उन्होंने मेडिकल कॉलेज प्राचार्य को निर्देश दिए कि इस ब्लॉक को लेकर तत्काल ड्रॉइंग तैयार की जाए ताकि जल्द निर्माण शुरू हो सके।

> ■ **आर्किटेक्चर फर्म नियुक्त, चिकित्सा विभाग के शासन सचिव ने बैठक ली**
>
> ■ **2500 बैड क्षमता आधार वाली मल्टीस्टोरी बिल्डिंग तैयार होगी, विभागाध्यक्ष भी रिनोवेशन करवा सकेंगे**

अम्बीरश कुमार ने बताया कि बैठक में निर्णय लिया गया कि अस्पताल के विभागाध्यक्ष अपने स्तर पर वार्डों का मेंटेनेंस करवा सकेंगे। इससे मरीजों और अस्पताल कर्मचारियों को बेहतर सुविधाएं मुहैया हो सकेंगी, उन्होंने कहा कि छोटे छोटे रिनोवेशन के लिए इंतजार करने के बजाए विभागाध्यक्ष अपने स्तर पर प्रपोजल तैयार कर खुद की देखरेख में कार्य करवा सकेंगे।

अम्बीरश कुमार ने बताया कि सौ साल के मास्टर प्लान के मद्देनजर बनने वाले नए भवन के निर्माण कार्य के लिए प्रस्तावित बजट राज्य सरकार, भामाशाह और कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी (सीएसआर) के तहत इंतजाम किया जाएगा। उन्होंने कहा कि सभी विभागाध्यक्षों से उनके विभाग में यूजी और पीजी की सीटों सहित आवश्यक बजट की प्लानिंग मांगी गई है, ताकि वित्तीय विभाग को प्रपोजल को भेजकर बजट स्वीकृत कराया जा सके। बैठक में जेएलएन मेडिकल कॉलेज प्राचार्य डॉ. अनिल सामरिया, अधीक्षक डॉ. अरविंद खरे सहित सभी विभागाध्यक्ष मौजूद रहे।

बाइक चोरी का खुलासा, दो गिरफ्तार

अनूपगढ़, (निसं)। रामसिंहपुर पुलिस ने बाइक चोरी के मामले में बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से चोरी की तीन बाइक बरामद की हैं।

रामसिंहपुर थाना प्रभारी सुमन परिहार के अनुसार मामला 9 जनवरी को सामने आया, जब चक 3 डीएसएम निवासी मांगीलाल सुथार ने शिकायत दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया कि 4 जनवरी को बिंदी कटला की गली नंबर 3 में स्थित उनकी दुकान के सामने से उनकी प्लेटिना बाइक चोरी हो गई थी। पीड़ित को किसी जानकार से सूचना मिली थी कि उनकी बाइक को 56 जीबी के रहने वाले अजय नायक और एक अन्य युवक ले जा रहे थे। पुलिस ने मुखबिर की सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए 56 जीबी निवासी अजय नायक (22) और श्रीगंगानगर की साधु कॉलोनी निवासी राहुल (19) को गिरफ्तार किया। पुलिस की इस सफल कार्रवाई में एसएचओ सुमन परिहार के नेतृत्व में हेड कॉन्स्टेबल सुखवीर सिंह, कॉन्स्टेबल अरविंद कुमार और कॉन्स्टेबल राकेश की टीम ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

टेस्ट क्रिकेट में 10000 रन पूरे करना अलग ही बात है और भारत के खिलाफ उनके दिमाग में यह आंकड़ा घूमता रहा।
- स्टीव स्मिथ

ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी, भारतीय खिलाड़ियों के बारे में बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

नारायण कार्तिकेयन

फ़ॉर्मूला वन रेसिंग और भारत का नाम जब भी साथ में लेने पर लोगों की जवान पर सबसे पहला नाम नारायण कार्तिकेयन का ही आता है। कार्तिकेयन भारत के एकमात्र फॉर्म्यूला वन रेसर थे। उन्होंने 2005 में जॉर्डन टीम के साथ ऑस्ट्रेलियन ग्रैंड प्री से अपने फॉर्म्यूला वन करियर की शुरुआत की थी। नारायण के पिता जी.आर. कार्तिकेयन पूर्व भारतीय राष्ट्रीय रैली चैंपियन हैं। इसी वजह से नारायण की कार रेसिंग गेम्स में बचपन से ही दिलचस्पी थी। उन्होंने बचपन से ही भारत का प्रथम फार्मूला वन ड्राइवर बनने का सपना देखा हुआ था जो उन्होंने सिर्फ 16 साल की उम्र में पूरा कर लिया।

क्या आप जानते हैं ?... गॉड ऑफ सचिन तेंदुलकर के 100 इंटरनेशनल शतक हों या ब्रायन लारा की एक पारी में 400 रन का रिकॉर्ड, जिन्हें क्रिकेट की दुनिया का महारिकॉर्ड कहा जाता है।

रोहित जाएंगे पाकिस्तान ?

नई दिल्ली, 14 जनवरी। चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में मैच खेलने के लिए भारतीय टीम पाकिस्तान नहीं जाएगी। भारतीय टीम ने सुरक्षा कारणों से पाकिस्तान जाने से मना कर दिया है। ऐसे में भारत के मैच दुबई में होंगे। हालांकि, भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा को पाकिस्तान जाना पड़ सकता है। चैंपियंस ट्रॉफी 2025 से पहले फोटोशूट के लिए उन्हें पाकिस्तान जाना पड़ा सकता है। आमतौर पर इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल के किसी भी टूर्नामेंट से पहले मेजबान देश सभी कप्तानों की मौजूदगी में एक इवेंट आयोजित करता है। इस कार्यक्रम में सभी कप्तानों का फोटोशूट और एक प्रेस कॉन्फ्रेंस होता है। इस दौरान कप्तान टूर्नामेंट से अपनी उम्मीदों के बारे में बात करते हैं। आगामी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के लिए सभी आठ देशों के कप्तान आईसीसी द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में हिस्सा लेंगे। रोहित के पाकिस्तान जाने की संभावनाओं पर आधिकारिक घोषणा अभी बाकी है। बीसीसीआई की ओर से अभी तक इस पर कोई बयान नहीं आया है। बोर्ड से बयान आने पर ही कुछ साफ होगा। चैंपियंस ट्रॉफी 2025 की शुरुआत 19 फरवरी को होगी। जब मेजबान पाकिस्तान टूर्नामेंट के शुरुआती मुकाबले के लिए न्यूजीलैंड से भिड़ेगा। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड इस मेगा इवेंट की मेजबानी कर रहा है। जहां भारतीय अपने सभी मैच दुबई में खेलेगा और बाकी मैच मेजबान देश में खेले जाएंगे।

सोशल मीडिया अकाउंट पर राष्ट्रीय खेलों का लोगों लगाने को धामी का आग्रह

देहरादून, 14 जनवरी। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने राष्ट्रीय खेलों को लेकर चल रही तैयारी के बीच, मंगलवार को राज्य में प्रदेशवासियों से सामूहिक रूप से देवभूमि आ रहे खिलाड़ियों के स्वागत में विभिन्न सोशल मीडिया अकाउंट्स की डीपी पर राष्ट्रीय खेलों का लोगो लगाए जाने का आग्रह किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य को राष्ट्रीय खेलों की मेजबानी करने का जो गौरव प्राप्त हुआ है, वो ऐतिहासिक है। आगामी राष्ट्रीय खलों में देशभर के विभिन्न राज्यों से लगभग 10,000 खिलाड़ी देवभूमि आ रहे हैं। धामी ने जनता से निवेदन करते हुए कहा कि हमारी 'अतिथि देवो भव:' की संस्कृति का पालन करते हुए, सभी खिलाड़ियों का गर्मजोशी से स्वागत करना है और उनके उत्साहवर्धन हेतु अपने सोशल मीडिया अकाउंट्स की डीपी पर राष्ट्रीय खेलों का लोगो लगाना है। उन्होंने कहा कि राज्य की जनता सामूहिक तौर पर सभी खिलाड़ियों का स्वागत करेगी। सभी ने मिलकर आगामी राष्ट्रीय खेलों को विशेष और ऐतिहासिक बनाना है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारा यह कर्तव्य है कि देवभूमि आ रहे खिलाड़ी, हमारे राज्य से बेहतर यादें और अनुभव लेकर जाएं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कथन 21वीं सदी का तीसरा दशक उत्तराखंड का दशक बनाए जाने के संकल्प में राष्ट्रीय खेल भी सहायक सद्ध होंगे।

निकी अंडर-19 महिला टी-20 विश्वकप खिताब जीतने को लेकर आश्वस्त

कुआलालंपुर, 14 जनवरी। भारत की अंडर-19 महिला क्रिकेट टीम की कप्तान निकी प्रसाद ने कहा कि टीम मलेशिया में होने वाले आईसीसी अंडर-19 महिला टी-20 विश्वकप 2025 में हम शानदार प्रदर्शन करते हुए खिताब जीतने को लेकर पूरी तरह से आश्वस्त हैं। निकी ने कुआलालंपुर के प्रतिष्ठित पेट्रोनास ट्विन टावर्स में कैप्टन्स डे पर 16 अन्य टीमों के कप्तानों के साथ ट्रॉफी के साथ फोटो खिंचवाये जाने के दौरान यह बात कही। उन्होंने कहा, ट्रॉफी को देखते हुए मैं अपने साथियों के साथ 2023 में भारतीय टीम द्वारा जीती गई ट्रॉफी को इस बार फिर से पाने के लिए उत्साहित हूं। उन्होंने कहा, कैप्टन्स डे पर आना और अन्य 15 कप्तानों से मिलना एक शानदार अनुभव था, और कुआलालंपुर में टावरों के सामने ऐसा करना इसे और भी खास बनाता है। इस दौरान टूर्नामेंट में पदार्पण करने जा रहे समाओ की टीम की कप्तान एवेटिया फेटू मापू ने इस विस्मयकारी क्षण और ऐतिहासिक आयोजन का हिस्सा बनने पर खुशी जाहिर की। मापू ने कहा, यह एक अच्छी मुलाकात थी, अन्य लड़कियों से मिलना अविश्वसनीय रहा। मेरा दबाव थोड़ा कम हुआ। उन्होंने कहा कि यह अनुभव अच्छा था। यह सभा 18 जनवरी को शुरू होने वाले ग्रुप स्टेज मैचों से पहले सभी 16 कप्तानों के लिए एक जगह पर एकत्रित होने का एकमात्र अवसर था। टूर्नामेंट में 41 मैच खेले जायेंगे। प्रत्येक समूह से शीर्ष तीन टीमें सुपर सिक्स चरण में जायेंगी। ग्रुप मैचों से प्राप्त अंकों के आधार पर टीमें सेमीफाइनल में प्रवेश करेंगी। प्रत्येक सुपर सिक्स समूह से शीर्ष दो टीमें पहले स्थान पायेंगी।प्रतियोगिता का फाइनल मुकाबला दो फरवरी को होगा।

बीसीसीआई लगा सकता है खिलाड़ी और कोच पर कई पाबंदियां

नई दिल्ली, 14 जनवरी। बीसीसीआई इंग्लैंड के खिलाफ करीब दो महीने लंबी टेस्ट सीरीज से पहले कुछ नए और पुराने नियमों को लागू कर सकती है। इंडिया टुडे की रिपोर्ट के मुताबिक, इनमें सबसे कड़ी पाबंदी खिलाड़ियों के लिए ये है कि वे अपने परिवार को 45 दिन या इससे ज्यादा लंबे टूर्नामेंट या सीरीज के दौरान साथ नहीं रख सकते। ज्यादा से ज्यादा दो सप्ताह ही पत्नी या परिवार खिलाड़ियों के साथ रह सकता है। अगर दौरा या इवेंट छोटा है तो परिवार और पार्टनर सात दिन से ज्यादा सेम होटल में नहीं ठहरेगा।

बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के दौरान बल्लेबाज विराट कोहली और तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह एक शहर से दूसरे शहर टीम बस की बजाय अलग-अलग वाहनों से यात्रा करते थे। इसके अलावा ज्यादातर समय टीम होटल से स्टेडियम जाने के लिए भी वे टीम बस का सहारा कम लेते थे। इन्हीं कुछ मामलों को देखते हुए बीसीसीआई सभी के लिए ये नियम लागू करने जा रही है कि सभी खिलाड़ी एक साथ टीम बस में ही ट्रेवल करेंगे। एक रिपोर्ट में तो ये भी कहा गया है कि पर्थ में मिली ऐतिहासिक जीत को भारतीय टीम ने साथ में सेलिब्रेट तक नहीं किया।

इसके अलावा बोर्ड ने अब सभी को ये स्पष्ट कर दिया है कि सभी खिलाड़ी टीम बस में यात्रा करेंगे इससे टीम में एकता आएगी। कोई भी बड़ा खिलाड़ी अगल से ट्रेवल नहीं करेगा। इसके अलावा टीम के हेड का निजी मैनेजर टीम बस या टीम के पीछे चलने वाली बस में ट्रेवल नहीं कर सकता और उसे वीआईपी बॉक्स की सुविधाएं भी प्रदान नहीं की जाएंगी। इसके अतिरिक्त खिलाड़ियों पर अब ये भी पाबंदी लगाए जाने पर विचार है कि 150 किलो से ज्यादा सामान अगर वे फ्लाइट में ले जाते हैं तो इसका पैसा उनको खुद भरना होगा।

बीसीसीआई द्वारा सुझाए गए नियम

- अगर टूर्नामेंट या सीरीज 45 या उससे ज्यादा दिनों तक चलती है तो परिवार को खिलाड़ियों के साथ सिर्फ 14 दिन रहने की इजाजत होगी। पूरे टूर्नामेंट या सीरीज में पत्नियां भी खिलाड़ियों के साथ नहीं रहेंगी।
- अगर कोई टूर 45 या इससे कम दिनों का है तो 7 दिन ही खिलाड़ी अपने परिवार को साथ रख सकता है।
- सभी खिलाड़ियों को टीम बस में यात्रा करनी होगी।
- मुख्य कोच का निजी मैनेजर नहीं करेगा टीम बस में यात्रा। वीआईपी बॉक्स की भी नहीं होगी इजाजत।
- अगर खिलाड़ियों का सामना 150 किलो से ज्यादा है तो बोर्ड अतिरिक्त सामान शुल्क नहीं देगा।

बुमराह ने जीता आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ अवॉर्ड

नई दिल्ली, 14 जनवरी। आईसीसी ने मंगलवार को दिसंबर 2024 महीने के आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ विनर का ऐलान कर दिया है। इस कड़ी में भारत के स्टार तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को पुरुष वर्ग में महीने का बेस्ट खिलाड़ी चुना गया है। बुमराह ने इस मामले में पैट कंमिस और दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाज डेन पेटरसन को पछाड़कर आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ अवॉर्ड जीता है। उन्होंने दूसरी बार ये अवॉर्ड जीतने का कारनामा किया है। बुमराह ने ऑस्ट्रेलिया दौरे पर घातक गेंदबाजी की थी। उन्होंने दिसंबर में तीन टेस्ट में 14.22 के औसत से 22 विकेट चटकाए। उन्होंने चौथे और पांचवें मैच में 9-9 विकेट अपने नाम किए हैं। बुमराह ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पांच मैचों की बीजीटी में कुल 32 विकेट चटकाए। वह पीठ की जकड़न के कारण सिडनी में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अंतिम टेस्ट में दूसरी पारी में गेंदबाजी नहीं कर पाए थे। उन्हें प्लेयर ऑफ द सीरीज चुना गया था। भारत ने कमिंस की अगुवाई वाली टीम के हाथों 1-3 से सीरीज गंवाई। वहीं बुमराह ने कहा कि मैं दिसंबर महीने का आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ चुने जाने पर रोमांचित हूं। व्यक्तिगत पुरस्कारों के लिए चुना जाना सदैव विनम्र करने वाला होता है। बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी अब तक की सबसे कड़ी प्रतिस्पर्धाओं में से एक थी। मेरे लिए ऑस्ट्रेलिया में जाकर अपने देश के लिए प्रदर्शन करना सम्मान की बात थी।

अब मैच हारने पर होगी खिलाड़ियों की जेब ढीली

नई दिल्ली, 14 जनवरी। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट सीरीज में भारत की हार से भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड काफी नाराज है। हाल में हुई बैठक में कई अहम मुद्दों पर चर्चा की गई जिसमें टेस्ट क्रिकेट की अहमियत को बढ़ाने को लेकर भी बात हुई। वहीं बीसीसीआई चाहता है कि खिलाड़ी हार की जिम्मेदारी लें जिस कारण बोर्ड इस पर बड़ा फैसला ले सकता है।बोर्ड ने फैसला किया है कि अब टीम की हार का असर खिलाड़ियों की जेब पर भी होगा।

बैठक में सुझाव दिया गया कि खिलाड़ी को अपने प्रदर्शन और हार की जिम्मेदारी लेनी होगी। अगर किसी का प्रदर्शन उम्मीद के मुताबिक नहीं होगा तो उनकी सैलरी में कटौती होगी। बोर्ड के अनुसार खिलाड़ी इससे और जिम्मेदार होंगे। भारतीय टीम को बीते साल न्यूजीलैंड के खिलाफ अपने घर पर ही टेस्ट सीरीज में 0-3 से हार का सामना करना पड़ा। इसके बाद जब टीम ऑस्ट्रेलिया गई तो वहां भी सीरीज 1-3 से हारी। इस सीरीज में टीम के कई स्टार बल्लेबाज रन नहीं बना पाए।

पिछले साल टेस्ट क्रिकेट की लोकप्रियता बढ़ाने के लिए उन्होंने बड़ा फैसला किया था। बीसीसीआई ने साल में टेस्ट मैच खेलने वाले खिलाड़ियों के लिए इनसेंटिव देने का फैसला किया था। इसके मुताबिक जो खिलाड़ी सीजन के 50 प्रतिशत से ज्यादा मैच खेलते हैं तो उन्हें हर मैच के लिए 30 लाख रुपये का इनसेंटिव दिया जाएगा। ऐसे ही 75 प्रतिशत टेस्ट खेलने वालों को 4 लाख रुपये प्रति मैच रुपये दिए जाएंगे। उनकी कोशिश थी कि पैसों के कारण टी20 लीग की और आकर्षित हो रहे युवा खिलाड़ी टेस्ट की अहमियत भी समझें। बोर्ड ने बैठक में चर्चा की कि, खिलाड़ियों का टेस्ट मैच को खेलने के लिए इच्छाशक्ति यानी इंटेंट कम हो रहा है। उन्हें टीम की हार से फर्क नहीं पड़ रहा है। खिलाड़ी टेस्ट की जगह लीग्स को तवज्जो देने लगे हैं। बोर्ड ऐसा नहीं चाहता है।

सिंधु, चिराग-सात्विक ने जीत के साथ की शुरुआत

नई दिल्ली, 14 जनवरी। भारत की बैडमिंटन स्टार पीवी सिंधु ने मंगलवार को इंडिया ओपन 2025 बैडमिंटन टूर्नामेंट में महिला एकल इवेंट में चीनी ताइपे की शुओ युन सुंग को हराकर इस सीजन की शुरुआत की। आज यहां खेले गये मुकाबले में पीवी सिंधु ने अपनी विश्व नंबर 24 प्रतिद्वंद्वी को 51 मिनट में 21-14, 22-20 से हराया।

दो बार की ओलंपिक पदक विजेता ने पहले गेम में आसानी से जीत हासिल की, लेकिन दूसरे गेम में उन्हें कड़ी मेहनत करनी पड़ी। वह एक समय 17-19 से पिछड़ रही थीं। सिंधु ने वापसी की और स्कोर 20-20 पर बराबर किया, फिर टाई-ब्रेकर में जीत दर्ज करते हुए उन्होंने मुकाबले को 21-14, 22-20 से अपने नाम किया। सिंधु अगले राउंड में मुकाबला जापान की मनामी सुइज से होगा। पुरुषों की युगल जोड़ी सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी-चिराग शेट्टी ने मलेशिया के मैन वे चोंग-टी काई वुन के खिलाफ राउंड ऑफ 32 मुकाबले में 23-21, 19-21, 21-16 से जीत हासिल की। भारतीय जोड़ी ने पहला गेम टाई-ब्रेकर में जीता, इसके बाद मैन वे चोंग-टी काई वुन ने दूसरे गेम में वापसी की और मुकाबले को तीसरे गेम तक ले गए। तीसरे गेम में भी कड़ी टक्कर देखने को मिली, लेकिन सात्विक और चिराग ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 23-21, 19-21, 21-16 से जीत हासिल की।

किरण जॉर्ज ने पहले राउंड में कड़ी मेहनत से जीत हासिल की। जापान के युशी तनाका के खिलाफ खेलते हुए, किरण जॉर्ज ने पहले गेम में जीत हासिल की, लेकिन दूसरे गेम में हार गए। मैच का तीसरा और निर्णायक गेम बेहद ही रोचक रहा।

भारतीय खिलाड़ी ने आखिर में चार मैच प्वाइंट बचाए और 21-19, 14-21, 27-25 से जीत हासिल की। भारत के दूसरे पुरुष एकल खिलाड़ी किदांबी श्रीकांत वॉकओवर के कारण चीन के वेंग होन्गयांग के खिलाफ मैच से बाहर हो गए। इस बीच, जापान की अरीसा हिगाशिनो-आयाको सकुरामोटो ने त्रिशा जॉली-गायत्री गोपीचंद को 23-21, 21-19 से हराकर पहले राउंड में जीत हासिल की। मिश्रित युगल जोड़ी ध्रुव कपूर-तनीषा क्रास्टो ने भी अगले राउंड में अपनी जगह बनाई। पहले गेम में हारने के बाद, ध्रुव और तनीषा ने दूसरे और तीसरे गेम में वापसी करते हुए मैच 8-21, 21-19, 21-17 से जीत लिया।

भारतीय महिलाओं ने दक्षिण कोरिया को 157 अंकों से हराकर रचा इतिहास

नई दिल्ली, 14 जनवरी। भारतीय महिला टीम ने मंगलवार को खो खो विश्वकप के अपने पहले मुकाबले में दक्षिण कोरिया के खिलाफ शानदार प्रदर्शन करते हुए 175-18 से ऐतिहासिक जीत की। आज रात इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम में भारतीय महिला टीम ने बेहतरीन ड्रीम रन और शानदार रक्षात्मक रणनीतियों के साथ अपने कौशल का प्रदर्शन करते टूर्नामेंट में पहली जीत हासिल की। भारतीय टीम के आगे दक्षिण कोरिया की टीम संघर्ष करती नजर आई।

चैत्रा बी, मीरू और कप्तान प्रियंका इंगले ने लगातार ड्रीम रन बनाकर भारतीय टीम के लिए लय बनाई। पहले दो बैच ने एक-एक अंक अर्जित किया। इस रणनीतिक शुरुआत ने दक्षिण कोरिया द्वारा पहले टर्न के अंत में हासिल किए गए 10 टचपॉइंट को बेअसर करने में मदद की।

अपने हक में हालात के आते ही भारतीय टीम ने पूरी ताकत से हमला किया। नसरीन शेख, प्रियंका इंगले और रेशमा राठौड़ की गतिशील तिकड़ी के नेतृत्व में, केवल नब्बे सेकंड में, टीम ने डिफेंडरों के खिलाफ तीन ऑल आउट जीत हासिल की, जिससे स्कोर 24 हो गया। केवल 18 सेकंड बाद, उन्होंने दक्षिण कोरिया पर चौथा ऑल आउट किया, जिससे उनकी बढ़त 22 अंकों की हो गई।

रेशमा राठौड़ ने प्रभावशाली छह टचपॉइंट के साथ शानदार प्रदर्शन किया, जबकि मीनू ने अन्य डाइव के माध्यम से 12 अंकों के साथ शानदार प्रदर्शन किया, जिससे टीम का स्कोर काफी बढ़ गया। दूसरे टर्न के आखिर तक भारतीय टीम ने 16 बैचों को खत्म कर दिया, जिससे स्कोर 94-10 हो गया।

तीसरे टर्न में भी भारतीय महिलाओं उसी तीव्रता को बनाए रखा और ड्रीम रन के माध्यम से तीन अंक जोड़े। दक्षिण कोरिया ने टर्न 3 की दूसरी पारी में केवल आठ अंक ही हासिल किए, जबकि भारत का दबदबा कायम रहा।

अंतिम टर्न ने मैच पर टीम इंडिया के अटूट नियंत्रण को दर्शाया, जिसने अपने विरोधियों को कभी भी लय बनाने का मौका नहीं दिया। मैच का समापन भारत द्वारा दक्षिण कोरिया के 18 अंकों के मुकाबले 175 अंकों के विशाल स्कोर के साथ हुआ, जिसने टूर्नामेंट के महत्वपूर्ण चरणों में प्रवेश करने के साथ ही अपने समूह की अन्य टीमों को एक जोरदार संदेश दिया।

गिल रहेंगे पंजाब की रणजी टीम के लिए उपलब्ध

नई दिल्ली, 14 जनवरी। खराब फॉम से जूझ रहे भारतीय टीम के बल्लेबाज शुभमन गिल ने 23 जनवरी से बेंगलुरु के एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में पंजाब के कर्नाटक के साथ छठे दौर के रणजी ट्रॉफी मुकाबले के लिए उपलब्ध रहने की पुष्टि की है। रणजी ट्रॉफी के छठे दौरे के लिए पंजाब ने टीम की घोषणा नहीं की है। अगर पंजाब की टीम में गिल की वापसी होती है तो उन्हें रणजी इतिहास में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी और पंजाब के कोच के साथ काम करने का अवसर प्राप्त होगा। भारतीय टीम को गर्मियों में इंग्लैंड दौरे पर पांच टेस्ट मैच खेलने है। टीम में वापसी को लेकर गिल को अपनी फार्म में सुधार करना होगा। पंजाब के लिए गिल आखिरी बार 2022 में रणजी ट्रॉफी में खेले थे। भारतीय टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर और मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर ने शीर्ष खिलाड़ियों के लिए अंतरराष्ट्रीय मैचों के बाद अपने-अपने राज्य की टीमों के लिए खेलने को उपलब्ध कराये जाने की बात कही है।

चैपल ड्रेसिंग रूप की बातें लीक करते थे : रॉबिन

नई दिल्ली, 14 जनवरी। रॉबिन उथप्पा ने टीम इंडिया के पूर्व कोच ग्रेग चैपल को लेकर कई बड़े खुलासे किए हैं। उन्होंने बताया कि ग्रेग चैपल के दौर में टीम इंडिया के ड्रेसिंग रूप में क्या गलत हुआ था। ग्रेग चैपल टीम इंडिया ड्रेसिंग रूम में जानकारी लीक कर देते थे। ग्रेग चैपल जब टीम इंडिया के कोच तब ही भारत 2007 के वनडे वर्ल्ड कप में ग्रुप स्टेज से बाहर हो गया था। रॉबिन उथप्पा ने द लल्लनटॉप को बताया कि, उस टीम का माहौल बहुत खराब था।

क्रिकेट में सबसे दिलचस्प बात ये है कि अगल-अलग राज्यों, संस्कृति और घरों से 15-20 लोग एक ही लक्ष्य के लिए खेल रहे होते हैं और वह है भारत के लिए खेलना।वहीं उथप्पा ने कहा कि, इसमें एक जादू है। जब आप इसे सही कर लेते हैं तो क्रिकेट खेलने का मजा ही कुछ और होता है। हमने 2007 के टी20 वर्ल्ड कप में एक-दूसरे की सफलता का आनंद लिया। हम एक इकाई की तरह खेले। भले ही मैं आउट हो जाऊं, लेकिन मैं चाहूंगा कि आप रन बनाएं। जाओ और हमारे लिए मैच जीतो। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि कौन रन बना रहा है या कौन विकेट ले रहा है।

पूर्व भारतीय क्रिकेटर ने बताया कि ग्रेग चैपल भारतीय ड्रेसिंग रूम में ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट संस्कृति को लागू करना चाहते थे और उन्हें वरिष्ठ खिलाड़ियों के प्रतिरोध का सामना करना पड़ा। रॉबिन उथप्पा ने कहा कि, एक युवा खिलाड़ी के रूप में ग्रेग चैपल मेरे लिए बहुत अच्छे थे। मैं तब टीम में आया ही था। मैं युवा था और वह युवाओं का समर्थन करते थे। 20 साल के खिलाड़ी के रूप में मेरा सपना भारत के लिए खेलना, भारत के लिए जीतना था।

रणजी शिविर की जगह आईपीएल टीम के साथ जुड़ने से दिल्ली के विकेटकीपर रावत की मुश्किलें बढ़ी

नई दिल्ली, 14 जनवरी। दिल्ली के अनुभवी विकेटकीपर-बल्लेबाज अनुज रावत अरुण जेटली स्टेडियम में चल रहे राज्य टीम के रणजी शिविर को छोड़कर सूरत में अपनी नयी आईपीएल टीम गुजरात टाइटंस के अभ्यास सत्र में शामिल हुए। दिल्ली को रणजी ट्रॉफी के दूसरे चरण में अगले दौर के अपने मैच राजकोट में सौराष्ट्र का सामना करना है। बीसीसीआई के अधिकारी जब खिलाड़ियों से लाल गेंद प्रारूप को प्राथमिकता देने की अपेक्षा कर रहे हैं तब रावत का रणजी सत्र के दूसरे चरण से एक सप्ताह पहले आईपीएल शिविर में भाग लेना इस बात का स्पष्ट संकेत है कि उनकी प्राथमिकताएं क्या हैं। गुजरात टाइटंस से जारी विज्ञप्ति के मुताबिक, "गुजरात टाइटंस सूरत में एक प्रशिक्षण शिविर के साथ आईपीएल 2025 के लिए अपनी तैयारी शुरू कर दी है। अनुज रावत, इशांत शर्मा, जयंत यादव, कुमार कुशाग्र, महिपाल लोमरोर और अरशद खान जैसे खिलाड़ियों के साथ कोच और स्पोर्ट स्टाफ से जुड़े लोग इस शिविर में शामिल हुए है।" इशांत शर्मा भारतीय टेस्ट टीम में जगह के दावेदार नहीं है और ऐसे में उन्होंने डीडीसीए को बता दिया है कि वह रणजी मैच नहीं खेलेंगे। ऐसे में आईपीएल टीम के शिविर में इशांत के भाग लेने पर कोई विवाद नहीं है।

दिल्ली एवं जिला क्रिकेट संघ (डीडीसीए) के राज्य टीम चयन समिति के संयोजक सचिव अशोक शर्मा से जब रावत के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा, "मुझे इस बात की कोई जानकारी नहीं है कि अनुज ने आईपीएल टीम के शिविर में भाग लेने के लिए यहां जारी रणजी ट्रॉफी शिविर को छोड़ दिया है। उसे इसके लिए राज्य क्रिकेट बोर्ड से मंजूरी लेनी चाहिए थी।।

पेरिस ओलिंपिक के मेडल्स का 5 महीने में रंग उतरा

पेरिस, 14 जनवरी। पेरिस ओलिंपिक 2024 के मेडल 5 महीने में ही रंग छोड़ने लगे हैं। इनमें भारत के मेडलिस्ट के मेडल भी शामिल हैं। पेरिस ओलिंपिक में शूटर मनु भाकर के साथ ब्रॉन्ज जीतने वाले सरबजोत सिंह ने बताया कि उनका मेडल भी रंग छोड़ रहा है और खराब हो गया है। हर मेडलिस्ट के साथ ऐसा हुआ है। फ्रांसीसी ऑनलाइन मीडिया आउटलेट ला लेट्रे के अनुसार, दुनियाभर के 100 से ज्यादा खिलाड़ियों ने पेरिस ओलिंपिक कमेटी से मेडल के खराब होने की शिकायत की है। इंटरनेशनल ओलिंपिक कमेटी ने खराब मेडल को बदलने की बात कही है। मेडल बनाने वाली संस्था मोनने डी पेरिस के एक प्रवक्ता ने कहा है कि मेडल डिफेक्टिव नहीं हैं। जो रंग छोड़ रहे हैं। उन्हें अगस्त से ही बदल रहे हैं और आगे भी जारी रखेंगे।

जयपुर पोलो सीजन 2025 का आज से होगा आगाज

जयपुर, 14 जनवरी। बहुप्रतीक्षित जयपुर पोलो सीजन 2025 की शुरुआत 15 जनवरी से महाराज पृथी सिंह बारिया कप (06 गोल) से होने जा रही है। पहले दिन 15 जनवरी को कैवेलरी ठाउंड पर दो मैच खेले जाएंगे। जिसमें पहला मुकाबला टीम आरपीसी/एएससी और कैवेलरी रॉयल एन्फील्ड के बीच होगा। वहीं दूसरा मैच टीम रामबाग पोलो और अरावली के बीच खेला जाएगा।

ऑस्ट्रेलिया की महिला टीम ने इंग्लैंड को 21 रनों से हराया

मेलबर्न, 14 जनवरी। एलिस पेरी (60) की शानदार बल्लेबाजी के बाद अलाना किंग (चार विकेट) और किंग गार्थ (तीन विकेट) बेहतरीन गेंदबाजी की बदौलत ऑस्ट्रेलिया की महिला टीम ने मंगलवार को दूसरे एकदिवसीय मुकाबले में इंग्लैंड को 21 रनों से हरा दिया है।

ऑस्ट्रेलिया के 180 रनों के जवाब में बल्लेबाजी करने उतरी इंग्लैंड की शुरुआत खराब रही और उसने पहला विकेट आठ रन के स्कोर पर टैमी बोमॉन्ट (तीन) का विकेट गवां दिया।बोमॉन्ट को कि गार्थ ने पगबाधा

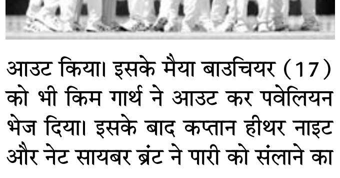

आउट किया। इसके मैया बाउचियर (17) को भी किम गार्थ ने आउट कर पवेलियन भेज दिया। इसके बाद कप्तान हीथर नाइट और नेट सायबर ब्रंट ने पारी को संलाने का प्रयास किया। 16वें ओवर में एश्ली गार्डनर ने हीथर नाइट (18) को अपनी ही गेंद पर कैय आउट कर पवेलियन भेज दिया।

अगले ही ओवर में अलाना किंग ने डेनियल वॉयट (शून्य) को आउट कर ऑस्ट्रेलिया को चौथी सफलता दिलाई। 23वें ओवर में 84 के स्कोर पर किंग ने नैट सायबर ब्रंट (35) को भी अपना शिकार बना लिया। 36वें ओवर में गार्थ ने एलिस कैप्सी को पगबाधा आउट कर मैच पर ऑस्ट्रेलिया की पकड़ मजबूत कर दी। ऐमी जोंस ने इंग्लैंड के लिए (नाबाद 47) रनों की पारी खेली।

कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव सचिन पायलट ने अपने क्षेत्र, टोंक के खजुरिया गांव में बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर की मूर्ति का अनावरण किया। इस दौरान पायलट ने एक सभा को भी संबोधित किया।

'संसाधन के अभाव में पिछड़ रहे वर्ग को मुख्य धारा में आने के अवसर मिलें'

सचिन पायलट ने टोंक जिले के ग्राम खजूरिया में डॉ. अंबेडकर की मूर्ति का अनावरण किया

टोंक,14 जनवरी (निसं)। कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव, पूर्व उपमुख्यमंत्री व टोंक विधायक सचिन पायलट ने कहा कि हमारे देश का सबसे बड़ा ग्रन्थ हमारा संविधान है। आजादी के बाद देश के सामने अनेक चुनौतियां आईं, जिनमें से एक थी, संसाधन के अभाव में जो वर्ग पिछड़ रहा है, उनके लिए सोच-समझकर कानून बनाकर उन्हें समाज की मुख्य धारा में आने के लिए अवसर प्रदान किये जायें। हमारा संविधान हमें सपना देखने के साथ-साथ उसे साकार करने की क्षमता प्रदान करता है, परन्तु आज कुछ लोग, कुछ ताकतें ऐसी हैं, जो बाबा साहेब अम्बेडकर द्वारा बनाये गये संविधान को शक की निगाह से देखती हैं और उसके साथ छेड़छाड़ करके उसे कमजोर करना चाहती हैं। सचिन पायलट ने गांव खजूरिया, ग्राम पंचायत घांस में बाबा साहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर की मूर्ति के अनावरण कार्यक्रम के अवसर पर उक्त विचार व्यक्त किये।

- कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव ने अपने विधानसभा क्षेत्र के नवाबपुरा (पालडा), मेहन्दवास, हसनपुरा, चेतनपुरा, छापरिया (लाम्बा), खजूरिया (घांस) व बमोर गाँवों का दौरा कर ग्रामीणों से संवाद किया।
- उन्होंने कहा कि समर्थन मूल्य पर कानून के अभाव में किसानों की फसल को औने-पौने दामों पर खरीद लिया जाता है और बिचौलिये किसानों का शोषण करते हैं। किसानों को फसल की लागत भी नहीं मिल पाती है।

पायलट ने टोंक विधानसभा क्षेत्र के गांव नवाबपुरा (पालड़ा), मेहंदवास, हसनपुरा, चेतनपुरा, छापरिया (लाम्बा), खजूरिया (घांस) व बमोर गांवों का दौरा किया और ग्रामीणों से संवाद किया। उन्होंने कहा कि किसान और नौजवान देश की रीढ़ की हड्डी हैं। किसानों और नौजवानों के साथ अन्याय नहीं होना चाहिए, उनकी बातों को प्राथमिकता देनी चाहिए, केन्द्र सरकार अपनी हठधर्मिता के चलते किसानों की बातों को नहीं सुन रही है। किसानों की लम्बे समय से मांग है कि सरकार न्यूनतम समर्थन मूल्य पर कानून बनाये। उन्होंने कहा कि समर्थन मूल्य पर कानून के अभाव में किसानों की फसलों को औने-पौने दामों पर खरीद लिया जाता है और बिचौलिये किसानों का शोषण करते हैं।

पायलट ने कहा कि प्रदेश में गत कांग्रेस सरकार ने जनता को सहूलियत पहुंचाने के उद्देश्य से एक साल पहले नए जिले बनाये थे। उसके एक साल बाद, भाजपा सरकार ने उनमें से कुछ जिलों को समाप्त कर दिया। उन्होंने कहा कि सरकार को चाहिए था कि नीति बनाकर मापदण्ड तय करती और उसके तहत जिले समाप्त करती, अपनी मनमर्जी से जिले समाप्त करना उचित नहीं है। प्रदेश में सरकार बने एक साल हो गया है, परन्तु महंगाई, रोजगार आदि जिन मुद्दों को लेकर भाजपा सत्ता में आयी थी, उन पर धरातल में कोई काम नहीं हुआ है। उन्होंने कहा कि सरकार ने एक साल पहले कहा था कि प्रदेश के नौजवानों को चार लाख नौकरियां देंगे। सरकार बताये कि उसके गठन के बाद एक साल में नई सरकार ने कितनी नौकरियां प्रदेश के युवाओं को दी हैं।

टोंक दौरे के दौरान, पायलट ने एक करोड़ रूपये की लागत से निर्मित राजकीय उच्च प्राथमिक स्कूल नवाबपुरा, ग्राम पंचाचत पालड़ा के नवीन विद्यालय भवन, 10 लाख रूपये की स्वीकृत राशि से निर्मित राजकीय उच्च प्राथमिक स्कूल मेहन्दवास में दो नवीन कक्षाकक्ष, 10 लाख रूपये की लागत से गांव मेहन्दवास में बाग वाले बालाजी के पास निर्मित सामुदायिक भवन, राजकीय उच्च प्राथमिक स्कूल खजूरिया में 20 लाख रूपये की स्वीकृत राशि से निर्मित प्रार्थना हॉल मंच तथा तीन नवीन कक्षाकक्ष, राजकीय प्राथमिक स्कूल अरनियातिवाड़ी में 20 लाख रूपये की स्वीकृत राशि से निर्मित कक्षा-कक्ष, इंटरलॉकिंग, राजकीय उच्च माध्यमिक स्कूल हयातपुरा में 15 लाख रूपये की स्वीकृत राशि से निर्मित तीन नवीन कक्षा-कक्ष तथा राजकीय उच्च माध्यमिक स्कूल बमोर में 15 लाख रूपये की स्वीकृत राशि से निर्मित पुस्तकालय सभागार का लोकार्पण किया।

हत्या के दो मामलों में आजीवन कैदी को ओपन जेल भेजा

जयपुर, 14 जनवरी। राजस्थान हाईकोर्ट ने कहा कि हत्या के अपराध में आजीवन कारावास की सजा काटने के दौरान, पाकिस्तानी की हत्या में मिली उम्रकैद के आधार पर कैदी को ओपन जेल में शिफ्ट करने से इनकार नहीं किया जा सकता है। इसके साथ ही अदालत ने राज्य सरकार के 24 जनवरी, 2024 के आदेश को निरस्त करते हुए याचिकाकर्ता को ओपन जेल में भेजने के आदेश दिए हैं। जस्टिस अनूप कुमार ढंड की एकलपीठ ने यह आदेश केन्द्रीय कारागार, जयपुर में बंद भजन मीणा की याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए। अदालत ने कहा कि प्रत्येक संत का एक अतीत होता है और हर पापी का एक भविष्य होता है। ऐसे में प्रत्येक कैदी को सुधार और पुनर्वास का अधिकार है, ताकि वह अपनी रिहाई के बाद जिम्मेदार नागरिक के रूप में सामान्य जीवन जी सके।

याचिका में अधिवक्ता टीसी स्वामी ने बताया याचिकाकर्ता ने जेल प्रशासन को प्रार्थना पत्र पेश कर उसे ओपन जेल में शिफ्ट करने की गुहार की थी, लेकिन 24 जनवरी, 2024 को

- हाई कोर्ट ने कहा, उम्र कैद की सजा काटते हुए एक पाकिस्तानी की हत्या पर फिर उम्र कैद की सजा, ओपन जेल में नहीं भेजने का आधार नहीं हो सकता है।

प्रार्थना पत्र यह कहते हुए खारिज कर दिया कि सजा काटने के दौरान एक पाकिस्तानी की हत्या करने के आरोप में उसे आजीवन कारावास की सजा मिली है। याचिका में नरेन्द्र सिंह के केस का हवाला देते हुए कहा गया कि उसने आजीवन कारावास की सजा काटते हुए जेल में जेलर की हत्या कर दी थी। अदालत ने उस अभियुक्त को भी ओपन जेल भेजने के आदेश दिए थे। ऐसे में याचिकाकर्ता का भी समान प्रकरण है। इसलिए उसे भी ओपन जेल भेजा जाए। इसका विरोध करते हुए राज्य सरकार की ओर से एएजी राजेश चौधरी ने कहा कि याचिकाकर्ता को हत्या के दो मामलों में आजीवन कारावास की सजा हुई है। एक मामले में सजा काटते हुए उसने पाकिस्तानी की हत्या भी की और उसे उस मामले में आजीवन कारावास मिला।

ऐसे में, उसे ओपन जेल में भेजने की प्रार्थना को तर्कसंगत और ठोस आधार पर खारिज किया गया है। दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद, अदालत ने याचिकाकर्ता को ओपन जेल में भेजने के आदेश दिए हैं।

गुजरात में पतंग उड़ाकर मकर संक्रांति मनाई अमित शाह ने

राष्ट्रपति मुर्मू, प्र.मंत्रीमोदी, विपक्ष के नेता राहुल गांधी सहित सभी दलों के नेताओं ने देशवासियों को मकर संक्रांति की शुभकामनाएं दीं

- उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री और गोरक्षपीठाधीश्वर महंत योगी आदित्यनाथ ने बाबा गोरखनाथ को खिचड़ी अर्पित की। इस अवसर पर नेपाल राज परिवार द्वारा भेजी गई खिचड़ी का भी भोग लगाया गया।
- देश भर में हिंदू धर्मावलम्बियों ने पवित्र नदियों व सरोवरों में स्नान किया औरा दान पुण्य किया।
- हरिद्वार में भी गंगा स्नान के लिए देश भर से श्रृद्धालुओं की भारी भीड़ जुटी।

नयी दिल्ली, 14 जनवरी। पूरे देश में कड़ाके की ठंड के बीच मंगलवार को मकर संक्रांति का पर्व हर्षोल्लास और परंपरागत अनुष्ठानों के साथ मनाया गया। सूर्य के आज उत्तरायण में प्रवेश करने के मौके पर मनाए जाने वाले मकर संक्रांति और घुघती त्योहार पूरे देश में हर्षोल्लास से मनाया गया। पवित्र नदियों में व सरोवरो के देव डोलियों को स्नान कराया गया, तथा श्रद्वालुओं ने भी पवित्र स्नान किया। साथ ही, स्थान-स्थान पर खिचड़ी भोज के आयोजन भी किए गए।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु, उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, गृह मंत्री अमित शाह समेत कई मंत्रियों तथा लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे समेत विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं ने मकर संक्रांति के पर्व पर पूरे देशवासियों को शुभकामनाएं दीं।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को गुजरात के अहमदाबाद के मेमनगर इलाके में स्थित शांतिनिकेतन सोसाइटी में पतंग उड़ाकर आम लोगों के बीच मकर संक्रांति का पर्व मनाया और मकर संक्रांति पर्व की शुभकामनाएं दी। राज्य के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल भी उनके साथ मकर संक्रांति के इस हर्षोल्लासपूर्ण उत्सव में शामिल हुए तथा इस पर्व की शुभकामनाएं दी।

यूपी के सीएम तथा गोरक्षपीठाधीश्वर महंत योगी आदित्यनाथ ने मकर संक्रन्ति के अवसर पर मंगलवार को कड़ाके की ठंड के बीच शिवावतारी बाबा गोरक्षनाथ को खिचड़ी चढ़ायी। पड़ोसी देश नेपाल के राज परिवार द्वारा भेजी गयी खिचडी का भोग लगाया। मकर संक्रान्ति का पर्व पूर्वी उत्तर प्रदेश, बिहार तथा पड़ोसी देश नेपाल में भी बड़ी धूमधाम से मनाया जाता है।

मकर संक्रांति को वर्ष के सबसे शुभ समयों में से एक माना जाता है, जो सूर्य के दक्षिणायन से उत्तरायण में संक्रमण का प्रतीक है, प्रयागराज में महाकुम्भ का आयोजन होने के कारण इस बार ऋषिकेश और हरिद्वार में गंगा तट पर पिछले वर्ष की अपेक्षा कम संख्या में गंगा स्नान को श्रद्वालु पहुंचे। हरिद्वार में ब्रह्म कुण्ड में स्नान के लिए पर्वतीय स्थानों से भक्त जन देव डोलियों को स्नान कराने के लिए वाहनों से लेकर आए। इस दौरान, मंदिरों के अलावा, स्थान-स्थान पर श्रद्वालुओं ने खिचड़ी वितरित की। जबकि अधिकांश घरों में भी खिचड़ी ही बनाई गई। कुमायूं क्षेत्र में इस दिन को घुघुतिया त्योहार के रूप में परंपरागत रूप से मनाया गया।

मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने नागरिकों को सूर्य की उपासना के पर्व मकर संक्रांति की बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने अपने शुभकामना संदेश में कहा है, सूर्योपासना के पावन पर्व मकर संक्रांति की आप सभी को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं।

महाकुंभ के पहले शाही...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

हैं। रात में यह आंकड़ा और बढ़ेगा।

सोमवार रात से अभी तक 4 लोगों की दिल का दौरा (हार्ट अटैक) पड़ने से मौत हो गई है। इनमें 3 स्वरूप रानी नेहरू अस्पताल और 1 मेला केन्द्रीय हॉस्पिटल में भर्ती था। रैन बसेरे, होटल फुल हैं, लोगों ने सड़कों पर डेरा डाला, जब लोगों को लगा कि उनका प्रयागराज से आज निकलना मुमकिन नहीं है, तो उन्होंने रैन बसेरों का रुख किया। लेकिन, सभी रैन बसेरे फुल हो चुके हैं। हजारों की संख्या में लोग होटल, रैन बसेरों के सामने देखे गए। लोगों ने सड़कों पर ही अपना डेरा जमा लिया है।

सोमवार को पहले स्नान पौष पूर्णिमा पर 1.65 करोड़ लोगों ने संगम में डुबकी लगाई थी। मंगलवार को 3.5 करोड़ लोगों ने संगम में स्नान किया। इस तरह 2 दिनों में कुल 5.15 करोड़ लोग संगम में स्नान कर चुके हैं।

संत हर-हर महादेव का जयकारा लगाते घाट पर पहुंचे। सुबह 6 बजे अमृत स्नान का अद्भुत दृश्य था। हाथों में तलवार-त्रिशूल और डमरू लिए संन्यासी हर-हर महादेव का उद्घोष करते हुए घाटों पर पहुंचे। महाकुंभ में पहली बार शाही स्नान की जगह अमृत स्नान शब्द का इस्तेमाल किया गया। अखाड़ों ने नाम बदलने का प्रस्ताव दिया था। महाकुंभ क्षेत्र से प्रयागराज होकर दूर-दराज के जिलों की यात्रा करने वाले श्रद्धालुओं के रास्ते में घना कोहरा उनके गंतव्य तक पहुंचने में देरी का कारण बन रहा है। प्रयागराज शहर सहित, पड़ोसी जनपद के मार्ग में घना कोहरा है।

स्टेशन के बाहर से बहुत व्यवस्थित तरीके से लोगों को भेजा जा रहा है। ट्रेन नंबर के हिसाब से आरपीएफ के जवान यात्रियों को ले जा रहे हैं। जिससे भगदड़ जैसी स्थिति नहीं बनने पाए और सुरक्षा व्यवस्था बनी रहे। प्रयागराज स्टेशन के सामने लीडर रोड पर यात्रियों की भारी भीड़ लगी है।

आगामी बजट में ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

इकोमॉमिक ग्रोथ चार वर्ष में सबसे कम 6.4 प्रतिशत रहेगी। इससे मांग बढ़ाने के उपाय करने पर जोर दिया जा रहा है। नई टैक्स प्रणाली के तहत, कर सम्बंधी उपायों में व्यक्तियों को राहत देने, कॉरपोरेट टैक्स सरलीकरण और "टैक्स डिडक्टेड एट सोर्स" (टी.डी.एस.) को भी आसान बनाने पर चर्चा हो रही हैं।

हर तरफ से भाजपा में भी नए टैक्स प्रणाली में स्लैब के विस्तार की मांग उठ रही है, क्योंकि शहरी मांग कम हो रही है। इस पर अगले कुछ दिनों में निर्णय कर लिया जाएगा।

वर्तमान में 15 लाख रु. वार्षिक आय पर 30 प्रतिशत टैक्स है। टैक्स का भार कम होने से मांग बढ़ेगी।

कुछ फॉलो अप उपायों से रोजगार सृजन में मदद मिलेगी। जुलाई के बजट में तीन रोजगार सम्बंधी इन्सैंटिव योजनाएं घोषित की गईं थी।

85 लाख लोगों ने पवित्र तीर्थ गंगा सागर में स्नान किया

मकर संक्रांति पर गंगा सागर में स्नान का विशेष महत्व है

गंगा सागर , 14 जनवरी। पश्चिम बंगाल के पवित्र गंगासागर मेले में मकर संक्रांति के मौके पर करीब 85 लाख लोगों ने डुबकी लगाई है। गंगासागर मेले के आयोजन का दायित्व बंगाल के खेल मंत्री अरुण विश्वास को मिला है। उन्होंने सोमवार शाम को बताया कि इस बार भी गंगा सागर मेले में जन सैलाब उमड़ पड़ा है।

गंगासागर मेले में पवित्र स्नान करने आए भक्तों की श्रद्धा सर्दी पर भारी पड़ी। पिछले कई दिनों से गंगासागर मेले में पहुंच रहे लाखों भक्तों ने सोमवार सुबह ठिठुरन भरी सर्दी में संक्रांति के पवित्र मौके पर सागर तट के निकट डुबकी लगाई। रात से ही सागर तट पर भारी संख्या में भक्त पहुंचने लगे थे। सरकार की ओर से बताया गया कि सोमवार को 30 लाख तीर्थयात्रियों ने डुबकी लगाई। अब तक 85 लाख श्रद्धालु पवित्र डुबकी

- गंगा सागर में पवित्र स्नान सोमवार से ही शुरु हो गया था। सोमवार को 30 लाख लोगों ने स्नान किया था और श्रद्धालुओं के आने का क्रम जारी है।

लगा चुके हैं। हालांकि, इस बीच मेले को राष्ट्रीय मेला घोषित करने को लेकर राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप सोमवार को भी जारी है। अरुण विश्वास ने सोमवार शाम को बताया कि कोलकाता से अभी भी लोगों का हुजूम चल रहा है। रास्ते में लोगों की भारी भीड़ गंगासागर की तरफ बढ़ रही है। उन्होंने बताया कि पुण्य स्नान का समय सोमवार सुबह 6.58 मिनट पर था, लेकिन लोग रात से ही सागर में पवित्र डुबकी लगाने लग गए थे।सुबह जैसे ही 6.58 बजे, सर्दी के बीच, सागर तट पर भक्तों का ज्वार आ गया। ठंड की परवाह किए बगैर लाखों की संख्या में भक्त पवित्र डुबकी लगाने सागर में उतर गये। उन्होंने बताया कि सोमवार शाम तीन बजे तक 30 लाख भक्त पवित्र डुबकी लगा चुके थे। इस तरह से एक जनवरी से अब तक 85 लाख भक्त स्नान कर चुके हैं। सागर तट पर पवित्र स्नान करने के बाद, भक्त पास ही स्थित कपिल मुनि आश्रम जाते हैं और वहां पर पूजा अर्चना करते हैं। सुबह जब कपिल मुनि आश्रम के कपाट खुले, तब तक मंदिर से सागर तट तक लंबी लाईन लग गई थी, जो देर रात तक जारी थी। हर भक्त पवित्र स्नान करने के बाद कपिल मुनि आश्रम में पूजा-अर्चना करने के बाद ही वापस लौटता है।

कांग्रेस ने दिल्ली प्रत्याशियों की चौथी सूची जारी की

नयी दिल्ली, 14 जनवरी। कांग्रेस ने दिल्ली विधानसभा चुनाव के लिए 16 उम्मीदवारों की चौथी सूची आज जारी कर दी।

कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल ने यह जानकारी देते हुए बताया कि पार्टी की केन्द्रीय चुनाव

- कृष्णा तीरथ को पटेल नगर से उम्मीदवार बनाया।

समिति ने इन उम्मीदवारों के नाम का चयन किया है।उन्होंने बताया कि पार्टी ने वरिष्ठ नेता कृष्णा तीरथ को पटेल नगर सुरक्षित सीट से उम्मीदवार बनाया है, जबकि घोंडा सीट से भीष्म शर्मा को टिकट दिया गया है। गोकुलपुर सु. सीट से प्रमोद जयंत का नाम काटकर, ईश्वर बागड़ी को पार्टी का नया उम्मीदवार बनाया है।

'संकट ग्रस्त मणिपुर को डेढ़ साल से मोदी का इंतज़ार'

कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे ने आरोप लगाया कि मोदी को दुनिया भर में घूमने के लिये समय है, मणिपुर के लिये नहीं

नयी दिल्ली, 14 जनवरी। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा है कि मणिपुर करीब डेढ़ साल से संकट में है लेकिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी वहां जाकर लोगों सें नहीं मिले, हालांकि मणिपुर के लोग आज भी मोदी का इंतजार कर रहे हैं।

खरगे ने मणिपुर से एक साल पहले आज ही के दिन शुरू हुई कांग्रेस नेता राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा का जिक्र करते हुए मंगलवार को कहा कि वहां के लोगों के जख्मों पर मलहम लगाने की कोशिश करते हुए गांधी ने एक साल पहले मणिपुर से ही अपनी यात्रा की शुरुआत की थी, लेकिन वहां के लोग आज भी संकट में हैं और समाधान के लिए मोदी का इंतजार कर रहे हैं।

उन्होंने कहा, आज से ठीक एक साल पहले कांग्रेस ने मणिपुर से भारत जोड़ो न्याय यात्रा शुरु की थी। कन्याकुमारी से कश्मीर तक हुई ऐतिहासिक भारत जोड़ो यात्रा का अनुसरण करते हुए भारत जोड़ो, न्याय यात्रा की शुरुआत मणिपुर से हुई यह 15 राज्यों से गुजरी थी और 6,600 किलोमीटर की दूरी को कवर किया था। इसका समापन 16 मार्च 2024 को मुंबई में हुआ।

- खड़गे ने कहा कि कुछ दिन पहले ही शिक्षा, बाल, महिला, युवा व खेल संबंधित, संसद की स्थाई समिति को मणिपुर का प्रस्तावित दौरा स्थगित करने के लिये कहा गया।

उन्होंने कहा, मणिपुर को अब भी प्रधानमंत्री की यात्रा का इंतजार है, जिनके पास दुनिया भर में घूमने के लिए तो समय और इच्छाशक्ति है, लेकिन वे मणिपुर के संकटग्रस्त लोगों के पास जाना जरूरी नहीं समझ रहे हैं। वे लगातार अपनी पार्टी के विधायकों और खुद मुख्यमंत्री समेत मणिपुर के राजनेताओं से मिलने से इंकार करते रहे हैं।

मणिपुर के लोग तीन मई, 2023 से लगातार दुख, दर्द और पीड़ा में है। अभी कुछ दिन पहले, शिक्षा, बाल, महिला, युवा, और खेल संबंधित स्थायी संसदीय समिति को राज्य की स्थिति समझने के लिए वहां के अपने प्रस्तावित दौरे को स्थगित करने के लिए कह दिया था।

कांग्रेस ने दिल्ली प्रत्याशियों की चौथी सूची जारी की

नयी दिल्ली, 14 जनवरी। कांग्रेस ने दिल्ली विधानसभा चुनाव के लिए 16 उम्मीदवारों की चौथी सूची आज जारी कर दी।

कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल ने यह जानकारी देते हुए बताया कि पार्टी की केन्द्रीय चुनाव समिति ने इन उम्मीदवारों के नाम का चयन किया है।

- कृष्णा तीरथ को पटेल नगर से उम्मीदवार बनाया।

उन्होंने बताया कि पार्टी ने वरिष्ठ नेता कृष्णा तीरथ को पटेल नगर सुरक्षित सीट से उम्मीदवार बनाया है, जबकि घोंडा सीट से भीष्म शर्मा को टिकट दिया गया है। गोकुलपुर सु. सीट से प्रमोद जयंत का नाम काटकर, ईश्वर बागड़ी को पार्टी का नया उम्मीदवार बनाया है।

आतिशी ने कालकाजी से नामांकन भरा

नयी दिल्ली 14 जनवरी । आम आदमी पार्टी की नेता एवं दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी ने कालकाजी विधानसभा क्षेत्र से मंगलवार को अपना नामांकन दाखिल किया। आतिशी ने नामांकन दाखिल करने के लिए सोमवार को लंबा रोड शो निकाला था, लेकिन देर होने की वजह से पर्चा नहीं भर पाई थी। उन्होंने कल रोड शो से पहले कालकाजी मंदिर में पूजा-अर्चना की और गिरी नगर गुरुद्वारा में मत्था टेका था। उसके बाद पूर्व

- बहुत लंबे रोड शो के कारण कल (सोमवार को) वे नामांकन करने समय से नहीं पहुँच पाई थीं।

उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया के साथ करीब डेढ़ किमी का रोड शो किया था।

गौरतलब है कि कालकाजी विधानसभा क्षेत्र से भारतीय जनता पार्टी ने पूर्व सांसद रमेश बिधूड़ी और कांग्रेस ने पार्टी की राष्ट्रीय महिला अध्यक्ष अलका लांबा को मैदान में उतारा है।

इंडिया समूह दिल्ली में "आप" का समर्थन करे- शरद पवार

मुंबई, 14 जनवरी। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा-एसपी) प्रमुख शरद पवार ने मंगलवार को कहा कि इंडिया समूह को दिल्ली विधानसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी (आप) और अरविंद केजरीवाल का समर्थन करना चाहिए।

हालांकि पवार ने यहां संवाददाताओं से बातचीत में यह भी कहा कि इंडिया समूह केवल राष्ट्रीय स्तर के चुनावों पर केन्द्रित है। उन्होंने कहा कि इंडिया समूह के भीतर राज्य एवं स्थानीय चुनावों पर कभी कोई चर्चा नहीं हुई है और यह केवल राष्ट्रीय स्तर के चुनावों के लिए है।

महाराष्ट्र में आगामी नगर निगम चुनावों के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा , राज्य में सभी विपक्षी दल 8-10 दिनों के भीतर बैठक के माध्यम से तय करेंगे कि हम एक साथ लड़ेंगे या स्वतंत्र रूप से।

पवार का यह बयान शिवसेना (यूबीटी) के सांसद संजय राउत की उस घोषणा के बाद सामने आया है, जिसमें कहा गया था कि उनकी पार्टी स्थानीय निकाय चुनाव स्वतंत्र रूप से लड़ेगी।

'2026 करोड़...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अजीब बात यह है कि लोकसभा चुनावों में पहली पसंद के रूप में मोदी को स्वीकार करने वाले मतदाताओं की पहली पसंद भाजपा है, लेकिन उनकी दूसरी पसंद है आप तथा उसका कारण हैं- मुफ्त बिजली-पानी, डीटीसी बसों में महिलाओं की मुफ्त यात्रा तथा मोहल्ला क्लीनिकों में मुफ्त इलाज। आप ने प्रचार में ऐसा माहौल बना रखा है कि अगर भाजपा सत्ता में आई तो ये सारे फायदे गायब हो जायेंगे। विभिन्न विवादों और अन्दरूनी मतभेदों के बावजूद, दिल्ली के लोग, पिछले दस साल में केजरीवाल द्वारा शुरु की गई मुफ्तखोरी के कारण, आप को बेहतर चयन मानते हैं।

हाई कोर्ट से वापस ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

किसी अमित नाम के खाते में ट्रांसफर कराए गए। याचिकाकर्ता को ठगी की जानकारी मिलने पर उसने बगरू थाने में रिपोर्ट दर्ज करा दी। इसके बाद संबंधित बैंक खाते में जमा राशि को फ्रीज करा दिया गया। इस राशि पर किसी अन्य के क्लेम नहीं करने पर, याचिकाकर्ता ने अपनी राशि को वापस लेने के लिए निचली अदालत में सुपुर्दगी प्रार्थना पत्र पेश किया, जिसे निचली अदालत ने यह कहते हुए खारिज कर दिया कि याचिकाकर्ता से हुए फ्रॉड के बाद संबंधित बैंक में यह राशि जमा हुई है और जांच लंबित है। याचिका में कहा गया कि पुलिस ने बाद में एफआर पेश करते हुए याचिकाकर्ता को राशि देने पर आपत्ति नहीं होना बताया। इस पर याचिकाकर्ता ने फिर से निचली अदालत में प्रार्थना पत्र पेश किया, लेकिन अदालत ने फिर से प्रार्थना पत्र खारिज कर दिया। याचिका में कहा गया कि बीते करीब तीन साल से किसी तीसरे पक्ष ने इस राशि पर क्लेम नहीं किया है और उसे अभी तक अपनी यह राशि नहीं मिली है। याचिका पर सुनवाई करते हुए एकलपीठ ने निचली अदालत को सुपुर्दगी पर यह राशि याचिकाकर्ता को दिलाने को कहा है।

बेंगलूरू में स्पेन का वाणिज्य दूतावास खुलेगा

मैड्रिड, 14 जनवरी। भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा है कि स्पेन जल्द ही बेंगलुरु में एक वाणिज्य दूतावास खोलेगा। उन्होंने इसे दोनों देशों के बीच संबंधों को प्रगाढ़ करने के लिए एक अच्छा संकेत बताया। स्पेन की दो दिवसीय यात्रा पर आए जयशंकर ने यहां भारतीय समुदाय के साथ बातचीत के दौरान ये टिप्पणियां कीं। उन्होंने समुदाय के साथ बातचीत करते हुए कहा, दोनों देशों की जनता के स्तर पर संबंधों के संदर्भ में, मुझे उम्मीद है कि बार्सिलोना के लोग इस बात का स्वागत करेंगे कि हमारा वहां एक वाणिज्य दूतावास है।

- विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने इसे दोनों देशों के रिश्ते प्रगाढ़ होने का संकेत बताया।

जयशंकर ने कहा, ये अच्छे संकेत हैं कि हमारे रिश्ते गहरे हो रहे हैं और आप बड़ी-बड़ी संस्थाएं बना रहे हैं, क्योंकि आप कह सकते हैं कि व्यापार बढ़ रहा है। जैसे-जैसे रिश्ते प्रगाढ़ होते हैं, हमारे पास वाणिज्य दूतावास होना चाहिए और कौन जानता है कि भविष्य में हम कहां होंगे। विदेश मंत्री ने कहा, हमने तय किया है कि हम 2026 को दोहरे वर्ष के रूप में मनाएंगे। एक ऐसा दोहरा वर्ष, जिसमें हम दोनों देशों में संस्कृति, पर्यटन और कृत्रिम बुद्धिमत्ता का जश्न मनाएंगे। इसलिए 2025 में हम 2026 की तैयारी के लिए कड़ी मेहनत करेंगे।

विदेश मंत्री के रूप में जयशंकर की यह स्पेन की पहली यात्रा है, जो स्पेन के राष्ट्रपति पेड्रो सांचेज की भारत यात्रा के लगभग ढ ाई महीने बाद हो रही है। जयशंकर ने स्पेन के विदेश मंत्री जोस मैनुअल अल्बेरेस से मुलाकात की और क्षेत्रीय एवं वैश्विक मुद्दों पर चर्चा भी की।

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू (राज.) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. RAJHIN/2009/28296 जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665, जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600